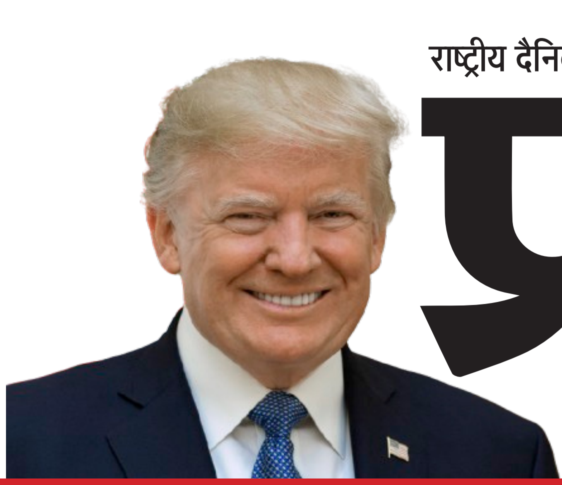


राष्ट्रीय दैनिक

# प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

10 भारत-अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर सहमति बनी

हरियाणा मंत्रिमंडल ने शहीद सैनिकों के बच्चों के लिए........ 12



वर्ष : 16 | अंक : 54 | नई दिल्ली, शनिवार, 28 जून, 2025 | विक्रम संवत् 2082 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com


# छोटे उद्योग भारतीय अर्थव्यवस्था के मजबूत स्तंभ: मुर्मु

**नई दिल्ली, एजेंसी**

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि छोटे उद्योग भारतीय अर्थव्यवस्था के मजबूत स्तंभ है। शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई दिवस 2025 के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए ये बात कही। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि छोटे उद्योग रोजगार सृजन के साथ सामाजिक समावेशन को भी बढ़ाते हैं। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग न केवल देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं बल्कि जमीनी स्तर पर नवाचार को भी बढ़ावा देते हैं। छोटे उद्योग महिलाओं, युवाओं, ग्रामीण क्षेत्रों तथा वंचितों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराकर सामाजिक समावेशन को भी बढ़ाते हैं। उन्होंने कहा, उद्योग क्षेत्र देश की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का जिक्र करते हुए कहा कि छोटे उद्योगों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। विकसित भारत के सपने को साकार करने में योजनाओ का लाभ उठाना चाहिए। विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने में छोटे उद्योग महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कृषि के बाद रोजगार का सबसे बड़ा क्षेत्र राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि देश की जीडीपी में छोटे उद्योगों का करीब 30 प्रतिशत, विनिर्माण में 36 प्रतिशत और निर्यात में 45 प्रतिशत का योगदान रहा है। यह क्षेत्र कृषि के बाद रोजगार का दूसरा सबसे बड़ा क्षेत्र है। इस क्षेत्र से पिछड़े और ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार के अवसर पैदा होते हैं। इस तरह यह क्षेत्र कमजोर वर्गों के सशक्तिकरण और विकास के विकेंद्रीकरण से समावेशी विकास में

मदद करते हैं। चुनौतियों से निपटने के लिए नीतिगत बदलाव छोटे उद्योगों के सामने वित्त की समस्या के साथ साथ बड़ी कंपनियों से प्रतस्पिर्धा, अत्याधुनिक तकनीक की कमी, कच्चे माल और कुशल मानवश्रम की कमी, सीमित बाजार और भुगतान में देरी की दिक्कते हैं। राष्ट्रपति ने कहा, छोटे उद्योगों को इन चुनौतियों से निपटने में सक्षम बनाने के लिए सरकार ने कुछ नीतिगत बदलाव किए हैं। छोटे उद्योगों की परिभाषा बदलकर इनका दायरा बढाया गया है। डाक टिकट और पोर्टल का अनावरण राष्ट्रपति ने ऋण गारंटी निधि ट्रस्ट (सीजीटीएमएसई) के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक विशेष डाक टिकट जारी किया। ऑनलाइन विवाद समाधान (ओडीआर) पोर्टल के अनावरण के साथ एमएसएमई हैकाथॉन 5.0 का भी शुभारंभ किया। राष्ट्रपति 'एमएसएमई पत्रिका' और एक पुस्तिका 'अपने ऋणदाता को जानें' का विमोचन किया। कार्यक्रम में केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्री जीतन राम मांझी, राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे और खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार समेत अन्य रहे।

# राजनाथ सिंह ने चीनी रक्षा मंत्री से मुलाकात की, कहा- दोनों पक्षों को सकारात्मक गति बनाए रखनी चाहिए

**किंगदाओ/नई दिल्ली, एजेंसी**

किंगदाओ/नई दिल्ली। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) समिट के दौरान भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और चीन के रक्षा मंत्री डॉन की मुलाकात हुई। राजनाथ सिंह ने खुद इसकी जानकारी दी। बैठक के बारे में जानकारी साझा करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि हमने द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े मुद्दों पर रचनात्मक और दूरदर्शी विचारों का आदान-प्रदान किया। रक्षा मंत्री ने कैलाश मानसरोवर यात्रा के फिर से शुरू होने पर खुशी जताई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मुलाकात की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, किंगदाओ में एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान चीन के रक्षा मंत्री एडमिरल डॉन जून के साथ बातचीत की। हमने द्विपक्षीय संबंधों से संबंधित मुद्दों पर रचनात्मक और दूरदर्शी विचारों का आदान-प्रदान किया। लगभग 6 साल के अंतराल के बाद कैलाश मानसरोवर यात्रा को फिर से शुरू करने पर अपनी खुशी व्यक्त की। दोनों पक्षों के लिए ये जरूरी है कि वो इस सकारात्मक गति को बनाए रखें और द्विपक्षीय संबंधों में नई जटिलताओं को जोड़ने से बचें। राजनाथ सिंह एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक के लिए गुरुवार को चीन पहुंचे। उनके आगमन पर एडमिरल डॉन जून ने उनका स्वागत किया। राजनाथ सिंह, डॉन जून और अन्य नेताओं ने रक्षा मंत्रियों की बैठक से पहले एक ग्रुप फोटो करवाया।

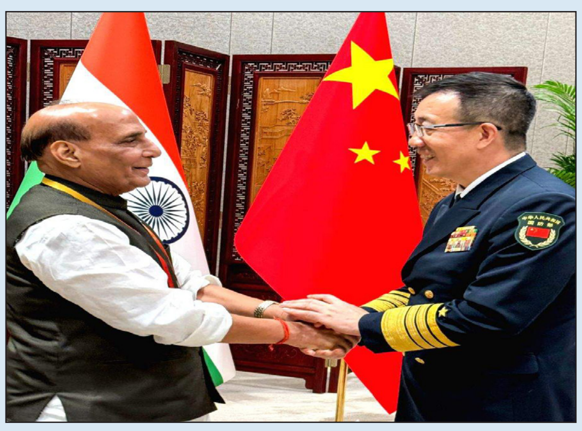

एससीओ सम्मेलन को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री सिंह ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए जघन्य आतंकी हमले का जिक्र किया, जिसमें एक नेपाली नागरिक सहित 26 नागरिक मारे गए थे। उन्होंने कहा कि भारत ने सीमा पार आतंकी ढांचे को नष्ट करने के लिए ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से आत्मरक्षा के अपने अधिकार का इस्तेमाल किया। उन्होंने एससीओ देशों से दोहरे मानदंडों को अस्वीकार करने और आतंकवाद की मदद करने वालों को जवाबदेह ठहराने का भी आग्रह किया। भारत ने एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक में संयुक्त घोषणापत्र का समर्थन करने से इनकार कर दिया, क्योंकि इस घोषणापत्र में आतंकवाद से जुड़ी चिंताओं को बाहर रखा गया था।

**चीन सीमा पर स्थायी शांति के लिए जटिल मुद्दों का समाधान जरूरी: राजनाथ**

किंगदाओ/नई दिल्ली। भारत और चीन के बीच लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद को सुलझाने और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए भारत ने एक चार सूत्री योजना का प्रस्ताव रखा है। यह जानकारी हाल ही में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उनके चीनी समकक्ष के बीच हुई बैठक के बाद सामने आई है। यह बैठक शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के ढांचे के तहत चीन के किंगदाओ में आयोजित की गई थी, जहां दोनों देशों ने सीमा पर शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए ठोस कदम उठाने पर सहमति जताई। शंघाई सहयोग संगठन की रक्षा मंत्रियों की बैठक से इतर राजनाथ सिंह और चीन के रक्षा मंत्री एडमिरल डोंग जुन के बीच अहम द्विपक्षीय मुलाकात हुई। सूत्रों के अनुसार, इस बैठक में राजनाथ सिंह ने सीमा तनाव कम करने और कूटनीतिक संबंधों को मजबूत करने के लिए चार सूत्रीय योजना पेश की। 1. 2024 के डिसएंगेजमेंट प्लान का सख्ती से पालन भारत ने लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सैन्य टकराव को कम करने के लिए दोनों देशों की सेनाओं को चरणबद्ध तरीके से पीछे हटाने का सुझाव दिया। गलवान घाटी में 2020 की हिंसक झड़प के बाद से दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया था, जिसके बाद से भारत और चीन ने डी-एस्केलेशन की प्रक्रिया शुरू की है। हाल के महीनों में डेमचोक और डेपसांग जैसे क्षेत्रों से सैन्य वापसी के बाद यह प्रस्ताव और मजबूत हुआ है। 2. तनाव कम करने के लिए निरंतर प्रयास- नियमित राजनयिक और सैन्य संवाद भारत ने सीमा प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए नियमित और पारदर्शी संवाद पर जोर दिया। दोनों देशों ने विशेष प्रतिनिधियों की बैठक और कोर कमांडर-स्तरीय वार्ता जैसे तंत्रों को और मजबूत करने पर सहमति जताई है। विदेश सचिव विक्रम मिसरी और चीनी उप विदेश मंत्री सुन वेईडॉन्ग के बीच हाल ही में नई दिल्ली में हुई बैठक में भी इस पर चर्चा हुई थी, जहां द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य करने के लिए कई उपायों पर विचार किया गया। 3. सीमा निर्धारण और सीमांकन की प्रक्रिया में तेजी भारत ने सीमा पर शांति बनाए रखने के लिए एक संयुक्त तंत्र स्थापित करने का सुझाव दिया, जिसमें दोनों देशों की सेनाओं के बीच हॉटलाइन और अन्य संचार चैनलों को मजबूत करना शामिल है। यह तंत्र भविष्य में गलतफहमियों और टकराव को रोकने में मदद करेगा। दोनों पक्षों ने इस दिशा में काम करने के लिए सकारात्मक रुख अपनाया है। 4. विशेष प्रतिनिधि स्तर की मौजूदा व्यवस्था का उपयोग करते हुए नई प्रक्रियाएं बनाना भारत ने विशेष प्रतिनिधि स्तर की मौजूदा व्यवस्था का उपयोग करते हुए नई प्रक्रियाएं विकसित करने का प्रस्ताव रखा है, ताकि भारत-चीन सीमा विवाद को और प्रभावी ढंग से प्रबंधित किया जा सके।

# वित्त मंत्री सीतारमण ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के प्रदर्शन की समीक्षा की

**नई दिल्ली, एजेंसी**

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में विभिन्न मापदंडों पर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसयू) के प्रदर्शन संबंधी समीक्षा के लिए बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने बैठक में पीएसयू बैंकिंग क्षेत्र के प्रदर्शन की समीक्षा की। वित्त मंत्री कार्यालय ने जारी बयान में बताया कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक प्रमुखों के साथ बैठक की। वित्त मंत्री की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के सचिव एम. नागराजू और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के अलावा डीएफएस के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि वित्त मंत्रायल के वित्तीय सेवा विभाग की ये बैठक रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) द्वारा प्रमुख नीतिगत ऋण दर रेपो रेट में अपेक्षा से कहीं अधिक 50 आधार अंकों (0.50 फीसदी) की कटौती करने तथा नीतिगत रुख को समायोज्य से बदल कर तटस्थ करने के कुछ हफ्ते बाद हुई है। आरबीआई ने अपनी नीतिगत समीक्षा में बैंकिंग प्रणाली में तरलता बढ़ाने के लिए अपने नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) में भी कटौती की है।

**समारोह** | उपराष्ट्रपति ने उत्तराखंड के नैनीताल में शेरवुड महाविद्यालय के 156वें संस्थापक समारोह को संबोधित किया..

# संकीर्ण लक्ष्य न रखें, स्व-केंद्रित लक्ष्य न रखें समाज के लिए मानवता के लिए, राष्ट्र के लिए लक्ष्य निर्धारित करें : उपराष्ट्रपति

**नई दिल्ली, एजेंसी**

जगदीप धनखड़ ने आज छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा, संकीर्ण लक्ष्य निर्धारित न करें। आत्म-केंद्रित लक्ष्य न रखें। समाज के लिए, मानवता के लिए, राष्ट्र के लिए एक लक्ष्य निर्धारित करें। अगर आप लगभग एक हजार वर्ष पहले की घटनाओं पर विचार करें, तो सोचें हम आज किसे याद कर रहे हैं? केवल उन्हें, जिन्होंने समाज को कुछ दिया, जिन्होंने समाज के लिए काम किया, जो समाज के लिए जिये और जिन्होंने समाज के लिए अपना जीवन उत्सर्ग किया। आज उत्तराखंड के नैनीताल में शेरवुड महाविद्यालय के 156वें स्थापना दिवस समारोह में छात्रों और संकाय सदस्यों को संबोधित करते हुए उन्होंने जोर देकर कहा, ₹आपको एक भावना को आत्मसात करना होगा कि राष्ट्र हमेशा सर्वोपरि है। हमें बिना किसी शर्त के राष्ट्रवाद को अपनाना होगा, क्योंकि 5,000 वर्ष की सभ्यता वाले एक अद्वितीय राष्ट्र भारत को कम से कम इसी की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, इसकी सुलभता और वहनीयता किसी भी लोकतांत्रिक राष्ट्र के लिए हासिल करने के लिए मूलभूत है... शिक्षा ईश्वर का उपहार है। अगर आपको गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलती है, तो आप भाग्यशाली हैं। अगर आपको 1.4 बिलियन के देश में इस तरह

की शिक्षा प्राप्त होती है, तो आप सही मायनों में विशेषाधिकार प्राप्त हैं। शिक्षा सबको समान बनाती है। कानूनी तौर पर समानता केवल शिक्षा के माध्यम से ही अधिकतम और सर्वोत्तम रूप से प्रदान की जा सकती है। शिक्षा असमानताओं, अन्याय पर अत्यधिक कठोर प्रहार करती है और आपको अपने पूरे जीवन में यही करना है। श्री धनखड़ ने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा, ₹अभिभावकता- समस्त मानवता के लिए सबसे महत्वपूर्ण दायित्व है। इसलिए कृपया अपने बच्चों पर दबाव न डालें। यह तय न करें कि उनके जीवन का उद्देश्य क्या है। अगर वे सभी धन की खोज में, सत्ता की तलाश में लग जाएंगे, तो हमारे वैज्ञानिक कैसे पैदा होंगे? हमारे पास खगोलशास्त्री कहां होंगे? हमारे पास ऐसे लोग कहां होंगे जो पूरे विश्व के लिए नियति निर्धारित करते हैं? आदर्श वाक्य के महत्व पर विचार करते हुए उन्होंने कहा, ह्लआदर्श वाक्य दीवारों पर टांगने के लिए नहीं होते। इसे जीवन का हिस्सा बनना चाहिए। ऐसा होने पर आदर्श वाक्य देखें। सिर्फ दूसरे से प्रतिद्वंद्विता न करें। दूसरे ने जो किया है, उससे ईर्ष्या न करें। आपको अपने लिए उच्च स्तर प्राप्त करते रहना चाहिए। इस प्रक्रिया में जितना अधिक आप किसी का हाथ थामेंगे, जितना ज्यादा आप किसी की मदद करेंगे, यहां तक कि अपने से आगे बढ़ेंगे, वह आपका योगदान होगा। ऐसे कई लोग हैं जो खेल, विज्ञान, राजनीति और अन्य क्षेत्रों में बहुत महान बन गए हैं, लेकिन वे किसी और को श्रेय देंगे जो शायद उस स्तर तक नहीं पहुंच पाया हो। हाल की यात्रा और विकसित भारत के लक्ष्य की चर्चा करते हुए, श्री धनखड़ ने कहा, इस सदी में हमारा लक्ष्य लोगों को केवल साक्षर करना ही नहीं, बल्कि उन्हें सक्षम करना भी है। भारत में साक्षरता का बहुत पहले से महत्व था। भारत आज केवल संभावनाओं वाला राष्ट्र नहीं रहा। जैसे आपके संकाय सदस्यों के आपकी प्राथमिक सहायता करने के दृष्टिकोण से आपकी क्षमता का उपयोग बड़े लाभ के लिए किया जाता है, वैसे ही, भारत अब केवल संभावनाओं वाला राष्ट्र नहीं रहा। इस राष्ट्र की क्षमता का दिन-प्रतिदिन उपयोग किया जा रहा है। यह एक उभरता हुआ राष्ट्र है। इसकी उन्नति निरंतर है। यह उन्नति क्रमिक है और अगर मैं पिछले दशक की बात करूं, तो वैश्विक मानकों पर भारत का आर्थिक उत्थान तेजी से हुआ है। देश के बुनियादी ढांचे का विकास अभूतपूर्व रहा है। बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में हम सबसे तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। भारत के लिए पिछला दशक विकास का दशक रहा है, वैश्विक व्यवस्था में एक नया स्थान पाने का दशक रहा है। और इसलिए आपको इसे अभी और आगे ले जाना है - क्योंकि एक विकसित राष्ट्र का दर्जा ही हमारा गंतव्य है। संस्थान के पूर्व छात्रों की विरासत पर प्रकाश डालते हुए, श्री धनखड़ ने रेखांकित किया, आप एक ऐसे स्थान पर हैं, जो किंवदंतियों में शामिल रही है। मेजर सोम नाथ शर्मा - इस देश के सर्वोच्च सैन्य सम्मान, भारत के पहले परमवीर चक्र विजेता थे, जो आपके पूर्व छात्र थे। उन्होंने यहां अध्ययन किया। 1971 की जीत के वास्तुकार फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ इतिहास के एक ऐसे पन्ने के रूप में दर्ज हो गए हैं जिसे हर किसी को पढ़ना चाहिए। उन्होंने इस संस्थान से शिक्षा प्राप्त कर देश को जीत दिलाई। आप उस क्षेत्र में रहते हैं - कभी न भूलें। यदि मैं अन्य क्षेत्रों की बात करूं, तो कई क्षेत्र हैं।


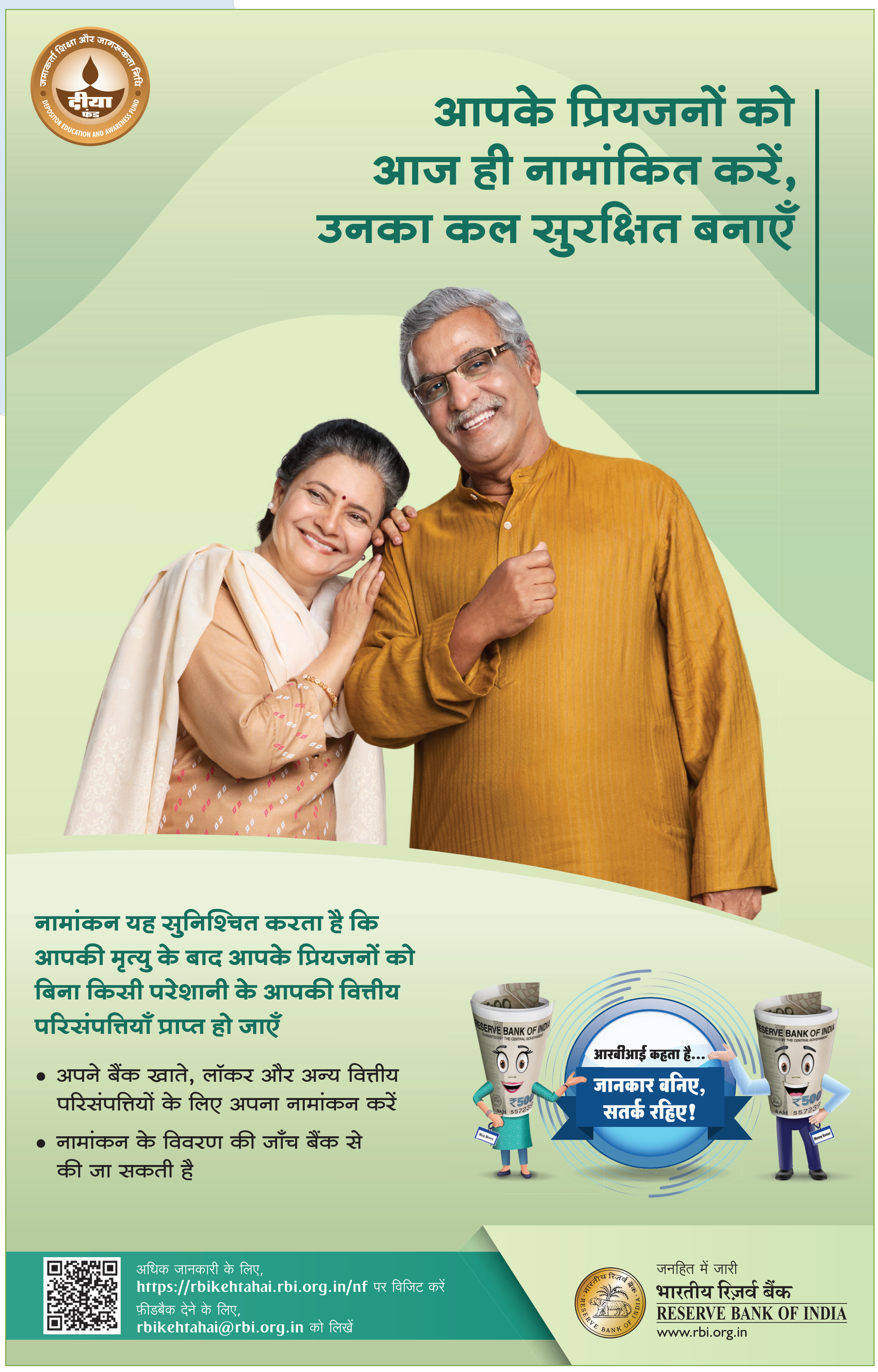

## संक्षिप्त समाचार

### निर्माणाधीन पार्किंग का मलबा सड़क पर आया, एक घंटे आवाजाही बंद

**उत्तरकाशी, एजेंसी।** पुरोला मोटर मार्ग पर कार्यदायी संस्था सिंचाई विभाग की ओर से मल्टी लेबल कार पार्किंग का निर्माण किया जा रहा है। इसका कई टन मलबा पार्किंग के पास डंप किया हुआ है। बुधवार को तेज बारिश से मलबा पुरोला रोड पर बह कर आ गया। इससे वहां पर करीब एक घंटे मोटर मार्ग बंद रहा। मार्ग बंद होने से दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। वहीं एक मोटर साइकिल भी मलबे में फंस गई। करीब एक घंटे बाद वहां पर जेसीबी पहुंची और मलबा हटाया। मार्ग बंद होने से लोगों को एक घंटे इंतजार करना पड़ा, जिससे लोगों को कार्यदायी संस्था की कार्यप्रणाली पर रोष जताया।

### लोकतंत्र सेनानी गहलोत को सीएम ने सम्मानित किया

**जसपुर, एजेंसी।** मोहल्ला चौहान निवासी डॉ. लोकमल सिंह गहलोत (80) बुधवार को एसडीएम चतर सिंह चौहान के साथ सरकारी मेहमान के रूप में देहरादून पहुंचे। वहां उन्हें मुख्यमंत्री ने स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। डॉ. गहलोत ने बताया कि एसडीएम कार्यालय की ओर से उन्हें समारोह के लिए निमंत्रण मिला था। वह 25 जून 1975 को आपातकाल के समय बरेली (उत्तर प्रदेश) के स्टेट आयुर्वेदिक कॉलेज में ट्रेनिंग पर थे। उन्होंने उसी समय अपने चार साथियों के साथ मिलकर आपातकाल के विरोध में सत्याग्रह किया था। 25 दिसंबर 1976 को पुलिस ने उन्हें उनके साथियों के साथ गिरफ्तार कर जेल भेजा था। वह वहां पांच माह तक बरेली की जिला जेल में बंद रहे।

### महिला ने लगाया फंदा, हालत गंभीर

**बाजपुर, एजेंसी।** केलाखेड़ा के मोहल्ला मुजफ्फरनगर निवासी 24 वर्षीय महिला ने संदिग्ध परिस्थितियों में गले में फंदा लगा लिया। मौके पर पहुंचे परिजनों ने फंदे से लटकी महिला को उतारा। उसे आनन-फानन बाजपुर के उप जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज कर उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। महिला की हालत नाजुक बताई जा रही है। इधर, थाना प्रभारी अशोक कुमार ने बताया कि उनके संज्ञान में ऐसी कोई घटना नहीं है।

### 20 लाख से बनाया रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम

**सुल्तानपुर पट्टी, एजेंसी।** पशु चिकित्सालय एवं राजकीय पॉलीटेक्निक विद्यालय परिसर में 20 लाख रुपये की लागत से रेन वाटर हार्वेस्टिंग पिट का निर्माण किया गया है। नगर पंचायत अध्यक्ष राजीव कुमार सैनी ने बुधवार को इसका लोकार्पण किया। अध्यक्ष राजीव सैनी ने बताया कि नगर पंचायत क्षेत्र में वर्षा जल संचयन को लेकर लगातार योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं। यह रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली पर्यावरणीय दृष्टि से एक महत्वपूर्ण और दूरदर्शी कदम है, जो न केवल पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करेगी बल्कि गिरते भू-जलस्तर को सुधारने में भी सहायक सिद्ध होगी। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में नगर पंचायत क्षेत्र के अन्य सरकारी भवनों, विद्यालयों एवं सार्वजनिक स्थलों पर भी रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने की योजना है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि अपने घरों में वर्षा जल संचयन की व्यवस्था करें और जल संरक्षण के इस महाअभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

### निर्माणाधीन पुलिया के किनारे हुआ कटाव, आवागमन बाधित

**ऊधम सिंह नगर , एजेंसी।** बैगुल नदी का जलस्तर बढ़ने से बुधवार को वन विभाग की निर्माणाधीन पुलिया के किनारे कटाव हो गया। इससे ग्रामीणों का आवागमन बाधित हो गया। गुरुनानक नगरी और गोठा को जोड़ने वाले जलपानियांनाले पर निर्माणाधीन पुल के किनारे भू-कटाव हो गया था। ग्रामीण विजय ने बताया कि वन विभाग ह्यूम पाइप की मदद से पुलिया का निर्माण कर रहा है। नदी के किनारे पिचिंग का कार्य होने से पहले बुधवार को अचानक नदी में पानी का बहाव बढ़ गया। इससे पुलिया के दोनों ओर भू-कटाव हो गया और ग्रामीणों का आवागमन बाधित हो गया। रेंजर महेंद्र सिंह रैकुनी ने बताया कि जलपानियां में पानी घटने के बाद पिचिंग का कार्य कराया जाएगा। इधर, कैलाश नदी के किनारे लगाई गई पालेज की सब्जियां बह गई।

### प्रदेश के 505 हाजियों का काफिला कल पहुंचेगा दिल्ली एयरपोर्ट

**जसपुर, एजेंसी।** उत्तराखंड के 505 हाजियों की शुक्रवार को सऊदी अरब से वतन वापसी होगी। पहली फ्लाइट से 398 एवं दूसरी से 107 हाजी दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचेंगे। परिजनों को उनका बेसब्री से इंतजार है। उत्तराखंड राज्य हज समिति के ईओ मोहम्मद आरिफ ने बताया कि समिति के सदस्यों की ओर से दिल्ली एयरपोर्ट पर हाजियों का स्वागत किया जा रहा है। एयरपोर्ट से ही प्रत्येक हाजी को पांच लीटर आब-ए-जम जम देकर घर के लिए विदा किया जा रहा है। 27 जून को 398 एवं 107 हाजियों के दो ब? काफिले अलग-अलग फ्लाइट से दिल्ली आएंगे। शेष हाजी 10 जुलाई तक वतन पहुंच जाएंगे। इसमें 29 जून को 377 हाजियों का एक ब?ा काफिला भी शामिल है।

# उत्तराखंड से यूपी की राह हुई मुश्किल, अंग्रेजों के जमाने में बने दो पुल पूरी तरह से बंद

**खटीमा, एजेंसी।**
उत्तराखंड से अब यूपी के पीलीभीत जिले में पहुंचना मुश्किल हो गया है. पीलीभीत जिले की पूरनपुर तहसील में हरदोई ब्रांच नहर पर बने तीन प्रमुख पुलों डगा, कलीनगर और चितरपुर की हालत काफी जर्जर हो चुकी है. इसीलिए पीलीभीत प्रशासन ने डगा और कलीनगर पुलों को बंद कर दिया है. इसके अलावा चितरपुर को भी हल्के वाहनों के लिए खोला गया है. इस पुल से भारी वाहनों की आवाजाही पूरी तरह से बंद है. इन पुलों के बंद होने से पीलीभीत टाइगर रिजर्व (पीटीआर) और उत्तराखंड के खटीमा क्षेत्र तक पहुंचना अब मुश्किल हो गया है. बता दें कि हरदोई ब्रांच नहर, शारदा मुख्य नहर से जुड़ी है. इस नहर पर बने तीन प्रमुख पुलों डगा, कलीनगर और चितरपुर का निर्माण साल 1925 में ब्रिटिश काल में हुआ था. तब से आज तक यही पुल उत्तराखंड जाने के लिए आसान रास्ता रहे हैं. लखनऊ से आने वाले वाहन इन्हीं पुलों के जरिए उत्तराखंड के खटीमा जाते हैं. करीब 30 से 40 हजार वाहन रोजाना इन पुलों से गुजरते हैं. अब डगा और कलीनगर

पुलों को बंद कर दिया गया है. बताया जा रहा है कि ये पुल अपनी उम्र पूरी कर चुके हैं. साथ ही काफी जर्जर भी हो चुके हैं. चितरपुर पुल की हालत भी फिलहाल काफी जर्जर है. पहले डगा पुल पर मार्च माह में दरारें आने के बाद इसे बंद कर दिया गया. इसके बाद वैकल्पिक रूप से कलीनगर पुल से लोग आवाजाही करने लगे, लेकिन अब उस पर भी दरारें आ जाने के कारण आवागमन रोक दिया गया है. ऐसे में अब बचा एकमात्र चितरपुर पुल भी पूरी क्षमता के साथ काम नहीं कर पा रहा है. चितरपुर पुल से हाइट गेज लगाकर भारी वाहनों का आवागमन रोक दिया गया है. स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस प्रकार पूरनपुर में हाईवे स्थित पुल की मरम्मत के बाद आवागमन बहाल किया गया, उसी तरह इन पुलों को भी चालू किया जा सकता है. हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि इन पुलों की कब तक मरम्मत की जाएगी. डगा पुल के धंसने के चार माह बाद भी इसका निर्माण शुरू नहीं हो पाया है. शुरू में सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता और फिर राज्य सेतु निगम ने संयुक्त सर्वे की बात कही थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्य योजना नहीं बनी है. चितरपुर और कलीनगर पुल की मरम्मत को लेकर भी अनिश्चितता बनी हुई है. लोगों को अब नहर की पटरी के कच्चे रास्तों से सफर करना पड़ रहा है, जिससे समय और संसाधनों की बर्बादी हो रही है. इस बारे में पीलीभीत के जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि हरदोई ब्रांच नहर पर बने पुल की मरम्मत संबंधी पत्राचार शासन स्तर पर किया जा रहा है. बजट आते ही पुल के निर्माण और रिपेयरिंग का काम शुरू कराया जाएगा.

## पति के साथ भागीरथी नदी से जल भरने गई थी महिला, पैर फिसलने से तेज बहाव में बही

**उत्तरकाशी, एजेंसी।**
कस्तूरी देवी अपने पति के साथ जल भरने के लिए उजेली घाट पर गई थी। वहां पर अचानक उसका पैर फिसलने के कारण वह भागीरथी नदी के तेज बहाव में बह गई। उत्तरकाशी में नगर क्षेत्र के उजेली के पास पति के साथ जल भरने गई एक महिला भागीरथी नदी के तेज बहाव में बह गई। सूचना मिलने ही पुलिस सहित एसडीआरएफ और क्यूआरटी की टीमें मौके पर पहुंची। टीम ने नदी में खोज-बचाव अभियान चलाया, लेकिन नदी के तेज बहाव और बढ़े हुए जलस्तर में उसका कुछ पता नहीं लग पाया है। नगर कोतवाल निरीक्षक भावना कैंथोला ने बताया कि खांड गांव निवासी कैलाशी देवी से मिली जानकारी के अनुसार उसकी ननंद कस्तूरी देवी पत्नी दरवियान निवासी नारायणपुरी बड़कोट उनके घर पर आए हुए थे। बुधवार दोपहर बाद कस्तूरी देवी अपने पति के साथ जल भरने के लिए उजेली घाट पर गई थी। वहां पर अचानक उसका पैर फिसलने के कारण वह भागीरथी नदी के तेज बहाव में बह गई। कैंथोला ने बताया कि नदी का जलस्तर और बहाव भी इन दिनों तेज होने के कारण अभियान में परेशानी हो रही है।

## भगवान पर टिप्पणी भविष्य में भी दोहराने की बात सुन खारिज की जमानत याचिका

**नैनीताल, एजेंसी।**
भगवान राम और देवी सीता पर इंस्टाग्राम में अश्लील टिप्पणी करने और ऐसा फिर से करने का दावा करने को 'खतरनाक' बताते हुए हाईकोर्ट ने आरोपित को जमानत देने से इन्कार कर दिया। भगवान राम और देवी सीता पर इंस्टाग्राम में अश्लील टिप्पणी करने और ऐसा फिर से करने का दावा करने को 'खतरनाक' बताते हुए हाईकोर्ट ने आरोपित को जमानत देने से इन्कार कर दिया। आरोपी रियाज ने न केवल आपत्तिजनक टिप्पणी करना स्वीकार किया था, बल्कि भविष्य में भी इसे दोहराने का इरादा जताया था। आरोपी रियाज पुत्र फतेह मोहम्मद हरिद्वार के बहादराबाद के बधेरी राजपूतान का रहने वाला है। दर्ज एफआईआर में कहा गया था कि जब एक पुलिस अधिकारी ने रियाज से पूछताछ की तो उसने हिंदू धर्म के खिलाफ इस तरह की

अपमानजनक टिप्पणियों को जारी रखने का दावा किया। न्यायमूर्ति राकेश थापलियाल की एकलपीठ ने स्थिति को 'खतरनाक' बताते इस बात पर जोर दिया कि किसी को भी दूसरे धर्म के अनुयायियों के विश्वास को चोट पहुंचाने का अधिकार नहीं है। एफआईआर में दर्ज आरोप बहुत गंभीर है। जिस तरह से अभियुक्त ने इंस्टाग्राम अकाउंट में आपत्तिजनक टिप्पणी की और उसके बाद भविष्य में भी दोहराने की बात कही, वह बहुत ही गंभीर है। अभियोजन पक्ष के अनुसार 12 मई को एएसआई दो कांस्टेबलों के साथ संदिग्ध वाहनों की जांच कर रहे थे। उन्हें कुछ लोगों से जानकारी मिली कि 32 वर्षीय एक युवक इंस्टाग्राम पर भगवान राम और देवी सीता के बारे में अभद्र और आपत्तिजनक टिप्पणी कर रहा था। पुलिस ने मौके पर जाकर रियाज से पूछा कि उसने इंस्टाग्राम पर ऐसी आपत्तिजनक टिप्पणी क्यों बनाई तो उसने वह भविष्य में भी ऐसा ही की बात कही। एफआईआर में कहा गया था कि एक उससे एक मोबाइल फोन बरामद किया गया, जिसमें उसकी इंस्टाग्राम आईडी सक्रिय थी। छानबीन से पता चला कि तीन दिन पहले उसने वह आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। रियाज को बीएनएस की धारा 196 और 299 के तहत गिरफ्तार किया गया था।

## संदिग्ध परिस्थिति में प्रॉपर्टी डीलर की मौत, मकान से 500 मीटर दूरी पर मिला शव; परिजन बोले- हत्या हुई

**नैनीताल, एजेंसी।**
बसई में प्रॉपर्टी डीलर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। प्रॉपर्टी डीलर का शव उनके मकान से 500 मीटर की दूरी पर एक खेत में पड़ा मिला। दूसरी ओर, परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है। पीरूमदारा क्षेत्र के बसई में प्रॉपर्टी डीलर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। प्रॉपर्टी डीलर का शव उनके मकान से 500 मीटर की दूरी पर एक खेत में पड़ा मिला। दूसरी ओर, परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है। पीरूमदारा क्षेत्र के देवीपुरा बसई निवासी आनंद सिंह नेगी (54) पुत्र जय सिंह नेगी प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करते थे। बृहस्पतिवार की दोपहर 12:30 बजे बसई में डेयरी

के समीप खेत में प्रॉपर्टी डीलर खेत में पड़ा मिला। परिजन रामनगर अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। कोतवाल अरुण कुमार सैनी के अनुसार, प्रथम दृष्टया करंट लगने से प्रॉपर्टी डीलर की मौत हुई है। सही वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर पता चलेगी। अस्पताल में प्रॉपर्टी डीलर की बेटी गीतांजलि ने बताया कि सुबह उसके पिता घर से पैदल निकले थे। दोपहर साढ़े 12 बजे के आसपास घर से 500 मीटर की दूरी पर मिले। करंट लगने की बात कही जा रही है, जबकि जिस स्थान पर वह मिले, वहां पर बिजली के तार तक नहीं है। आरोप लगाया कि उनकी हत्या कर वहां पर फेंका गया है। प्रॉपर्टी डीलर की मौत से बेटे संकल्प और पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है। पूर्व दायित्वधारी पुष्कर दुर्गापाल, पूर्व ब्लॉक प्रमुख संजय नेगी, संजय बिष्ट, हरेंद्र सिंह नेगी, धीरू चौहान सहित अन्य लोग मौके पर पहुंचे।

## रुद्रप्रयाग हादसे के बाद सीएम धामी की यात्रियों से अपील

**देहरादून, एजेंसी।**
मुख्यमंत्री ने प्रशासन एवं परिवहन विभाग को निर्देश दिए है कि पर्वतीय क्षेत्रों में संचालित सार्वजनिक वाहनों की लगातार जांच सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों और यात्रियों से पर्वतीय मार्गों पर यात्रा के दौरान विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। बृहस्पतिवार को रुद्रप्रयाग में हुई वाहन दुर्घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए मुख्यमंत्री ने मृतकों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि घायलों को त्वरित चिकित्सा सहायता दी जा रही है और लापता लोगों की खोजबीन के लिए एसडीआरएफ और प्रशासन की टीमें सक्रिय रूप से जुटी हुई हैं। मुख्यमंत्री ने प्रशासन एवं परिवहन विभाग को निर्देश दिए है कि पर्वतीय क्षेत्रों में संचालित सार्वजनिक वाहनों की लगातार जांच सुनिश्चित की जाए। खतरनाक मोड़ और ढलानों पर चेतावनी संकेतकों की व्यवस्था दुरुस्त की जाए तथा आवश्यक स्थलों पर सुरक्षा रेलिंग एवं पैराफिट सुनिश्चित किए जाएं। ध्यान में रखते हुए यात्रा मार्गों की स्थिति की निगरानी करें। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आगामी समय में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए दीर्घकालिक सुरक्षा उपायों की कार्य योजना तैयार की जाए।

## अलकनंदा में जिंदगी की तलाश; रेस्क्यू ऑपरेशन जारी...एक शव और बरामद, आठ लापता

**रुद्रप्रयाग, एजेंसी।** ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर घोलतीर के पास एक बस खाई में गिर कर अलकनंदा नदी में समा गई थी। हादसे में चार यात्रियों की मौत हो गई, जबकि आठ घायल हैं। आठ लोगों तलाश के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। ऋषिकेश- बदरीनाथ राजमार्ग पर घोलतीर में हुए हादसे में लापता लोगों की खोजबीन के लिए रेस्क्यू अभियान जारी है। वाहन हादसे में लापता नौ लोगों में से एक और शव आज शुक्रवार सुबह बरामद किया गया है। रेस्क्यू दल ने रतू?ा के पास नदी की की किनारे से शव बरामद किया। रेस्क्यू दल अलकनंदा नदी के दोनों छोर से खोजबीन कर रहा है। हादसे में मरने वाले की संख्या चार हो गई है। तीन लोगों के शव कल ही बरामद कर लिए गए थे। आज मिले शव की पहचान संजय सोनी, राजस्थान के रूप में हुई है। आठ लोग घायल हैं और आठ यात्री लापता हैं। बीते बृहस्पतिवार को देर शाम देहरादून से लौटते ही जिलाधिकारी प्रतीक जैन ने अस्पताल पहुंचकर घायलों से की मुलाकात। बृहस्पतिवार सुबह लगभग 7 बजे राजस्थान, महाराष्ट्र और गुजरात के 18 यात्री, एक गाइड और चालक 31 सीटर बस से जिला मुख्यालय रुद्रप्रयाग से बदरीनाथ धाम के लिए रवाना हुए थे। सुबह करीब 7:30 बजे, जिला मुख्यालय से लगभग 14 किलोमीटर दूर घोलतीर के समीप बस अनियंत्रित होकर अलकनंदा नदी में गिर गई। हादसा होते ही चालक सुमित सहित 10 लोग खिड़कियों से छिटककर नदी के पास खाई में गिर गए, जबकि अन्य लोग बस सहित उफनती नदी में

जा गिरे। नदी के दूसरी तरफ बसे भटवाड़ी गांव निवासी शिक्षक सत्येंद्र सिंह भंडारी ने हादसे की सूचना तुरंत जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी को दी। उनके साथ मरोड़ा और घोलतीर के ग्रामीण और व्यापारी दुर्घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों को बचाने में जुट गए। कुछ ही देर में सेना, आईटीबीपी, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पुलिस, डीडीआरएफ और जिला आपदा प्रबंधन की टीमें मौके पर पहुंचीं और रस्सियों के सहारे नीचे उतरकर बचाव अभियान शुरू किया। रेस्क्यू दल को खाई में एक किशोरी सहित दो लोग मृत मिले, जिनके शव सड़क तक पहुंचाए गए। वहीं दो बच्चों सहित आठ घायलों को रेलवे, आईटीबीपी व स्वास्थ्य विभाग की एंबुलेंस से जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। वाहन चालक सहित चार गंभीर घायलों को हेलिकॉप्टर से एम्स ऋषिकेश भेजा गया। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. राम प्रकाश और मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. प्रवीण कुमार ने बताया कि जिला चिकित्सालय में भर्ती चारों घायलों की स्थिति खतरे से बाहर है। पुलिस अधीक्षक अक्षय प्रह्लाद कोंडे ने बताया कि लापता यात्रियों की तलाश जारी है। एक लापता महिला का शव धारी देवी मंदिर के पास से नदी से मिला है। रेस्क्यू दल लापता लोगों की तलाश में जुटे हैं। चालक के खिलाफ पुलिस ने विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। वहीं, घायल सुमित का कहना है कि वह 20 किमी/घंटा की गति से वाहन चला रहा था। विपरीत दिशा से आ रहे एक ट्रक की टक्कर से उसके बस का स्टीयरिंग नीचे की तरफ हो गया, जिससे वह अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई।

# दिल्ली की सीएम ने नरेला में नए डीटीसी डिपो का किया उद्घाटन ; 105 इलेक्ट्रिक देवी बसों को दिखाई हरी झंडी

**नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता**

नई दिल्ली,। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को नरेला के सेक्टर ए-9 में बने नए डीटीसी बस डिपो का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने 100 से ज्यादा नई इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये बसें ‘दिल्ली इलेक्ट्रिक व्हीकल इंटरचेंज (देवी)’ योजना के तहत चलाई जाएंगी। यह पहल दिल्ली में स्वच्छ और टिकाऊ सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने के लिए की गई है। उद्घाटन समारोह में बीजेपी सांसद योगेंद्र चंदोलिया, मंत्री पंकज कुमार सिंह और रविंदर इंद्राज सिंह समेत कई प्रमुख नेता भी मौजूद थे। इन इलेक्ट्रिक बसों का उद्देश्य प्रदूषण को कम करना, यात्रा को आरामदायक बनाना और आखिरी मील तक कनेक्टिविटी को बेहतर करना है। कार्यक्रम के दौरान मंत्री पंकज कुमार मंत्री ने विकास और पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, प्रदूषण दिल्ली के लिए हमेशा से एक बड़ी चुनौती रहा है, लेकिन इस बार ऐसा कोई मौका नहीं आया जब एनजीटी (राष्ट्रीय हरित अधिकरण) को कोई सख्त कदम उठाना पड़ा हो। यह साफ हवा और प्रदूषण मुक्त दिल्ली की दिशा में बढ़ाया एक सकारात्मक कदम है। लोगों को आरामदायक और बेहतर यात्रा अनुभव देने के लिए इलेक्ट्रिक बसों की शुरूआत की गई है। नरेला क्षेत्र के बढ़ते महत्व पर बोलते हुए सांसद योगेंद्र चंदोलिया ने कहा, आज यहां से 105 इलेक्ट्रिक देवी बसों को रवाना किया गया है। नरेला में कई बड़ी सरकारी योजनाएं और विश्वविद्यालय बनाए जा रहे हैं, जिससे यह इलाका और भी अहम हो गया है। मंत्री सिंह ने नए बस डिपो के तेज निर्माण और उसकी गुणवत्ता की सराहना की। उन्होंने कहा, यह टर्मिनल सिर्फ 90 दिनों में बनकर तैयार हुआ है और इसमें सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। ड्राइवरों, कंडक्टरों और यात्रियों के लिए आरओ पानी की सुविधा और एक बड़ा इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग सेंटर भी बनाया गया है। उनके मुताबिक, नरेला डिपो से 105 नई इलेक्ट्रिक बसों की शुरूआत दिल्ली के लोगों के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। इससे उन्हें आधुनिक, आरामदायक और सुलभ परिवहन सुविधा मिलेगी, साथ ही वाहनों से होने वाले प्रदूषण में भी कमी आएगी। नया बस टर्मिनल दिल्ली में इलेक्ट्रिक सार्वजनिक परिवहन नेटवर्क का एक अहम हिस्सा बनेगा। यह आने वाले वर्षों में राजधानी में ट्रैफिक से होने वाले प्रदूषण को घटाने में मदद करेगा। दिल्ली सरकार में मंत्री रविन्द्र इंद्राज सिंह ने इलेक्ट्रिक देवी बस शुरू होने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि दिल्ली में प्रदूषण एक बड़ी समस्या है। दिल्ली में इस बार प्रदूषण रहित रही है। दिल्ली के लोगों को अच्छी यात्रा करने के लिए इलेक्ट्रिक बसें शुरू की जा रही हैं। आज इसी दिशा में दिल्ली सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। इसी को देखते हुए देवी बसों को शुरू किया जा रहा है। मैं दिल्ली की मुख्यमंत्री का धन्यवाद करना चाहूंगा, जिन्होंने इतना अच्छा कदम उठाया है।

# परवेज बक्शी उर्फ एमपी बक्शी को मिली किसान संगठन में बड़ी जिम्मेदारी, समर्थकों में जश्न का माहौल

**प्रात: किरण संवाददाता**

शेरकोट /बिजनौर।भारतीय किसान उद्योग व्यापार मण्डल ने पश्चिम उत्तर प्रदेश की राजनीति और समाज सेवा से जुड़े चेहरे परवेज बक्शी उर्फ एम.पी. बक्शी को बड़ी जिम्मेदारी सौंपते हुए संगठन का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पश्चिम उत्तर प्रदेश प्रभारी नियुक्त किया है। यह घोषणा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष फिरोज अहमद द्वारा की गई। परवेज बक्शी की लंबे समय से समाज में सकारात्म सक्रिय भूमिका, जनसेवा के प्रति समर्पण, संगठनात्मक कुशलता, ईमानदारी और मेहनत को देखते हुए यह जिम्मेदारी उन्हें दी गई है। यह नियुक्ति संगठन की एक बड़ी रणनीतिक पहल मानी जा रही है। जिससे न केवल पश्चिम उत्तर प्रदेश बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी संगठन को नई दिशा और ऊर्जा मिलने की उम्मीद है। एम.पी. बक्शी ने संगठन में बड़ी जिम्मेदारी मिलने पर पर खुशी जताते हुए कहा कि मैं संगठन का धन्यवाद करता हूं। जिसने मुझ पर भरोसा जताया। मैं इस जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी, लगन और मेहनत से निभाऊंगा। मेरा लक्ष्य है कि किसानों, व्यापारियों और आम जनता की समस्याओं को अपने मंच के माध्यम से सरकार तक पहुँचाऊं। इसके साथ ही केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर पहुँचाने का कार्य करूंगा।’ उन्होंने आगे कहा कि वह संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत करने के लिए गाँव-गाँव जाकर लोगों से संवाद करेंगे और भारतीय किसान उद्योग व्यापार मण्डल को एक सशक्त और जनहितकारी संगठन बनाएंगे। आपको बताते चले कि एमपी बक्शी यह नई बड़ी जिम्मेदारी मिलने पर उनके समर्थकों में समर्थकों,मित्रों, शुभचिंतको में खुशी की लहर दौड गई। जैसे ही यह खबर इलाके में फैली, शेरकोट और आसपास के क्षेत्रों के उनके समर्थकों में एक उत्साह का माहौल हो गया। शुभचिंतकों ने उन्हें फोन, सोशल मीडिया और मुलाकात के जरिए ढेरों बधाइयाँ दीं। कई जगह मिठाइयाँ बांटी गईं और खुशी का माहौल देखने को मिला। लोगों का कहना है कि एम.पी. बक्शी जैसे जमीन से जुड़े नेता को यह पद मिलना निश्चित ही संगठन के लिये फायदे की बात होगी।

## संक्षिप्त खबरें

### बवाना फैक्टरी में भीषण आग, 28 गाड़ियों ने पाया काबू

नई दिल्ली,। बवाना इलाके में स्थित प्लास्टिक दाना फैक्टरी में शुक्रवार तड़के भीषण आग लग गई। दमकल की 28 गाड़ियों ने करीब पांच घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। दमकल अधिकारी के मुताबिक, शुक्रवार सुबह करीब सवा चार बजे बवाना सेक्टर-4 स्थित तीन मंजिला प्लास्टिक दाना फैक्टरी में आग लगने की सूचना मिली। इस पर दमकल की 28 गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। इमारत में प्लास्टिक का सामान होने के कारण आग तेजी से फैल रही थी। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद सुबह 9.30 बजे आग पर काबू कर लिया। फिलहाल आग किस वजह से लगी, इसका खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस फैक्टरी मालिक से पूछताछ कर रही है।

### पीएचडी प्रवेश परीक्षा सहित अन्य मांगों को लेकर जेएनयू में छात्रों की भूख हड़ताल

नई दिल्ली,। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में छात्र संगठन के नेतृत्व में छात्रों भूख हड़ताल शुरू कर दिया है। गुरुवार की देर रात गंगा ढाबा से सबरमती टी-पॉइंट तक छात्रों ने जुलूस निकाला और उसके बाद भूख हड़ताल पर बैठ गए। छात्रों की प्रमुख मांगों में जेएनयू प्रवेश परीक्षा की बहाली, पीएचडी शोधार्थियों को दिए गए निष्कासन नोटिसों की वापसी, पीएचडी जमा करने तक हॉस्टल सुविधा की गारंटी और सभी प्रॉक्टोरियल जांचों को रद्द करना शामिल है। जेएनयू छात्र संघ के अध्यक्ष नीतीश कुमार ने प्रशासन पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि कुलपति ने हमारे साथ किए गए वादों से मुकर कर लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का अपमान किया है। छात्र संघ के बार-बार संवाद के प्रयासों को नजरअंदाज किया गया। अब यह आंदोलन सिर्फ मांगों का नहीं, लोकतंत्र की रक्षा का भी है। नीतीश कुमार ने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय प्रशासन और एबीवीपी के बीच साठगांठ है, जिसके चलते छात्र विरोधी नीतियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे आंदोलन को तोड़ने की कोशिशें हो रही हैं, लेकिन हम पीछे नहीं हटेंगे। यह भूख हड़ताल तब तक जारी रहेगी जब तक हमारी मांगे पूरी नहीं की जातीं।

### मोबाइल लूटकर भाग रहे बदमाश को महिला ने स्कूटी से खींचकर गिराया और पुलिस से पकड़वाया

नई दिल्ली,। सुल्तानपुरी थाना क्षेत्र में मोबाइल फोन झपट कर भाग रहे स्कूटी सवार बदमाश को पीड़ित महिला ने स्कूटी से गिरा दिया। फिर लोगों की मदद से एक आरोपित को पकड़ लिया। जबकि दूसरा आरोपित मोबाइल लेकर फरार हो गया। पुलिस ने फरार आरोपित को भी पकड़ लिया। पुलिस ने इनके कब्जे से मोबाइल फोन और स्कूटी बरामद कर ली है। मौके पर पकड़ा गया बदमाश की पहचान राकेश के रूप में हुई। वह राजपार्क थाने का घोषित बदमाश है। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि 23 जून को सुल्तानपुरी थाना पुलिस को मोबाइल झपटने और एक बदमाश के पकड़े जाने की जानकारी मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने मौके पर पकड़े गए बदमाश राकेश को गिरफ्तार कर लिया। वहीं पुलिस ने बदमाश की स्कूटी को जब्त कर लिया। मौके पर एक महिला मिली, जिसने बताया कि वह सुल्तानपुरी की रहने वाली है। वह जलेबी चौक से घर लौट रही थी। अंबेडकर पार्क के पास स्कूटी सवार दो बदमाश उसके पास आए और मोबाइल फोन छीन लिया। वारदात के बाद बदमाश भाग पाते इससे पहले उसने स्कूटी के पिछली सीट पर बैठे बदमाश को पकड़ लिया। जिससे वह स्कूटी समेत गिर गया। लोगों की मदद से उसने बदमाश को पकड़ लिया।

# दिल्लीः बवाना में कुख्यात गैंगस्टर मंजीत महाल के भांजे की हत्या, पुलिस ने जताई गैंगवार की आशंका

**नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता**

नई दिल्ली,। दिल्ली में सरेआम कुख्यात गैंगस्टर मंजीत महाल के भांजे की हत्या कर दी गई है। दिल्ली के बवाना थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह हत्या की घटना को अंजाम दिया गया। मृतक की पहचान मंजीत महाल के भांजे दीपक के रूप में हुई, जो सुबह टहलने के लिए निकला था। इस घटना में हत्याकांड में गैंगवार का संदेह जताया जा रहा है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि घटना सुबह करीब 7 से 8 बजे के बीच की है। दो हमलावर बाइक पर सवार होकर आए और दीपक पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। उन्होंने कई राउंड फायर किए थे। मौके पर ही दीपक की मौत हो गई। दीपक को निशाना बनाकर हमला किया गया, जिसमें उसकी बेटी भी घायल हो गई। हमले के समय दीपक के साथ मॉर्निंग वॉक पर उसकी बेटी भी थी। गोलीबारी में उसकी बेटी के हाथ में चोट आई है। हालांकि वो खतरे से बाहर है। पुलिस ने बताया कि दीपक को 7-8 घाव लगे हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने तक गोलियों की सही संख्या का पता नहीं चलेगा। जांच में सामने आया है कि दीपक की हत्या करने के बाद हमलावर आगे की ओर बढ़े थे, लेकिन वो फिर वापस लौटकर आए और दोबारा भी दीपक को गोली मारी। उसके बाद दोनों हमलावर मौके से फरार हो गए। पुलिस के मुताबिक, मृतक दीपक कुख्यात गैंगस्टर मंजीत महाल का भांजा था, हालांकि उसकी खुद की कोई आपराधिक पृष्ठभूमि नहीं थी। घटना में पुलिस को संदेह है कि ये हत्या इलाके में चल रही गैंगवार का हिस्सा हो सकती है। पुलिस ने बताया कि दो हमलावरों में से एक की पहचान कर ली गई है और उसकी तलाश की जा रही है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद ही ये स्पष्ट हो सकेगा कि हत्या के पीछे असल वजह क्या थी।

# दिल्ली में एक बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

**नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता**

नई दिल्ली,। दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों की धरपकड़ के लिए पुलिस का ऑपरेशन लगातार जारी है। इसी क्रम में दक्षिण पश्चिम जिला पुलिस की एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वाड ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया है। ये व्यक्ति पिछले 15 साल से भारत में अवैध रूप से रह रहा था। गिरफ्तार बांग्लादेशी नागरिक की पहचान ओहिद के रूप में हुई है। पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि वो गैरकानूनी रूप से भारत में प्रवेश कर दिल्ली में फर्जी पहचान के सहारे रह रहा था। दक्षिण पश्चिम जिला पुलिस की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वाड की एक विशेष टीम का गठन किया गया था। टीम को अवैध प्रवासियों की पहचान और इलाके में सतर्कता बनाए रखने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। टीम की गश्त और खुफिया जानकारी जुटाने के प्रयासों के चलते 24 जून को वसंत कुंज इलाके में एक बांग्लादेशी नागरिक की मौजूदगी की सूचना मिली। सूचना पर तेजी से कार्रवाई करते हुए टीम ने संदिग्ध व्यक्ति को ढूंढ निकाला, जिसने शुरूआत में खुद को मोहम्मद रोहित शेख बताया। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, आधार कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस दिखाए, जिनमें उसे नदिया, पश्चिम बंगाल का निवासी दशार्या गया था। हालांकि, गहन पूछताछ के दौरान आरोपी ने स्वीकार किया कि वो बांग्लादेशी नागरिक है और करीब 15 साल पहले एक अज्ञात व्यक्ति की मदद से भारत में घुसपैठ की थी। पुलिस जांच में आरोपी के पास से उसके मूल बांग्लादेशी दस्तावेज, जैसे कि राष्ट्रीय पहचान पत्र और पासपोर्ट, बरामद किए गए, जो ओहिद नाम पर जारी थे। सभी कानूनी प्रक्रियाओं को पूरा करने के बाद आरोपी को वसंत कुंज साउथ थाना में रखा गया है। दिल्ली पुलिस अब विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय की मदद से बांग्लादेशी नागरिक को डिपोर्ट करने की कार्रवाई कर रही है।

# दिल्ली के अमन विहार में छात्र की चाकू घोपकर हत्या

नई दिल्ली,। राजधानी दिल्ली के अमन विहार थाना क्षेत्र में एक चाकूबाजी की घटना सामने आई है। इस हमले में कक्षा 10वीं के छात्र दीपांशु (15 वर्ष) की मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार, कुछ युवकों ने दीपांशु पर अचानक चाकू से हमला कर दिया। हमले में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से वहां से भाग निकले। स्थानीय लोगों के मुताबिक, ये हमला पुरानी रंजिश या आपसी झगड़े का नतीजा हो सकता है, हालांकि पुलिस इस पहलू पर भी जांच कर रही है। इस घटना को लेकर पीड़ित परिवार ने गली के ही दो लड़कों पर आरोप लगाए हैं। मृतक की बहन का कहना है कि उसके भाई को एक प्लानिंग के साथ मारा गया था। दो जगह चाकू से हमले किए गए। चाकू से एक बार हमला सीने पर हार्ट के पास किया गया था। मृतक की मां ने कहा, मेरे तीन बच्चे घर पर खाना खा रहे थे। किसी का फोन आया था और एक बेटे को उसने नीचे बुलाया था। उसी समय उसको मार दिया। सोनू और मोनू नाम के लड़कों ने मेरे बेटे को मारा है। ये दोनों अपनी मौसी के घर पर रहते थे। अंदर गली में बुलाकर मेरे बेटे को मारा। दीपांशु के भाई ने कहा, वो आईटीआई कॉलेज से पढ़कर लौटा था। शाम के करीब 6 बज रहे थे। उसके भाई ने इसी साल 10वीं के पेपर दिए थे। शाम को खाना खाते समय उसको दो बार कॉल आई थी। दूसरी कॉल के बाद वो नीचे गया था। उसके बाद जैसे ही वो घर से बाहर निकला, सोनू-मोनू नाम के दो भाइयों ने चाकू से उसको मारा। सीने पर चाकू से वार किया गया। फिलहाल अमन विहार थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस टीम घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने में लगी है। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं, ताकि हमलावरों की पहचान की जा सके।

# दिल्ली : भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने किया निरीक्षण, बोले- टूटी सड़कों की होगी मरम्मत

**नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता**

नई दिल्ली,। भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने शुक्रवार को दिल्ली के खारी बावली और फतेहपुरी मस्जिद के पास सड़कों का निरीक्षण किया। उन्होंने लोगों को आश्वस्त किया कि जितनी भी टूटी फूटी सड़कें हैं, उनकी मरम्मत की जाएगी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार उम्मीद नहीं देती है, बल्कि काम करती है। हम काम करने पर विश्वास करते हैं। हम जो वादें करते हैं, उसे हर कीमत पर पूरा करते हैं। हम वादे करके भूलने वाले लोगों में से नहीं हैं। उन्होंने कहा कि हम दिल्ली की सड़कों को बेहतर बनाने के लिए दिन-रात काम करेंगे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सहित सरकार के अन्य मंत्री दिल्ली की सड़कों की मरम्मत के लिए तत्पर हैं। सभी विभागों के अधिकारियों ने दिल्ली के विकास को नई गति देने के लिए समन्वय के साथ करने का फैसला किया है। हम दिल्ली के विकास में किसी भी प्रकार की कोताही नहीं बरतेंगे। इसके अलावा, हम चांदनी चौक को पूरी तरह से अतिक्रमण मुक्त बनाएंगे। उन्होंने लोगों को आश्वस्त किया कि बहुत ही जल्द यहां पर व्यापारियों की आमद देखने को मिलेगी। सड़कें साफ रहेंगी और किसी भी प्रकार का अतिक्रमण नहीं रहेगा। इसके अलावा, दिल्ली में पर्यटकों को बढ़ावा देने के लिए सरकार कई परियोजनाओं पर काम करेगी। साथ ही, बिहार में कांग्रेस के मतदाता गहन पुनरीक्षण की आलोचना करने पर कहा कि यह लोग काम करना नहीं, सिर्फ शिकायत करना जानते हैं। प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश के नेतृत्व में बिहार में लगातार विकास के कई बड़े काम हो रहे हैं, जिसकी वजह से विपक्षी दलों में बौखलाहट है, इसलिए यह लोग अनाप-शनाप बोल रहे हैं। लेकिन, प्रदेश की जनता पूरी हकीकत जानती है। प्रवीण खंडेलवाल ने एंटी करप्शन ब्रांच की तरफ से स्वास्थ्य संबंधी परियोजनाओं में भ्रष्टाचार के मामले में सौरभ भारद्वाज और सत्येंद्र जैन के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने लूटा है, अब उन्हें लौटाना होगा। यह बात प्रधानमंत्री मोदी ने बहुत ही सख्त शब्दों में बिना किसी लागलपेट के कही है। अब चाहे मनीष सिसोदियो हो, अरविंद केजरीवाल हो या सौरभ भारद्वाज, सत्येंद्र जैन या संजय सिंह, इन सभी को जांच का सामना करना होगा। जिन लोगों ने भी दिल्ली को लूटा है, उन्हें लौटाना होगा।

# अगर सीएम रेखा गुप्ता को भगवा का शौक है तो वह रोज भगवा पहनें और अपने घर की दीवारें भगवा करा लें: सौरभ भारद्वाज

**नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता**

नई दिल्ली, दिल्ली की बीजेपी सरकार द्वारा देवी बसों का रंग भगवा करने के फैसले पर आम आदमी पार्टी ने सख्त ऐतराज जताया है। आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि बीजेपी सरकार देवी बसों का रंग भगवा कर हिंदू आस्था को चोट पहुंचाना चाहती है। बस की खिड़कियों से लोग थूकते हैं, पान की पीक मारते हैं, कई बार उल्टी भी कर देते हैं। बस से चिपके ये दाम हिन्दुओं की आस्था को ठेस पहुंचाएंगा। उन्होंने कहा कि अगर सीएम रेखा गुप्ता को भगवा का शौक है तो वह रोज भगवा पहनें और अपने घर की दीवारें भगवा करा लें, हमें कोई दिक्कत नहीं है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि देवी बसों का रंग भगवा करने के सवाल पर सौरभ भारद्वाज ने कहा कि सारी देवी बसें मोहल्ला बसें थीं। बीजेपी ने मोहल्ला बसों के नाम बदल कर देवी कर दिया और अब इन बसों का रंग बदल कर भगवा करने जा रही है। एक हिंदू के तौर पर मुझे इस फैसले पर एतराज है। बस में बैठने वाला व्यक्ति खिड़की से थूकता भी है और पान की पीक भी थूकता है। कई बार उल्टी भी कर देता है। बस की खिड़कियों से चिपके हुए उल्टी के दाग, पान की पीक, थूक और बलगम मेरी धार्मिक आस्था को कष्ट पहुंचाता है। बीजेपी ने मोहल्ला बस का नाम देवी कर दिया और अगर रंग भगवा कर दिया तो इसके लिए देवी शब्द नहीं है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि सीएम रेखा गुप्ता को भगवा का शौक हो तो रोज भगवा पहनें, हमें खुशी होगी। सीएम अपने कार्यालय की सारी दीवारें भगवा रंग करा लें। हमें कोई दिक्कत नहीं है। मुख्यमंत्री अपने घर के सारे कमरे भगवा करा लें, हमें इसमें भी कष्ट नहीं है। लेकिन ऐसी चीज, जहां पर गंदगी हो, वह चीज अपमानित हो, तो ठीक नहीं है। जूते-चप्पल पहन कर लोग बस में चढ़ेंगे। शब्दों का चयन बड़े ध्यान से करना चाहिए। बीजेपी ऐसे काम करेगी, हमें उम्मीद नहीं थी। संभव है कि हमारी बात सुनकर बीजेपी के मन में हिन्दू धर्म के प्रति थोड़ी सी गंभीरता आए और अपना विचार बदल दें।

# डोम्स ने नए INXON पेन के लिए एक दमदार कैंपेन की शुरूआत की

DOMS®

EVERY AMBITION NEEDS PREPARATION

नई दिल्ली : भारत के सबसे तेजी से विकसित हो रहे कंज्यूमर ब्रांडों में से एक, डोम्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने देश में रिटेल और लर्निंग कैटेगरी में अपनी मजबूत पैठ बनाई है। कंपनी ने हाल ही में अपने क्छडठ पेन को बाजार में उतारने के लिए एक नए दमदार कैंपेन की शुरूआत की है, जिसे खास तौर पर तेजी से और सहज तरीके से लिखने के अनुभव लिए डिजाइन किया गया है। INXON पेन डोम्स की ओर से लर्निंग कैटेगरी में पेश किए गए कई प्रोडक्ट्स में से है, और ये सच में बड़ा बदलाव लाने वाले प्रोडक्ट की तरह सामने आया है। इसे बेहतरीन प्रदर्शन के लिए डिजाइन किया गया है, जो अपने आरामदायक पकड़, आकर्षक डिजाइन और सबसे खास बात, वैक्यूम-आधारित सेंट्रीफ्यूज टेक्नोलॉजी की वजह से लिखने को बेहद सहज और बहुत तेज बना देता है।जानी-मानी क्रिएटिव एजेंसी, टाइडल 7 के साथ मिलकर तैयार किया गया और गुलीवर फि ल्म्स द्वारा निर्मित यह दमदार नया विज्ञापन कैंपेन एक महत्वपूर्ण विषय को लोगों के सामने लाता हैः भले ही स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों के दिलों में बहुत से अरमान हों, पर उन्हें अक्सर अलग-अलग विषयों के पाठ्यक्रम के दबाव को संभालने में बहुत मुश्किल होती है। इसकी कहानी विक्की नाम के एक छात्र के इर्द-गिर्द घूमती है, जो समय से पहले अपनी पढ़ाई पूरी करके अपने दोस्तों को हैरत में डाल देता है, जिससे वे सोचने पर मजबूर हो जाते हैं कि,विक्की को इतना समय कैसे मिलता है ?इस विज्ञापन में दिखाया गया है कि, उसके तेज लिखने, जल्दी काम खत्म करने और बाकी सब चीजों के लिए ज्यादा समय निकालने का राज डोम्स के नए क्छडठ पेन में छिपा है, जिसे इस टैगलाइन के जरिये प्रस्तुत किया गया हैः लिखो फास्ट, करो ज्यादा राइट फास्ट, लिव मोर। लॉन्च किए गए नए पेन के बारे में बात करते हुए, डोम्स के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, श्री सौमित्र प्रसाद ने कहाःडोम्स का INXON पेन एक और बेमिसाल इनोवेशन है, जिसे युवा छात्रों को प्रेरित करने और उन्हें सशक्त बनाने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया है। उपभोक्ताओं के बारे में गहरी समझ पर आधारित हमारा ये नया कैंपेन, स्कूली छात्रों और उनके माता-पिता के साथ भावनात्मक रूप से जुड़ने के लिए तैयार किया गया है। डोम्स का INXON पेन सहज तरीके से और तेजी से लिखने का अनुभव प्रदान करता है, जिससे बच्चों को सीखने और क्रिएटिविटी पर ज्यादा ध्यान देने में मदद मिलती है। इस तरह, उन्हें अपने सपनों को पूरा करने और अपनी पूरी क्षमता हासिल करने के लिए ज्यादा समय मिलता है।

# दिल्ली सरकार के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर हर्षवर्धन को सौंपा ज्ञापन

**प्रात: किरण संवाददाता, नादिर त्यागी**

नई दिल्ली। दिल्ली के पत्रकारों की मांगों को लेकर, एक ज्ञापन यूनियन वर्किंग जर्नलिस्ट्स ऑफ इंडिया की तरफ से दिल्ली सरकार के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर हर्षवर्धन को दिया गया । ज्ञात है कि डॉक्टर हर्षवर्धन जब दिल्ली में स्वास्थ्य मंत्री थे तो पत्रकारों को लेकर मेडिकल एड बिल लाए थे। जिसे शीला दीक्षित व केजरीवाल सरकार ने तबाह कर दिया था। ज्ञापन यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय कुमार उपाध्याय, राष्ट्रीय महासचिव नरेंद्र भंडारी व दिल्ली यूनिट के अध्यक्ष संदीप कुमार शर्मा जी की तरफ से डॉक्टर हर्षवर्धन जी को दिया गया। इस अवसर पर पत्रकार बलराम शर्मा,मनी आर्य,राजेश खन्ना,ईश मालिक,शिवाजी सरकार ,महेश ढोंडियाल, महेंद्र,सुमित उपाध्याय, पवन जुनेजा भी मौजूद थे। डॉक्टर हर्षवर्धन को दिय गये ज्ञापन में उल्लेखित किया गया कि-1 दिल्ली प्रेस रिपोर्टर्स मेडिकल एड रूल्स 1995 में संशोधन की मांग मान्यवर, जिस समय आप दिल्ली में स्वास्थ्य मंत्री थे तो वर्ष 1995 में दिल्ली सरकार ने मान्यता प्राप्त पत्रकारों के लिए ये रूल्स अधिसूचित किए गए थे। जिसके तहत पत्रकारों, वे उनके माता पिता, पति या पत्नी व बच्चों को वे सभी मेडिकल सुविधाएं दी जाएंगी, जो केंद्र या राज्य सरकारों में क्लास वन राजपत्रित अधिकारियो (Group A) को दी जा रही हो। शुरूआत में इन रूल्स का लाभ पत्रकारों व उनके परिवार के सदस्यों को मिलने भी लगा, पर बाद में उन रूल्स में कुछ न कुछ खामियां निकाली जाने लगी , जिससे दिल्ली के पत्रकारों को मेडिकल सुविधाओं को लेने में तरह तरह की दिक्कते आने लगी। दिल्ली सरकार का उब्द्ध यानि सूचना व प्रचार निदेशालय दिल्ली सरकार के मानता प्राप्त पत्रकारों को हेल्थ कार्ड जारी करता है। ये हेल्थ कार्ड दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य महानिदेशालय की तरफ से जारी नहीं किया जाता है। जिसकी वजह से सरकारी व पैनल वाले प्राइवेट हॉस्पिटल व लैब्स में वे मेडिकल सुविधाएं मिल मिल पाती है, जो प्रथम श्रेणी के राजपत्रित अधिकारियों को हासिल होती है।मान्यवर, केंद्र सरकार के प्रेस इनफॉर्मेशन ब्यूरो से जुड़े पत्रकारों को भी सरकारी व प्राइवेट हॉस्पिटल में मेडिकल सुविधाएं हासिल होती है , जिसके एवज में केंद्र सरकार का स्वास्थ्य महानिदेशालय पत्रकारों से कुछ सालाना राशि लेता है । मान्यवर, यदि, दिल्ली सरकार का स्वास्थ्य महानिदेशालय, भी दिल्ली सरकार से मान्यता प्राप्त पत्रकारों को हेल्थ कार्ड जारी करके , उन्हें सरकारी व पैनल वाले प्राइवेट हॉस्पिटल व लैब्स में वे सभी मेडिकल सुविधाएं उपलब्ध करवाने लग जाए, जो प्रथम श्रेणी के राजपत्रित अधिकारियों को हासिल है, तो दिल्ली सरकार के मानता प्राप्त पत्रकार भी स्वास्थ्य महानिदेशालय को वह राशि देने को तैयार है, जो केंद्र सरकार का स्वास्थ्य महानिदेशालय, पीआईबी, से मान्यता प्राप्त पत्रकारों से लेता है। पिछले 2 वर्ष से दिल्ली सरकार के महानिदेशालय में दिल्ली के कई पत्रकारों के मेडिकल बिल, किसी न किसी तकनीकी कारणों की वजह से लंबित पड़े है । हम आपसे मांग करते है कि उन सभी मेडिकल बिलों का भुगतान सुनिश्चित करवाया जाए। इस मौके पर पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ हर्षवर्धन ने कहां की वर्किंग जनरलिस्ट ऑफ इंडिया के पत्रकारों माध्यम से मुझे ज्ञापन दिया गया है। उन्होंने कहा कि 1995 में जब दिल्ली में बीजेपी की सरकार थी उस समय दिल्ली के पत्रकारों को अनेक प्रकार की सुविधाएं सरकार द्वारा दी जाती थी। बाद में दिल्ली में कांग्रेस की सरकार आ गई और उसके बाद आम आदमी पार्टी की सरकार आ गई इन दोनों सरकारों ने पत्रकारों की सुविधाओं पर रोक लगा दी थी। इसके अलावा उन्होंने कहा कि अब दिल्ली में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार है। वह सरकार का हिस्सा अब नहीं रहे हैं पर सरकार में बैठे लोगों से मांग करेंगे कि वह दिल्ली के पत्रकारो की सुविधाओं के लिये कारगर कदम उठाये।

# केजरीवाल की योजना का नकल कर रही है भाजपा : आप

आप

आम आदमी पार्टी

**नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता**

नई दिल्ली,। आम आदमी पार्टी (आप) ने कहा है कि कृत्रिम वर्षा प्रोजेक्ट को अपनाकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के विजन की नकल कर रही है। आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दिल्ली में वायु प्रदूषण हमेशा से बड़ा मुद्दा रहा है। आप सरकार ने वैज्ञानिक तरीके से कृत्रिम वर्षा कराने पर विचार कर वायु प्रदूषण को कम करने की योजना बनाई थी। उस समय भाजपा यह कहकर मजाक उड़ाती थी कि यह अरविंद केजरीवाल के मुंगेरी लाल के हसीन सपने हैं। श्री भारद्वाज ने कहा कि हम लोगों ने केंद्र सरकार से बार-बार कृत्रिम वर्षा के लिए अनुमति मांगी, लेकिन केंद्र सरकार ने अनुमति नहीं दी। भाजपा ने कृत्रिम वर्षा की योजना को लेकर श्री केजरीवाल पर तमाम तरह के आरोप लगाकर मजाक उड़ाया था। उन्होंने कहा कि भाजपा कृत्रिम वर्षा को पैसे की बबार्दी कहती थी तो अब वह खुद पैसे की बबार्दी क्यों कर रही है? केंद्र सरकार ने अरविंद केजरीवाल सरकार को कृत्रिम वर्षा के लिए कोई अनुमति नहीं देती थी, लेकिन जब भाजपा की सरकार बन गई तो सारी अनुमति दे दी। आम आदमी पार्टी इसका जवाब चाहती है। उन्होंने कहा कि सरकार अभी कृत्रिम वर्षा कराकर क्या साबित करना चाहती है? बारिश तो वैसे ही होने वाली है। दिल्ली वाले सोचने को मजबूर हो गए कि भाजपा की सरकार कृत्रिम वर्षा कराकर किसे फायदा पहुंचाना चाहती है या झूठी वाहवाही लूटना चाहती है। आप नेता ने कहा कि भाजपा ने दिल्ली सरकार को फुलेरा की पंचायत बना दिया है। इनको जो मन आता है, वो करते और कहते हैं। अब जब असली बारिश नहीं हो रही है तो कृत्रिम वर्षा को भी टालते जा रहे हैं। जब असली बारिश होगी तब कहेंगे कि कृत्रिम बारिश करा रहे हैं।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रात: किरण

# राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, शनिवार, 28 जून, 2025

## केजरीवाल सरकार को केंद्र ने कृत्रिम वर्षा के लिए कोई अनुमति नहीं दी, अब बीजेपी सरकार है तो सारी अनुमति दे दी: सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली, आम आदमी पार्टी ने कृत्रिम वर्षा को लेकर बीजेपी पर तीखा हमला बोला है। ह्यआपह्ल के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि कृत्रिम वर्षा प्रोजेक्ट को अपनाकर बीजेपी अरविंद केजरीवाल के विजन की नकल कर रही है। यह इस बात का प्रमाण है कि दिल्ली को लेकर सिर्फ अरविंद केजरीवाल के पास विजन है। उन्होंने सीएम रेखा गुप्ता से पूछा कि जब केजरीवाल सरकार कृत्रिम वर्षा कराना चाहती थी, तब बीजेपी मुंगेरी लाल के हसीन सपने कहकर मजाक उड़ाती थी, तो अब वह क्यों कराना चाहती है? केजरीवाल सरकार को केंद्र ने कृत्रिम वर्षा के लिए कोई अनुमति नहीं दी, लेकिन अब बीजेपी की सरकार है तो सारी अनुमति दे दी। अभी दिल्ली में बारिश नहीं हो रही तो बीजेपी कृत्रिम वर्षा भी नहीं करा रही, लेकिन जब बारिश हो जाएगी, तब कहेगी कि हमने कृत्रिम वर्षा कराई है। आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेसवार्ता कर कहा कि दिल्ली में वायु प्रदूषण हमेशा से बड़ा मुद्दा रहा है। अरविंद केजरीवाल आईआईटी के इंजीनियर हैं और आम आदमी पार्टी की पढ़ी लिखी सरकार थी। ह्यआपह्ल सरकार ने कहा था कि नवंबर-दिसंबर के महीने में वैज्ञानिक तरीके से कृत्रिम वर्षा कराकर वायु प्रदूषण को थोड़ा का कम कर सकते हैं। ह्यआपह्ल की सरकार ने कृत्रिम वर्षा की पूरी योजना बनाई। उस वक्त बीजेपी यह कहकर मजाक उड़ाती थी कि यह अरविंद केजरीवाल के मुंगेरी लाल के हसीन सपने हैं। बीजेपी औपचारिक तौर पर कहती थी कि कृत्रिम वर्षा मुंगेरी लाल के हसीन सपने हैं। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि हम लोगों ने केंद्र सरकार से बार-बार कृत्रिम वर्षा के लिए अनुमति मांगी, लेकिन केंद्र सरकार ने अनुमति नहीं दी। बीजेपी कहती थी कि अरविंद केजरीवाल पूरे भारत का कोई एक उदाहरण दे दें, जहां पर कृत्रिम वर्षा सफल हुई हो। कृत्रिम वर्षा नहीं कराई जा सकती। अरविंद केजरीवाल पैसा बर्बाद करना चाहते हैं। अरविंद केजरीवाल भ्रष्टाचार करना चाहते हैं। इसलिए कृत्रिम वर्षा कराना चाहते हैं। इस तरह की बातें करके बीजेपी दिल्ली को प्रदूषण में ढकेले रखा। कृत्रिम वर्षा से कहीं प्रदूषण कम न हो जाए, इसका बीजेपी ने राजनैतिक तौर पर कड़ा विरोध किया और बीजेपी की केंद्र सरकार ने सारी अनुमति देने से साफ इन्कार कर दिया। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि बीते 19 जून को दिल्ली में बादल छाए हुए थे। मौसम विभाग रोज कह रहा था कि एक-दो दिन में बारिश आ जाएगी। बादल देख कर लग भी रहा था कि बारिश आ जाएगी। बादल देखकर दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार ने घोषणा कर दी कि अगले दो-तीन दिन के अंदर सरकार कृत्रिम वर्षा कराने जा रही है। सीएम रेखा गुप्ता के इस एलान से दिल्ली के लोग हैरान थे कि प्रदूषण को अक्टूबर-नवंबर में होगा। सरकार अभी कृत्रिम वर्षा कराकर क्या साबित करना चाहती है? बारिश तो वैसे ही होने वाली है। दिल्ली वाले सोचने को मजबूर हो गए कि बीजेपी की सरकार कृत्रिम वर्षा कराकर किसको फायदा पहुंचाना चाहती है या झूठी वाहवाही लूटना चाहती है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि बादल को हवा उड़ा कर ले गई और कड़ाके की धूप निकल रही है। ऐसे में कृत्रिम वर्षा नहीं कराई जा सकती। जब असली बारिश ही नहीं हुई तो कृत्रिम बारिश कैसे होगी? यह दिल्ली का मजाक बनाया गया। बीजेपी ने दिल्ली सरकार को फुलेरा की पंचायत बना दिया है। इनको जो मन आता है, वो करते और कहते हैं। अब जब असली बारिश नहीं हो रही है तो कृत्रिम वर्षा को भी टालते जा रहे हैं। जब असली बारिश होने को होगी तब कहेंगे कि कृत्रिम बारिश करा रहे हैं। अक्टूबर-नवंबर महीने में दिल्ली में बादल नहीं होते हैं। कृत्रिम वर्षा का मतलब है कि जब बारिश का मौसम न हो, तब बारिश कराकर प्रदूषण को कम किया जाता है। पायलट उस समय किया जाता है, जब वैसी परिस्थित हो। वैज्ञानिकों का भी मानना है कि अगर प्रदूषण को कम करने के लिए पायलट प्रोजेक्ट करना है तो अक्टूबर-नवंबर में पायलट कराना चाहिए। किसके दबाव में बीजेपी की दिल्ली सरकार बारिश के मौसम में कृत्रिम वर्षा कराना चाहती है, यह दिल्लीवालों की समय से परे है। सौरभ भारद्वाज ने सीएम रेखा गुप्ता से प्रश्न किया कि जब बीजेपी कहती थी कि कृत्रिम वर्षा मुंगेरी लाल के हसीन सपने हैं और यह नहीं होनी चाहिए तो फिर बीजेपी अरविंद केजरीवाल की नकल क्यों कर रही है? बीजेपी के अनुसार अरविंद केजरीवाल गलत काम करना चाह रहे हैं और अब वही बीजेपी अरविंद केजरीवाल की नकल कर रही है। बीजेपी कृत्रिम वर्षा को पैसे की बबार्दी कहती थी तो अब वह खुद पैसे की बबार्दी क्यों कर रही है? अरविंद केजरीवाल सरकार को केंद्र सरकार कृत्रिम वर्षा के लिए कोई अनुमति नहीं देती थी, लेकिन जब बीजेपी की सरकार बन गई तो सारी अनुमति दे दी। यह क्या दोगलापन है। आम आदमी पार्टी इसका जवाब चाहती है।

## भ्रष्टाचार ने किया था डीटीसी को बर्बाद : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली, । दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पिछली सरकार को हर काम में दाम ढूंढने वाली सरकार करार देते हुए कहा कि दिल्ली की लाइफ लाइन डीटीसी बसों के परिचालन में हर स्तर पर घोटाले किये गये और घाटे में लाकर परिवहन व्यवस्था को बर्बाद कर दिया था, जिसे अब पटरी पर लाने का काम किया जा रहा है। श्रीमती रेखा गुप्ता ने नरेला में बस टर्मिनल का उद्घाटन करने के बाद आज कहा ह्यआज नरेला में 90 दिन में बने अत्याधुनिक बस टर्मिनल का उद्घाटन किया और 100 से ज्यादा नई देवी बसें दिल्लीवासियों की सेवा में समर्पित की। यह परियोजना सिर्फ एक नई सुविधा नहीं, बल्कि दिल्ली को बेहतर, सुरक्षित और समावेशी भविष्य की ओर ले जाने वाला मजबूत कदम है। उन्होंने कहा कि नरेला में चार हजार वर्ग मीटर क्षेत्र में बने इस टर्मिनल में विशाल शेड, साफ-सुथरे टॉयलेट, आरओ जल संयंत्र, कैंटीन-पीट, ईवी चार्जिंग स्टेशन जैसी मूलभूत सुविधाएं हैं। यात्री अब बेहतर अनुभव के साथ यात्रा करेंगे। नई देवी बसें यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के नए मानक स्थापित कर रही हैं। इनमें सीसीटीवी कैमरे, आपात पैनिक बटन, लाइव ट्रैकिंग जैसी आधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं। इसके साथ ही, दिव्यांगजनों की सुविधा के लिए ये बसें व्हीलचेयर-फ्रेंडली डिजाइन के साथ पूरी तरह सुलभ बनाई गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज दिल्ली की सड़कों पर 2000 से अधिक इलेक्ट्रिक बसें दौड़ रही हैं। हमारा संकल्प है कि 2027 तक राजधानी की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को पूरी तरह इलेक्ट्रिक बनाकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ह्यविकसित दिल्लीह्व के विजन को साकार करें। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार के दौरान लगातार डीटीसी बसों को कम किया गया और टिकट समेत हर स्तर पर घोटाले किये गए एवं हजारों डीटीसी के हजारों कर्मचारियों को बेरोजगार कर पूरी परिवहन व्यवस्था को बर्बाद कर दिया गया था। श्रीमती गुप्ता ने कहा कि पहली बार काम करने वाली सरकार दिल्ली में आई है। आज जिस विभाग की परत हटाओ वहां घोटाले ही घोटाले ही नजर आते हैं। दिल्ली सरकार की कमान संभालते ही हमने परिवहन व्यवस्था से लेकर हर स्तर पर सुधार करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि चार महीने के छोटे से कार्यकाल में सरकार हर विषय और क्षेत्र में काम कर रही है। सरकार की नीति और नीयत पूरी तरह स्पष्ट है। हर एक के जीवन में सुधार हो ,और क्षेत्र में पारदर्शिता हो, यही हमारा लक्ष्य है। पिछली सरकार ने सड़कों पर जो गड्ढे छोड़े हैं उसे एक एक करके भरा जा रहा है। हमारी सरकार एक एक चीज जनता को समर्पित करने के लिए दिन रात काम कर रही है।

## मोहर्रम माह के पहले दिन मजलिस मातम का दौर चला

अमरोहा नगर मे मोहर्रम माह के पहले दिन मजलिस मातम का दौर चला जिसमें विभिन्न जाकरीन ने मरसिया पेश किया माशूर शायर मीर अनीस, मिर्ज़ा दबीर, जोश मलीहाबादी, शमीम अमरोहवी नसीम अमरोहवी व डॉ अजीम अम्रोहवी आदि के लिखे मर्सिये मिम्बर से पेश किए जा रहे हैं नगर के मोहल्ला पचदरा, काजी जादा, सद्दो, दरबार मीरा खान, चाह गोरी, मजापोता, दानिशमंदन, बगला, शफातपोता, कटरा गुलाम अली, छोड़ा,गुजरी, मंडी चौक, दरबार कला, कटकुइ, काली पगड़ी, घेर करम अली खां, मोहल्ला लकड़ा, सट्टी, हक्कानी, जाफरी, काजी गली सहित मोहल्लों के अजाखानों में मजलिसो का दौर चल रहा है मजलिसों मे मिम्बर से मशूर तहेद के मर्सिया खाँ डॉ नाशिर नकवी, डॉ लाडले, डॉ जमशैद कमाल, डॉ सफी, मुजाहिद अब्बास, इमदाद आब्दि, शाने हैदर बेबाक, मोहम्मद तुराब, पयाम्बर अम्रोहवी, वसीम अम्रोहवी, अशरफ फराज, फराज अर्शि, सामी अम्रोहवी, कामरान हैदर, अंजुम अब्बास, नाज़िश अम्रोहवी, आदि मर्सिये पेश कर रहे हैं और खूब दाद ओ तेहसीन से नावाजे जा रहे हैं बाद फजाइल कर्बला वालों का ज़िक्र सुनाया गया जिसे सुन कर अजादारों ने मातम किया।

## डीसीपी प्रशांत गौतम के नेतृत्व में शाहदरा पुलिस का सराहनीय अभियान

### नशा मुक्त समाज की दिशा में लेबर चौक से दी गई बुलंद आवाज

प्रात: किरण . मनोज जैन

शाहदरा जिला पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय नशा मुक्ति दिवस के अवसर पर एक सशक्त और प्रेरणादायक जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन शाहदरा थाने के अधीनस्थ लेबर चौक पर किया। इस कार्यक्रम का आयोजन जिला पुलिस उपायुक्त डीसीपी प्रशांत गौतम के मार्गदर्शन में किया गया, जिनके नेतृत्व में लगातार समाजहित में सकारात्मक पहलों को बढ़ावा दिया जा रहा है। थाना प्रभारी (एसएचओ) इंस्पेक्टर कन्हैया लाल तथा नारकोटिक्स विंग के इंस्पेक्टर अर्जुन सिंह के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान का उद्देश्य – नशे के विरुद्ध एकजुट समाज बनाना था। कार्यक्रम के दौरान पुलिस टीम ने नुक्कड़ नाटक, बैनर प्रदर्शन, माइक उद्घोषणाओं और जन संवाद के माध्यम से यह संदेश दिया कि नशा आधुनिक युग का सबसे खतरनाक सामाजिक रोग बन चुका है, जो न केवल व्यक्ति को, बल्कि उसके पूरे परिवार को संकट में डाल देता है। खासकर युवाओं से अपील की गई कि वे अपने भविष्य और समाज को सुरक्षित रखने के लिए नशे से दूर रहें। स्थानीय नागरिकों, मजदूरों, दुकानदारों और राहगीरों ने पुलिस के इस प्रयास की जमकर सराहना की, और कई लोगों ने मंच पर आकर अपने विचार भी साझा किए। इस अवसर पर इंस्पेक्टर अर्जुन सिंह ने कहा कि ह्लशाहदरा पुलिस केवल कानूनी कार्रवाई तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाना भी हमारी ड्यूटी है ह्व उन्होंने बताया कि नशे से जुड़े अपराधों पर सतत निगरानी रखी जा रही है और पुलिस की टीम क्षेत्र में सक्रिय रूप से काम कर रही है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित नागरिकों को नशामुक्त जीवन की शपथ भी दिलाई गई और यह विश्वास जताया गया कि जनभागीदारी और पुलिस की सजगता से शाहदरा को नशामुक्त क्षेत्र बनाना संभव है।

## आपातकाल में श्रीलंका के साथ समझौते के कारण आज भी हमारे मछुआरे पकड़े जा रहे: जयशंकर

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली, । विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि आपातकाल में श्रीलंका के साथ किए गए एक समझौते की कीमत आज भी हमारे मछुआरों को चुकानी पड़ रही है। इस समझौते के कारण हमने मछली पकड़ने का हक खो दिया और इसी कारण श्रीलंका भारतीय मछुआरों को पकड़ लेता है। जयशंकर ने कहा, हम श्रीलंका द्वारा हमारे मछुआरों को गिरफ्तार किए जाने के बारे में सुनते हैं। इसका कारण यह है कि आपातकाल के दौरान एक समझौता किया गया था जिसके तहत श्रीलंका के कुछ समुद्री जल में मछली पकड़ने के मछुआरों के अधिकारों को त्याग दिया गया था। दिल्ली भाजपा युवा मोर्चा ने आज एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में आपातकाल के 50 साल पूरे होने के मौके पर मॉक पार्लियामेंट का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर और दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने दीप प्रज्वलित कर इसकी शुरूआत की। मॉक पार्लियामेंट्र में विभिन्न कॉलेजों के युवा छात्रों ने भाग लिया। जयशंकर ने चीन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के संयुक्त घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करने से इनकार का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि एसीओ का मकसद आतंक से लड़ना हैं। राजनाथ सिंह आउटकम डॉक्युमेंट में आतंकवाद का विषय चाहते थे। एक देश (पाकिस्तान) नहीं चाहता था कि आतंकवाद का जिक्र हो। इसी के चलते उन्होंने साइन करने से इनकार कर दिया। इस अवसर पर पत्रकारों को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि इमरजेंसी के कई सालों बाद आज भी कांग्रेस से पूछा गया कि देश में जो इमरजेंसी लगी क्या उसके लिए आप रिग्रेट हैं तो उसमें से आज भी किसी को उसका कोई रिग्रेट नहीं है। विदेश मंत्री ने कहा कि 1971 में जीतने के बाद सरकार की लोकप्रियता काफी घट गई थी क्योंकि भ्रष्टाचार अपने चरम पर था और गुजरात में सरकार गिर गई थी। इसलिए सरकार ने नया तरीका निकाला कि कैसे सरकार के प्रति लोगों में डर पैदा की जाए इसलिए उन्होंने देश में इमरजेंसी लगा दी। डॉ. जयशंकर ने कहा कि कांग्रेस ने आपातकाल के सिर्फ 21 महीनों में ही संविधान में पांच संशोधन और 48 ऑर्डिनेंसेस पास किए। आपातकाल कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं था बल्कि हमारे जीवन के रहन-सहन पर ही अटैक था और यह सिर्फ एक परिवार के कारण हुआ। कुछ लोग संविधान की प्रति हाथ में लेकर घूमते हैं पर दिल की भावना कुछ और है, क्या कभी कांग्रेस ने आपातकाल के लिए माफी मांगी ? उन्होंने बताया कि उस समये संविधान में किए गए तीन बदलाव बहुत महत्वपूर्ण थे। 38वां संशोधन के अनुसार आप इमरजेंसी लगाने के संबंध में कोर्ट नहीं जा सकते, 39वां संशोधन आपको प्रधानमंत्री के चुनाव पर कोर्ट जाने से रोक रहा था और 42वां संशोधन के अनुसार आपके मौलिक अधिकार को ही खत्म करके कोर्ट के पावर को कम करने वाला था। इमरजेंसी में संविधान की हत्या इस तरह से की गई कि अगर आपकी जान भी जाए तो कोर्ट आपको राहत नहीं दे सकता। सम्बोधन से पूर्व, डॉ. जयशंकर और वीरेन्द्र सचदेवा ने आपातकाल के 50 साल पूरे होने पर लगाए गए विशेष प्रदर्शनी का अवलोकन किया। दिल्ली भाजयुमो अध्यक्ष सागर त्यागी ने स्वागत भाषण में कांग्रेस के आपातकाल को याद किया और कहा कि यह भारत के इतिहास में एक काला अध्याय है।

## कृष्णा नगर में पुलिस का सघन फ्लैग मार्च, कांवड़ यात्रा से पहले अलर्ट मोड

### संदिग्ध युवकों व वाहनों की तलाशी, पार्कों में गश्त कर जनता से संवाद

प्रात: किरण . मनोज जैन

कांवड़ यात्रा से पहले शाहदरा जिले के कृष्णा नगर विधानसभा क्षेत्र में पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरती। डीसीपी प्रशांत गौतम के दिशा-निदेर्शों पर थाना कृष्णा नगर प्रभारी एसएचओ मुकेश राणा एवं अतिरिक्त थाना प्रभारी श्री सचिन वर्मा के नेतृत्व में इलाके में सघन फ्लैग मार्च एवं चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की कड़ी निगरानी की गई और आम जनता को सुरक्षा का भरोसा दिया गया। लाल क्वार्टर मार्केट, ई-ब्लॉक, एफ-ब्लॉक, सी-ब्लॉक और ए-ब्लॉक सहित कृष्णा नगर के प्रमुख बाजारों और रिहायशी इलाकों में पैदल गश्त की गई। सेंट्रल पार्क में बैठे या टहलते युवाओं से पूछताछ कर पहचान पत्रों की जांच की गई। पुलिस टीम ने क्षेत्र में घूम रहे दोपहिया और चारपहिया वाहनों की विशेष चेकिंग भी की। बिना नंबर प्लेट, अवैध पार्किंग या संदेहास्पद स्थिति वाले वाहनों को चिन्हित किया गया। इस दौरान एसएचओ मुकेश राणा और अतिरिक्त एसएचओ सचिन वर्मा के साथ ओमबीर राठी, मनीष, नसीब, गौरव, नितिन, मंदिर, मनोहर और राकेश सहित थाना कृष्णा नगर की पूरी पुलिस टीम पूरी मुस्तैदी के साथ जुटी रही। ये सभी पुलिसकर्मी न केवल कांवड़ यात्रा की सुरक्षा में लगे हैं, बल्कि क्षेत्र में चोरी, झपटमारी और किसी भी असामाजिक गतिविधि को रोकने के लिए कंधे से कंधा मिलाकर कार्य कर रहे हैं।

## लापता युवक का शव जंगल में मिला

नई दिल्ली, । दक्षिण-पश्चिम जिले के वसंत कुंज साउथ इलाके में शुक्रवार सुबह एक तालाब में एक युवक का शव सड़ी गली अवस्था में मिला। मृतक की पहचान इंदर कैंप, रंगपुरी पहाड़ी निवासी अनिल कुमार (32) के रूप में हुई है। जांच में पता चला है कि अनिल 20 जून से लापता था। दक्षिण-पश्चिम जिले के डीसीपी अमित गोयल ने बताया कि पुलिस को सुबह 8:19 बजे पीसीआर कॉल के जरिए सूचना मिली कि इंदर कैंप स्थित पीर बाबा के पास पानी में शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही वसंत कुंज साउथ थाने के एसएचओ टीम सहित मौके पर पहुंचे। वहां एक सड़ी गली अवस्था में पुरुष का शव बरामद हुआ। प्राथमिक जांच में पता चला कि मृतक अनिल कुमार एम्स अस्पताल में इलेक्ट्रीशियन के रूप में कार्यरत था। वह विवाहित थे और उसकी 6 साल की एक बेटी भी है। परिवार द्वारा उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट पहले ही 21 जून को थाने में दर्ज कराई गई थी। स्थानीय लोगों ने बताया कि सुबह शौच के लिए जा रहे एक व्यक्ति ने शव को देखकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी) और क्राइम टीम को बुलाया गया है, जो साक्ष्यों की जांच और एकत्रीकरण में जुटी है। पुलिस अधिकारी पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रहे हैं और मौत के कारणों का पता लगाने का प्रयास जारी है। फिलहाल पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज चुकी है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

## पंजाब के आप विधायक :डॉ कश्मीर सिंह सोहल के निधन पर केजरीवाल ने जताया दुख

नई दिल्ली, । आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पार्टी विधायक डॉ. कश्मीर सिंह सोहल के निधन पर शोक व्यक्त किया है। पंजाब के तरनतारन से आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक डॉ. कश्मीर सिंह सोहल का शुक्रवार को कैंसर के कारण निधन हो गया। डॉ. कश्मीर सिंह सोहल बीते कुछ दिनों से अमृतसर के निजी अस्पताल में भर्ती थे। उन्होंने इलाज के दौरान ही देर रात को आखिरी सांस ली। अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि डॉ. कश्मीर सिंह सोहल के निधन की खबर बेहद दुखद है। उन्होंने कहा कि प्रभु उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें और उनके परिवार को इस मुश्किल समय में हिम्मत दे। उनका अंतिम संस्कार शनिवार को किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि डॉ. कश्मीर सिंह सोहल 2016 में आम आदमी पार्टी से जुड़े थे। उन्हें 2022 मे तरनतारन से विधायक बनाया गया था। उनकी एक सक्रिय विधायक के साथ ही सामाजिक मुद्दों पर भी गहरी पकड़ थी।

## हेल्प 24 एनजीओ के सौजन्य से सेवा शिविर आयोजित

### आधार, आयुष्मान, मेट्रो कार्ड और हाउस टैक्स में जनता को मिला लाभ

प्रात: किरण . मनोज जैन

शाहदरा जिले के कृष्णा नगर विधानसभा क्षेत्र में हेल्प 24 एनजीओ द्वारा दो दिवसीय जनसेवा शिविर का आयोजन किया गया, जिसका पहला दिन कल सम्पन्न हुआ। इस शिविर में नागरिकों को आधार कार्ड अपडेट, नया पता परिवर्तन, एमसीडी हाउस टैक्स भुगतान, मेट्रो कार्ड और आयुष्मान कार्ड जैसी सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई गईं। क्षेत्र के अलावा आसपास की विधानसभा क्षेत्रों के नागरिकों ने भी बड़ी संख्या में पहुंचकर लाभ प्राप्त किया। एनजीओ के अध्यक्ष लवली सैनी ने जानकारी दी कि पहले दिन 29 लोगों ने आधार कार्ड अपडेट, 20 नागरिकों ने आयुष्मान भारत कार्ड, तथा 79 लोगों ने मेट्रो कार्ड बनवाए। साथ ही एमसीडी हाउस टैक्स विभाग को लगभग 4,35,000 का कर भुगतान किया गया। यह क्षेत्रीय लोगों की जागरूकता का परिचायक है। शिविर का संचालन सुबह 9:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक हुआ, जिसमें हेल्प 24 एनजीओ की टीम के साथ-साथ पार्षद श्री संदीप कपूर एवं श्री सुनील खन्ना ने भी विशेष सहयोग प्रदान किया। अन्य प्रमुख सहयोगियों में विक्रांत खन्ना, सुमन नैयर, राजीव शर्मा, भूषण कुमार जैन, सुषमा रानी, सोनल, पवन अरोड़ा, अंजू गोगिया, गीता शर्मा सहित स्वयंसेवकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शिविर में आए सभी लोगों के लिए ठंडा पानी, नींबू शिंकजी, चाय एवं नाश्ते की निशुल्क व्यवस्था की गई, ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो। आयोजकों का उद्देश्य था कि नागरिकों को यह महसूस हो कि वे अपने ही घर में बैठकर सेवाएं प्राप्त कर रहे हैं। यह सेवा शिविर आज भी जारी है।

## युवक की गोली मारकर हत्या

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली, । बाहरी उत्तरी जिले के बवाना इलाके में शुक्रवार की सुबह सैर पर निकले दीपक नाम के युवक को बदमाशों ने गोलियों से भून डाला। दीपक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं साथ चल रही उसकी बेटी घायल हो गई। बेटी के हाथ में गोली लगी है। फिलहाल अस्पताल में उसका इलाज जारी है। पुलिस को इस पूरे मामले में नंदू गैंग पर शक है। मृतक की पहचान कुख्यात गैंगस्टर मंजीत महाल के सगे भांजे दीपक के रूप में हुई है। यही कारण है कि हत्या के तार गैंगस्टर मंजीत महाल के दुश्मन और विदेश में बैठे नंदू गैंग से जोड़े जा रहे हैं। पुलिस को आशंका है कि गैंग के इशारे पर ही दीपक पर हमला हुआ और उसकी हत्या कर दी गई। पुलिस अधिकारी के अनुसार बवाना इलाके में शुक्रवार सुबह करीब 8 बजे दीपक नाम का शख्स अपने परिवार के साथ सुबह सैर करने निकला था। बाइक पर सवार होकर आए दो हमलावरों ने उस पर कई राउंड फायरिंग की और उसकी हत्या कर दी। इस हमले में मृतक दीपक के साथ सैर पर आई उसकी बेटी के हाथ में भी गोली लगी है, जिसका फिलहाल अस्पताल में इलाज कराया जा रहा है। दीपक पेशे से ट्रेडिंग का काम करता था। बीटेक की पढ़ाई करने के बाद वो ट्रेडिंग के काम मे लग गया था, वो बवाना के नांगल ठाकरान गांव में अपने माता पिता, पत्नी और बच्चों के साथ रहता था। दीपक रोज सुबह बवाना रोड पर पूरे परिवार के साथ सैर के लिए जाया करता था। ऐसे में आशंशा जताई जा रही है कि हमलावरों को पता था कि वो रोज वहां जाता है। कुल मिलाकर उसकी रेकी की गई थी। शुक्रवार की सुबह भी हमले के समय दीपक के माता-पिता पीछे चल रहे थे। कुछ दूरी पर आगे दीपक अपनी बेटी के साथ सैर कर रहा था, तभी बाइक पर आए दो हमलवारों ने उसपर कई राउंड फायरिंग की। पुलिस के मुताबिक दीपक का किसी तरह का कोई क्रिमिनल केस नहीं था। पुलिस को आशंका है कि इस हत्या के पीछे विदेश में बैठे नंदू गैंग का हाथ हो सकता है, क्योंकि नंदू और मंजीत गैंग की दुश्मनी पिछले काफी सालों से चल रही है। अप्रैल में नंदू गैंग ने मंजीत महाल के करीबी प्रोपर्टी डीलर राजकुमार दराल की पश्चिम विहार में हत्या करवाई थी।

## डीसीपी प्रशांत गौतम के निर्देशन में गांधी नगर पुलिस को बड़ी कामयाबी, दो लुटेरे गिरफ्तार, 60,000 की नकदी बरामद

प्रात: किरण . मनोज जैन

शाहदरा जिले के पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम ने बताया कि गांधी नगर क्षेत्र की अशोक गली में कपड़ों का थोक व्यापार करने वाले एक व्यक्ति के साथ लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया गया। व्यापारी अपने माल की आपूर्ति (सप्लाई) देने के लिए जा रहा था कि तभी तीन बदमाशों ने उसे घेर लिया। एक ने रास्ता रोका, दूसरे ने धक्का दिया और तीसरे ने उसकी जेब से एक लाख रुपये निकाल लिए। लेकिन पीड़ित ने हिम्मत दिखाते हुए शोर मचाया, जिससे मौके पर मौजूद लोगों की मदद से दो आरोपियों को वहीं दबोच लिया गया। सूचना मिलते ही थाना गांधी नगर की पुलिस टीम तुरंत सक्रिय हुई। थाना प्रभारी प्रफुल्ल कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने आस-पास के सभी सीसीटीवी कैमरों की जाँच की और पकड़े गए दोनों युवकों की पहचान की। इनमें एक आरोपी सुमित उर्फ कांटे, जो कि आदतन अपराधी है, और दूसरा विक्की, दोनों दिल्ली के निवासी हैं। पूछताछ में आरोपियों ने अपराध स्वीकार किया, और पुलिस ने सुमित से 35,000 तथा विक्की से 25,000 की लूटी गई राशि बरामद की। दोनों को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहाँ से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। तीसरे फरार आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। डीसीपी प्रशांत गौतम ने थाना प्रभारी प्रफुल्ल कुमार और उनकी टीम की तत्परता, सतर्कता और टीम भावना की प्रशंसा करते हुए कहा कि पुलिस ने बेहद कम समय में घटना का खुलासा कर जन विश्वास को और मजबूत किया है। टीम में उपनिरीक्षक विकास कुमार, सहायक उपनिरीक्षक हरबीर बलियान, मुख्य आरक्षक राहुल चौधरी, अमन बंसल और विनय ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिनकी मेहनत के परिणामस्वरूप आरोपियों को सलाखों के पीछे भेजा जा सका।

## मुठभेड़ में बदमाश गिरफ्तार पैर में लगी गोली

नई दिल्ली, । पश्चिम जिला पुलिस ने राजौरी गार्डन इलाके में बृहस्पतिवार रात मुठभेड़ के बाद बदमाश को गिरफ्तार किया है। दोनों तरह से चली गोली में बदमाश के पैर में गोली लगी। गिरफ्तार बदमाश की पहचान नजफगढ़ निवासी विनय उर्फ मोटा के रूप में हुई है। बदमाश पर लूटपाट और झपटमारी के 56 मामले दर्ज हैं। बदमाश का अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। जिला पुलिस उपायुक्त विचित्र वीर ने बताया, बृहस्पतिवार रात बदमाश विनय के राजौरी गार्डन के इलाके में मौजूद होने की जानकारी मिली। तुरंत पुलिस की टीम ने राजौरी गार्डन स्थित संजय गांधी पशु अस्पताल के पीछे गंदा नाला रोड पर घेराबंदी कर दी। देर रात बदमाश बाइक से वहां पहुंचा। पुलिस टीम ने उसे रुकने का इशारा किया। पुलिस टीम को देखकर बदमाश वहां से भागने लगा और भागने के दौरान उसने पुलिस टीम पर गोली चला दी। एक गोली सिपाही के बुलेट प्रूफ जैकेट पर लगी। पुलिस बदमाश का पीछा करते हुए उसे आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, लेकिन बदमाश ने पुलिस टीम पर गोली चला दी। पुलिस टीम ने भी आत्मरक्षा में फायरिंग की। एक गोली बदमाश के दाहिने पैर में लगी। घायल बदमाश को पुलिस ने दबोच लिया। पुलिस टीम ने उसे तुरंत डीडीयू अस्पताल लेकर गई, जहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस अधिकारी ने बताया, बदमाश पर पहले से 56 आपराधिक मामले दर्ज हैं। जांच में पता चला है कि 2021 में बदमाश का स्पेशल सेल के साथ भी मुठभेड़ हुआ था। पुलिस बदमाश से पूछताछ कर आपराधिक रिकार्ड की जांच कर रही है।

## संक्षिप्त खबरें

### बनमा इटहरी के जदयू प्रभारी प्रमोद सादा का सोनवर्षा में जनसंपर्क अभियान तेज

सहरसा जनता दल यूनाइटेड के सक्रिय सदस्य एवं बनमा इटहरी प्रखंड प्रभारी प्रमोद सादा इन दिनों सहरसा ज़िले के सोनवर्षा विधानसभा क्षेत्र में सघन जनसंपर्क अभियान पर हैं। वे गाँव-गाँव जाकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी आम लोगों को दे रहे हैं और जनता की समस्याओं से सीधे रुबरू हो रहे हैं। प्रमोद सादा का कहना है कि मुख्यमंत्री जी की योजनाएँ जैसे हर घर नल-जल योजना, मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन योजना, सात निश्चय योजना, बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड और कन्या उत्थान योजना बिहार को विकसित और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मील का पत्थर हैं। वे लोगों को इन योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। प्रमोद सादा ने जोर देकर कहा कि सोनवर्षा की जनता अब जागरूक हो चुकी है। इस बार क्षेत्र से कोई ऐसा नेता चाहिए जो यहीं का हो, जो हर वक्त जनता के बीच रहे।

### उदाकिशुनगंज प्रखंड में समर कैंप के सफलता पर शिक्षकों में हर्ष

उदाकिशुनगंज (मधेपुरा) ग्रीष्म अवकाश में बच्चों को बराबरी लाने हेतु समर कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें ग्रीष्म अवकाश के समय शिक्षक एवं शिक्षिका द्वारा टोले मोहल्ले में जाकर बच्चे को पढ़ाया गया। जिसमें शिक्षकों एवं छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। वहीं अभिषेक कुमार प्रथम ने प्रखंड में घूम-घूम कर समर कैंप में बच्चों का मनोबल बढ़ाया गया। तत्पश्चात विद्यालय खुलने के बाद शुक्रवार को प्रखंड मुख्यालय स्थित प्रखंड संसाधन केंद्र में सभी शिक्षक एवं शिक्षिका ने समर कैंप के सफल संचालन को लेकर हर्ष जाहिर किया। अनुमंडल पार्षद श्रीमती अमृता कुमारी ने बताया की समर कैंप डीपीओ के प्रयास से सत प्रतिशत सफल रहा। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी निर्मला कुमारी ने बताया कि उदाकिशुनगंज के शिक्षक काफी मेहनती हैं और लगनशील भी हैं।

# कन्या मध्य विद्यालय चौसा में हुआ स्वागत समारोह का आयोजन, महिला शिक्षकों ने बच्चों को लगाया तिलक

प्रात : किरण संवाददाता

उदाकिशुनगंज (मधेपुरा) उदाकिशुनगंज अनुमंडल क्षेत्र के चौसा प्रखंड मुख्यालय स्थित कन्या मध्य विद्यालय चौसा में शुक्रवार को स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक विजय पासवान नेतृत्व में महिला शिक्षकों ने बच्चों को तिलक अक्षत लगाया, फूलों की वर्षा की और हालचाल पूछा। इस स्वागत को देखकर बच्चे भावुक हो गए। इस अवसर पर बाल संसद के शिक्षक संयोजक संजय कुमार सुमन ने बताया कि पहली बार विद्यालय में इस तरह का आयोजन हुआ। विभागीय निर्देश के तहत बच्चों से आत्मीयता से मिलना, तिलक लगाना और फूलों की वर्षा किया गया। ग्रीष्मावकाश के दौरान बच्चों ने जो अनुभव किए, उनकी चर्चा चेतना सत्र में की गई। इससे बच्चे उत्साहित नजर आए। स्वागत समारोह का उद्देश्य बच्चों को भयमुक्त और आनंदपूर्ण वातावरण देना है। उन्होंने विद्यालय बंद रहने के कारण बच्चों को नियमित रूप से पहले की भांति विद्यालय आने की अपील की और बच्चों ने पूर्व की तरह नियमित विद्यालय आने का संकल्प लिया। प्रधानाध्यापक विजय पासवान ने कहा कि शिक्षा विभाग के दिशा निर्देश में 23 जून से 27 जून तक प्राथमिक और मध्य विद्यालय में स्वागत सप्ताह मनाया जाना है। जिसमें बच्चे को आनंदपूर्ण और आत्मीय विश्वास के साथ पठन पाठन कराना है। जिसमें ग्रीष्मावकाश में बच्चों के दिए गए होमवर्क का जांच भी करना है। स्कूलों में हर दिन चेतना सत्र में बच्चों के हौसला अफजाई करने के लिए उत्साहवर्धक स्वागत गीत प्रस्तुत करेंगे। चेतना सत्र में स्वागत गीत, प्रेरणा संबंधित कहानी, महान व्यक्ति का जीवन परिचय देकर बच्चों को प्रेरित किया जाएगा। जिससे बच्चे के अंदर शिक्षा के प्रति लगाव पैदा होगा। यह तमाम गतिविधि रचनात्मक रूप में किया जाएगा। जिससे बच्चे लाभान्वित होंगे। मौके पर विद्यालय के शिक्षक अमीम आलम, हकीम उद्दीन, संजीवानंद, उमेश प्रसाद यादव, पुरुषोत्तम कुमार, रेहाना खातून, प्रिया नंदी, प्रीति कुमारी, बाल संसद की प्रधानमंत्री मनीषा कुमारी, मंत्री सोनी कुमारी, अक्षिता राज, कोमल कुमारी, पल्लवी कुमारी, छोटी कुमारी, अभिलाषा कुमारी, रौशनी कुमारी, आलिया सानी, ऋतिका कुमारी, पलक कुमारी, मौसम कुमारी, रिंकी कुमारी समेत दर्जनों की संख्या में बच्चे उपस्थित थे।

# मुंगेर जिले में बंदी के कगार पर पहुंचा लाइसेंसधारी बंदूक कारखाना को अब मिलेगा संजीवनी बूटी

● बिहार में बनने जा रहा है ऑर्डिनेंस फैक्ट्री कॉरिडोर जिसमें मुंगेर को भी शामिल किया गया है

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। मुंगेर जिले में बंदी के कगार पर पहुंचा लाइसेंस धारी बंदूक कारखाना को अब संजीवनी मिलेगा बिहार में बनने जा रहा है ऑडिनेंस फैक्ट्री कॉरिडोर में मुंगेर जिला को शामिल किया गया है। राज्य में ह्यऑर्डिनेंस फैक्ट्री कॉरिडोरह्न , जो न केवल भारत की रक्षा ताकत को नई उड़ान देगा, बल्कि एक लाख से ज्यादा लोगों को रोजगार भी देगा। ऑर्डिनेंस फैक्ट्री कॉरिडोरह्न के प्रस्ताव पर मुंगेर बंदूक निर्माताओं में हर्ष है इससे बंदूक कारखाना को मिलेगा संजीवनी बिहार सरकार के उद्योग विभाग के द्वारा राज्य में ऑर्डिनेंस फैक्ट्री कॉरिडोरह्न बनाया जा रहा है । जिसमें मुंगेर, कैमूर, बांका, जमुई और अरवल जिलों में ऑर्डिनेंस कॉरिडोर विकसित किया जाएगा। इसके साथ ही भागलपुर, मुजफ्फरपुर, शेखपुरा और सारण को भी संभावित स्थल के रूप में चिह्नित किया गया है । ऐसे में मुंगेर जहां हथियार निर्माण का इतिहास 200 वर्षों का रहा है । राज्य सरकार की दूरदर्शिता का अभाव में यह कारखाना आज बंदी के कगार पर पहुंच गया है। ऐसे में इस घोषणा ने मुंगेर बंदूक फैक्ट्री में लाइसेंसी बंदूक का निर्माण करने वाले निर्माताओं और कारीगरों में हर्ष है। द गन मैनुफैक्चरिंग लाइसेंसी एसोसिएशन बंदूक कारखाना मुंगेर सदस्यों ने बताया कि ऑर्डिनेंस फैक्ट्री कॉरिडोरह्न के लिए प्राथमिक स्तर पर राज्य सरकार द्वारा पूर्व में ही स्वीकृति मिल चुकी है। ऑर्डिनेंस फैक्ट्री कॉरिडोर के निर्माण के लिए उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा ने रक्षा मंत्री राजनाथ को प्रस्ताव भेजा है। ऑर्डिनेंस फैक्ट्री कॉरिडोरह्न बनने से मुंगेर के बंदूक निर्माता कुशल कारीगरों को रोजगार के अवसर मिल सकेंगे तथा बंदूक निर्माण में जुटी कंपनियों को भी फायदा होगा। उन्होंने बताया कि मेक इन इंडिया के तहत रक्षा मंत्रालय ने स्वदेशी रक्षा खरीद में वर्ष 2024-25 में 2,09,050 करोड़ के खरीद के अनुबंध की घोषणा की है। जबकि 23622 करोड़ रुपए का रक्षा निर्यात किया है ऐसे में बिहार सरकार अपने प्रदेश में रक्षा और गृह मंत्रालय के सहयोग से ऑर्डिनेंस फैक्ट्री कॉरिडोरह्न की स्थापना कर मुंगेर एवं यहां के कुशल कामगारों के कौशल का समुचित उपयोग कर सकेगी। राज्य सरकार की इस पहल के लिए सभी लाइसेंसधारी बंदूक निर्माताओं एवं कामगारों ने उद्योग मंत्री और मुख्यमंत्री का आभार जताया है। ऑर्डिनेंस फैक्ट्री कॉरिडोर के निर्माण से बिहार की आर्थिक स्थिति मजबूत होने के साथ ही सड़क, वायु मार्ग विकसित होगा। साथ ही बताया कि बंदूक कारखाना मुंगेर में बंदूक निर्माण का इतिहास 260 वर्ष पुराना है। यहां के कुशल कारीगरों द्वारा निर्मित 11575 पिस्तौल और बंदूकों का निर्यात वर्ष 1899-1900 में यूरोप के देशों में किया गया था। कुशल कामगारों और हुनर की पहचान कर तत्कालीन ब्रिटिश सरकार ने बंदूक विनिर्माण को संरक्षित किया। आजादी के बाद बिहार सरकार ने भी इसे संरक्षित किया। आज भी बंदूक निर्माण में मुंगेर का बंदूक कारखाना भारत में एक अहम स्थान रखता है।

# ऑपरेशन यात्री सुरक्षा के तहत तीन अभियुक्तों की गिरफ्तारी के साथ चोरित 05 मोबाइल व एक पावर बैंक बरामद

प्रात : किरण संवाददाता

लखीसराय !राजकीय रेल पुलिस एवं रेलवे सुरक्षा बल किउल के द्वारा किउल स्टेशन पर प्लेटफार्म गस्त, अपराधियों पर निगरानी व पटना की ओर आने जाने वाले ट्रेनों की चेकिंग के दौरान प्लेटफार्म संख्या-5 एवं 6 पर पर फूट ओवर ब्रिज के पास तीन लड़के को संदिग्ध अवस्था में खड़ा पाया गया। पुलिस को देख व घबराकर भागने की कोशिश करने लगा। उन तीनो को भागने का मौका दिए बिना बल सदस्यों की मदद से उक्त सभी लड़का को पकड़ कर पूछताछ की गई तो उसने अपना अपना नाम अंकित कुमार, उम्र-16वर्ष, पिता- राजीव रंजन , (02) सूरज कुमार-16 वर्ष, पिता-शंकर सिंह (03) राजू कुमार-18 वर्ष तीनों ग्राम-चकवाई, थाना -वारिसलीगंज, जिला-नवादा बताया, आगे पूछने पर उन तीनों ने बताया कि यह 05 मोबाइल जिसमे वीवो कंपनी के 04 मोबाइल तथा रियलमी कंपनी के 01 मोबाइल ट्रेनों में यात्रियों का आज चोरी किया है ।मौके पर वीडियोग्राफी करते हुए जब्ती सूची तथा गिरफ्तारी ज्ञापन तैयार किया गया तथा तीनों को जीआरपी किऊल लाया गया। बाद गिरफ्तार तीनों अभियुक्त को मौके पर तैयार कागजात, घटना का मेमोरी कार्ड में संग्रहित फोटो के आधार पर पीटीसी विवेकानंद कुमार, जीआरपी किऊल के द्वारा लिखित शिकायत के आधार पर जीआरपी किऊल में कांड पंजीकरण की प्रक्रिया जारी है !उक्त जानकारी रेलवे सुरक्षा बल के पुलिस निरीक्षक प्रशांत कुमार ने दी !

# चपराम कोठी स्टेट के युवराज राकेश सिंह के निधन पर अंतिम दर्शन के लिए उमड़ी भीड़

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा सोनवर्षा स्टेट के वंशज स्व.कुमार दौलत सिंह के पौत्र व स्व. मुनेश्वर प्रताप से के ज्येष्ठ पुत्र 56 वर्षीय राकेश सिंह का दाह संस्कार चपरांव कोठी परिसर स्थित पैतृक श्मशान भूमि में किया गया। अंतिम दर्शन के लिए ग्रामीणों, शुभेच्छुओं सहित स्वजातियों की भारी भीड़ उमड़ी रही। अंतिम दर्शन के लिए खगड़िया के पूर्व सांसद व सिमरी बख्तियार स्टेट के चौधरी महबूब अली केशर, सढिया के मुखिया सुमन सिंह, मोहम्मदपुर के मुखिया विनय यादव, काठों पंचायत के मुखिया, भोलेंद्र राय, प्रखंड प्रमुख सोनम कुमारी, पिंकू कुमार, किशोर सिंह, लाडला, राहुल सिंह, नंदन सिंह, निरंजन सिंह, बाबू सिंह, रोशन सिंह, शंकरपुर निवासी मिथिलेश सिंह सहित विभिन्न गांवों के सैकड़ों लोगों ने अंतिम दर्शन कर श्रद्धांजलि अर्पित किया। परिवार के मुखिया छोटे चाचा शिवप्रताप सिंह, माता पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष मीरा सिंह, संजय सिंह, शक्ति सिंह, विक्रम सिंह, समर सिंह, स्वर्गीय राकेश सिंह के छोटे भाई विक्की सिंह बड़े पुत्र ने मुखाग्नि देखकर आखरी श्रद्धांजलि अर्पित किए।

# सिंटानाबाद उत्तरी पंचायत में 9 जुलाई को मुखिया पद का उपचुनाव, पूर्व मुखिया मसीर खान की पत्नी समसीदा खातून मैदान में

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा जिले के सिमरी बख्तियारपुर प्रखंड के सिंटानाबाद उत्तरी पंचायत में मुखिया पद के लिए उपचुनाव 9 जुलाई को अपने-अपने मत का प्रयोग करेंगे, वर्तमान मुखिया मोहम्मद मसीर खान के निधन के बाद यह पद रिक्त हो गया था, जिसके चलते अब उपचुनाव कराए जा रहे हैं। चुनाव परिणाम की घोषणा 11 जुलाई को की जाएगी। चुनावी प्रक्रिया के तहत अब तक कई उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया है, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा में हैं दिवंगत मुखिया मोहम्मद मसीर खान की पत्नी समसीदा खातून, जिन्होंने अब आधिकारिक रूप से चुनावी मैदान में कदम रख दिया है। वे लगातार अपने समर्थकों के साथ गांव-गांव जाकर जनसंपर्क अभियान चला रही हैं। स्थानीय ग्रामीणों के बीच समसीदा खातून के प्रति सहानुभूति और विश्वास की लहर देखी जा रही है। लोगों का मानना है कि मसीर खान के कार्यकाल में पंचायत में उल्लेखनीय विकास कार्य हुए और उनके असमय निधन से पंचायत को गहरा नुकसान हुआ है। ऐसे में उनकी पत्नी को जनता स्वाभाविक उत्तराधिकारी मान रही है। एक ग्रामीण महिला ने कहा हमने मसीर साहब को हमेशा अपने परिवार का हिस्सा माना, अब उनकी पत्नी को आगे बढ़ाना हमारा फर्ज.है। वहीं कुछ युवाओं का कहना था कि 2026 में फिर से आम पंचायत चुनाव होने हैं, इसलिए इस उपचुनाव में राजनीतिक टकराव की बजाय सामाजिक सहमति से समसीदा खातून को निर्विरोध चुना जाना चाहिए था, जिससे पंचायत में एकजुटता का संदेश जाता। लेकिन कुछ अन्य प्रत्याशी इस प्रस्ताव को नहीं मान पाए और अब मुकाबला बहुकोणीय बन गया है। फिर भी यह स्पष्ट है कि इस बार समसीदा खातून को जनमानस का अप्रत्याशित समर्थन मिल रहा है। पंचायत के हर टोले-मोहल्ले में उनके पक्ष में चर्चा हो रही है। महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों में उनके लिए विशेष लगाव देखा जा रहा है। प्रशासनिक स्तर पर चुनाव की सभी तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं। मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो, इसके लिए सुरक्षा व्यवस्था सख्त की जा रही है। अब देखना यह है कि क्या समसीदा खातून इस व्यापक जनसमर्थन को मतों में बदल पाती हैं और अपने पति की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ा पाती हैं।

# प्राइड ऑफ बचपन प्ले स्कूल सें सम्मानित हुई अंतरराष्ट्रीय गोल्ड विजेता प्रांशी

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा शहर के गांधी पथ स्थित बचपन स्कूल की एलकेजी की 4 वर्षीय प्रांशी की सफलता पर स्कूल सहित जिलावासी गौरवान्वित है। प्रांशी द्वारा अंतरराष्ट्रीय डांस प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल प्राप्त करने पर स्कूल निदेशिका ई कीर्ती रंजन द्वारा शुक्रवार को विजेता प्रांशी एवं अभिभावक उनके माता खूशबू मन्धाना पिता अरूण मन्धाना एवं स्ट्रीट डांस एकेडमी के निदेशक नवीन सिंह राजपूत को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर केक काटकर हर्ष व्यक्त किया गया। साथ ही मेडल, चित्र एवं फूल माला पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। ई कीर्ति रंजन नें बताया कि प्रांशी कुमारी बहुत ही मेधावी छात्रा है जो पढ़ाई लिखाई में भी अव्वल है। प्रांशी की सफलता के लिए उनके माता पिता तथा डांस एकेडमी के डायरेक्टर नें काफी मेहनत कर यह सफलता दिलाई है। प्रांशी बचपन प्ले स्कूल का गौरव है। उनके सफलता से बचपन प्ले स्कूल काफी गौरवान्वित है। आज मुझे लोग इसके नाम सें जान रहे है जो फक्र का विषय है। उन्होने कहा कि प्रांशी की माता खुशबू एवं कोरियोग्राफर नवीन सिंह राजपूत के कारण मेरी बेटी ने जिला प्रमंडल राज्य राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर मुकाम हासिल किया है। इस उद्गार को व्यक्त करने के लिए मेरे पास शब्द नही है। मै काफी रोमांचित व आशान्वित हूं। ज्ञात हो कि 12 जून को काठमांडू में आयोजित माउंट एवरेस्ट सिंगिंग डांस स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में उन्होंने स्ट्रीट ट्रांस कैटेगरी में गोल्ड मेडल हासिल किया। मात्र 4 वर्ष की प्रांशी बचपन प्ले स्कूल एलकेजी की छात्रा है और स्ट्रीट ट्रांस अकादमी में कोरियोग्राफर नवीन सिंह राजपूत के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण ले रही है। वही नवीन सिंह राजपूत नें बताया कि होनहार वीरवान के होत चिकने पात वाली कहावत को चरितार्थ किया है

# पंचायत तभी सशक्त और विकसित बन सकेगी, जब लोग स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति होंगे जागरूक : राहुल कुमार झा

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा जिलें के नवहट्टा प्रखंड स्थित माध्यमिक उच्च विद्यालय, मुरादपुर परिसर में शुक्रवार को एक बाल सभा का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता पंचायत मुखिया प्रतिनिधि राहुल कुमार झा ने की। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक अपने विचार साझा किए और पंचायत के सर्वांगीण विकास हेतु अपने सुझाव प्रस्तुत किए। मुखिया पति राहुल कुमार झा ने अपने संबोधन में कहा कि बाल सभा बच्चों के शारीरिक, नैतिक तथा चारित्रिक विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह बच्चों में नेतृत्व क्षमता, सामाजिक जागरूकता एवं रचनात्मक सोच को विकसित करने का सशक्त माध्यम है। सभा के दौरान उपस्थित बच्चों ने अच्छे कार्यों को प्रोत्साहित करने एवं एक विकसित पंचायत के निर्माण हेतु विभिन्न सकारात्मक सुझाव रखे। इसके अतिरिक्त पिरामल स्वास्थ्य के प्रतिनिधियों द्वारा फाइलेरिया और कालाजार उन्मूलन कार्यक्रम, एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम, तथा दस्त (डायरिया) प्रबंधन जैसे विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई एवं इन विषयों पर समुदाय को जागरूक करने का आह्वान किया गया। मुखिया श्री झा ने कहा कि पंचायत तभी सशक्त और विकसित बन सकेगी, जब लोग स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूक होंगे। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए उन्होंने बच्चों से भी सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया। अंत में उन्होंने आगामी बाल सभाओं के लिए भी निश्चित तिथि निर्धारित कर दी, ताकि इस प्रकार की रचनात्मक गतिविधियों का नियमित संचालन सुनिश्चित किया जा सके। इस बाल शभा मे मुखिया राहुल कुमार झा, विद्यालय के प्रधानाध्यापक, शिक्षक, पिरामल स्वास्थ्य के प्रोग्राम लीडर आलोक कुमार, डिस्ट्रिक्ट लीड अखलेश कुमार, डिस्ट्रिक्ट लीड विभूति चन्द्र युगल और बच्चे उपस्थित थे।

# सिमरी बख्तियारपुर स्टेशन परिसर को आरपीएफ नें कराया अतिक्रमण मुक्त

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा समस्तीपुर मंडल अंतर्गत सहरसा मानसी रेलखंड पर अवस्थित सिमरी बख्तियारपुर स्टेशन परिसर का आरपीएफ के द्वारा शुक्रवार को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। सहरसा आरपीएफ पोस्ट कमांडर रेलवे सुरक्षा बल धनंजय कुमार के निदेर्शानुसार सिमरी बख्तियारपुर स्टेशन अंतर्गत लगे हुए दुकानों को हटाया गया और रेल परिसर को अतिक्रमण मुक्त किया गया। ज्ञात हो कि अमृत भारत स्टेशन के तहत सिमरी बख्तियारपुर स्टेशन का नव निर्माण कराया जा रहा है। साथ ही साथ रेल परिसर का भी साज सज्जा के साथ पूर्ण रूप से विकसित किया जा रहा है। लेकिन स्टेशन परिसर में अवैध अतिक्रमणकारियों द्वारा दुकान लगाकर अतिक्रमण किये जाने से रेलयात्रियों को आवागमन में काफी परेशानी का सामना करना पडता था। आरपीएफ द्वारा सभी अतिक्रमण कारियों को नोटिस निर्गत कर खाली करने का अल्टीमेटम दिया गया। लेकिन अतिक्रमणकारियों द्वारा अतिक्रमण नही हटाये जाने के कारण रेल सुरक्षा बल के द्वारा अतिक्रमण मुक्त कराया गया। वही अतिक्रमण मुक्त होने के फलस्वरूप स्टेशन परिसर की साफ-सफाई एवं रेलयात्रियों को आवागमन में काफी सहूलियत होगी। साथ ही वाहन पार्किंग स्थल के लिए भी परिसर में स्थान उपलब्ध कराया गया है।आरपीएफ इंस्पेक्टर ने स्टेशन परिसर में अतिक्रमण करने वाले के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

# डॉ. अंबेडकर संग्रह सेवा अभियान विशेष विकास शिविर सरकार आपके द्वार कार्यक्रम आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा जिले के कहरा प्रखंड स्थित ग्राम पंचायत बरियाही वार्ड नंबर 14 कहरा अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति टोला में डॉ. अंबेडकर संग्रह सेवा अभियान विशेष विकास शिविर सरकार आपके द्वारा हर टोला हर परिवार हर सेवा के तहत जदयू नेता मुखिया प्रतिनिधि गणेश गौरव द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस शिविर में मुखिया प्रतिनिधि द्वारा अनुसूचित जाति जनजाति परिवार के लोगों को जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, बास भूमि पर्चा, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ, मुख्यमंत्री पारिवारिक लाभ, मुख्यमंत्री कन्या विवाह, मुख्यमंत्री कन्या उत्थान, दिव्यांग विवाह योजना, हर घर नल जल योजना, मनरेगा जॉब कार्ड, आवास योजना एवं विभिन्न तरह के लाभ के आवेदन लिया गया। मुखिया प्रतिनिधि ने बताया कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों के विकास के लिए जणकल्याणकारी प्रयास किया जा रहा है।

इसके अंतर्गत बिहार सरकार द्वारा समाजिक सुरक्षा पेंशन में बढोतरी की गई है। इसके अंतर्गत विधवा वृद्ध एवं दिव्यांग जनो के पेंशन में तीन गुणा वृद्धि हुई है। वही स्कूल में चलने वाले मीड डे मील कार्यक्रम के तहत रसोई यो के मानदेय में वृद्धि की गई है।

श्री गौरव ने बताया कि सुशासन सरकार में लोगों को सरकारी योजना का लाभ दिलाने को लेकर सरकार आपके द्वार कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। जिसके कारण गरीब पिछड़े एवं वंचित वर्गों को सभी प्रकार का लाभ दिया जा रहा है।वही जीविका दीदियों के उत्थान के लिए समूह लोन उपलब्ध कराकर महिलाओ को आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है।

# किउल नदी पर अस्थाई पुलिया से आवागमन पूर्णतःठप,प्रशासन ने लगायी धारा-144

**नदी में जल स्तर के अचानक बढ़ जाने से डूबा अस्थाई पुल,पुल के डूबने से एक लाख से अधिक आबादी प्रभावित**

प्रात : किरण संवाददाता

लखीसराय !किउल नदी पर बना अस्थाई पुल के डूब जाने के कारण लखीसराय से किउल स्टेशन के बीच आम लोगों का आवाजाही दुभर हो चुका है !सुरक्षित रास्ते के अभाव में लोग मजबूरी बस जान जोखिम में डालकर रेलवे पटरी के सहारे आवाजाही कर रहे हैं,जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है ! हालांकि जिला पदाधिकारी के आदेश पर नदी पार करने वाले अस्थाई पुल पर धारा-144 के तहत प्रतिबंध लगाते हुए बैनर भी लगाया गया है !आम लोगों को सुगम रास्ते पर चलने की प्रशासन द्वारा अपील भी की जा रही है !लेकिन विकल्प के अभाव में लोग रेलवे पटरी को हीं आम रास्ता बना रहे हैं !रिलवे की ओर से पैदल पुल बेहद सीमित,संकरा और असुरक्षित है !यह स्थिति न केवल आम लोगों के लिए बल्कि ट्रेन परिचालन के लिए भी गंभीर चुनौती बन चुकी है !ज्ञात हो की बड़ी संख्या में महिला-पुरुष रेलवे पटरी पर जान जोखिम में डालकर आवागमन करते हैं,अगर उस वक्त अचानक ट्रेन गुजर जाती है तो बड़ा घटना होने से कोई रोक नहीं सकता है !जानकारी हो की स्थानीय प्रशासन व जन सहयोग से सामान्य मौसम में नदी पर अस्थाई पुल का निर्माण कराया गया था !यह प्रतिदिन हजारों लोगों के लिए सुगम आवागमन का माध्यम था !किउल-लखीसराय की दूरी पहले आधा किलोमीटर थी अब विद्यापीठ चौक से गढ़ी विशनपुर होते हुए किउल जाने में लगभग 8 किलोमीटर का सफर तय करना पड़ता है !पुल के डूब जाने से 1 लाख से भी अधिक की आबादी प्रभावित हो रही है !जबकि स्थाई तौर पर नए पुल के निर्माण हेतु कुछ महीने पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शिलान्यास किया था !लेकिन प्रशासनिक उदासीनता व लापरवाही के कारण आम जनजीवन काफी प्रभावित हो रहा है !

# तेलंगाना राज्य में फनहन निवासी का अररिया एवं पूर्णियां जिले के युवकों ने 4 लाख एवं मोबाइल चोरी कर हुआ फरार

प्रात : किरण संवाददाता

उदाकिशुनगंज ( मधेपुरा) उदाकिशुनगंज थाना क्षेत्र के रहटा निवासी टुनटुन पौद्दार, पिता रास बिहारी पौद्दार एवं किशोर यादव, पिता-रमेश यादव, दिलीप मंडल पिता ठाकूर मंडल, किशोर मंडल, पिता- रामचंद्र मंडल, फेको ऋषिदेव पिता लक्ष्मी ऋषिदेव, लाल बहादुर मंडल पिता रामचंद्र मंडल ये सभी लोग तेलंगाना राज्य के जगतियाल जिला अंतर्गत मिठपल्ली थाना क्षेत्र में राईस मील एवं साईसीड बीयर हाउस (चावल गोदाम) में काम करते हैं। जहां सभी लोगों को मिले मजदुरी का रुपया जो 4 लाख 17 हजार 3 सौ 61 रुपया एवं साथ में नया मोबाइल का मोडल रेडमी 13, 5 जी, इस मोबाइल का कीमत 12,499 है, जो रात में गहरी नींद में सो जाने के पश्चात चोरी हो गया। रात करीब 2 बजे नींद खुलने के पश्चात देखा गया तो अररिया जिले के नरपतगंज थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 4 पंजरकट्टा के अमित यादव पिता अनुरुद्ध यादव, प्रिंस यादव, अभिषेक यादव एवं पूर्णिया जिले के रूपोली थाना क्षेत्र के बेला निवासी कृष्णदेव पौद्दार - पिता लक्ष्मी पोद्दार, गजेन्द्र पौद्दार, पिता सुरेश पोद्दार गायब है। जहां खोज किए जाने पर कोई नहीं मिला तो सभी अपना सामान चेक करने लगा तो उपर्युक्त सभी कुछ गायब था। घटना दिनांक 20 जून रोज शनिवार रात्रि के करीब 2 बजे की है। जिसमें अमित का मोबाइल नंबर 8920465327 है, अभिषेक कुमार का मोबाइल नंबर 9306453349 है। ये चार मजदूर मजदूरी करने आया था परंतु चोरी करके भाग गया। इस संबंध में सभी पीड़ित ने तेलंगाना राज्य के जगतियाल जिला अंतर्गत मिठपल्ली थाने में दिनांक 21 जून 2025 को थाना में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है।

# रक्तवीर राहुल ने रक्तदान कर मानवता का दिया परिचय

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा वरिष्ठ नागरिकों के अनुरोध पर हाल ही में सिविल सर्जन डॉ. मिथिलेश कुमार ठाकुर ने डॉ. कलाम पार्क के गरीब गेट कीपर कुंदन कुमार की 70 वषीर्या मां सावित्री देवी के फिसल जाने के कारण पैर की हड्डी टूटने पर सदर अस्पताल में ही डिप्टी सुपरीटेंडेंट डॉ. सचिन कुमार को अपनी देखरेख में इलाज करने का निर्देश दिया था। डॉ. सचिन ने कहा कि दो यूनिट ब्लड चढ़ाने के बाद ही ऑपरेशन संभव होगा।

अस्पताल के ब्लड बैंक प्रभारी राज कुमार पुरी ने बताया कि मरीज का ओ-पॉजिटिव ग्रुप यहां फिलहाल उपलब्ध नहीं है। यह जानकारी मिलते ही वरिष्ठ नागरिक सेवा संघ के उपाध्यक्ष समाजसेवी-शिक्षाविद् डॉ. भूपेन्द्र नारायण यादव मधेपुरी ने संकल्प मैत्री फाउंडेशन के संस्थापक सुनीत साना को फोन पर सारी बातों से अवगत करवाते हुए रक्त उपलब्ध करवाने की बात कही। सुनीत साना के अनुरोध पर शहर के गुलजारबाग वार्ड नंबर- 20 निवासी रक्तवीर राहुल कुमार ने बिना समय गंवाये रक्तदान कर श्रेष्ठतम मानवता का परिचय दिया। रक्तवीर राहुल को रक्तदान करने के बाद डॉ. मधेपुरी, सुनीत साना एवं मधु सिन्हा ने कच्चा रसगुल्ला खिलाया। सबों ने रक्तवीर राहुल की भरकर सराहना की। अंत में सबों ने मरीज सावित्री देवी को देखने बेड नंबर 17 की ओर चलकर उन्हें प्रोत्साहित भी किया।

# जब बुजुर्ग मुस्कुराता हैं - तब जीवित रहता है संस्कार

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

बुजुर्गों की मुस्कान किसी साधारण चेहरे का सामान्य भाव नहीं होता है, बल्कि वह आशीर्वाद होता है जो पीढ़ियों को जोड़ता है। उनके अनुभव, उनकी थकी आंखों में बसी कहानी, उनके कांपते हाथों में हमारी जड़ें होती हैं। जब वे मुस्कुराते हैं, तो सिर्फ उनके चेहरे पर उजाला नहीं फैलता है, बल्कि पूरे समाज के संस्कारों की लौ पुनः जल उठती है। लेकिन यह लौ अब धीमी पड़ रही है। हमलोग उस समाज से दूर जा रहे हैं, जो कभी मातृ देवो भवः, पितृ देवो भवः जैसे मूल्यों पर गर्व करता था। बुजुर्गों का वर्तमान हाल हमें झकझोरता है और सोचने को मजबूर करता है कि कहीं हमारी प्रगति ने हमारे संस्कारों को पीछे तो नहीं छोड़ दिया? बीते कुछ दशकों में भारतीय परिवारिक ढांचे में भारी बदलाव आया है। संयुक्त परिवारों के स्थान पर एकल परिवारों ने जगह ले ली है। नौकरी के लिए पलायन, जीवन की आपाधापी और व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा ने रिश्तों की गर्माहट को ठंडा कर दिया है। पहले जहां दादा-दादी घर की धुरी होते थे, आज उन्हें कोने में रखा एक उपेक्षित पात्र बना दिया गया है। बुजुर्गों के लिए सबसे बड़ी पीड़ा यह नहीं कि वे असहाय हैं, बल्कि यह है कि वे ह्यअनचाहेह्न महसूस करते हैं। उन्हें लगता है कि अब उनकी बातों को कोई नहीं सुनता, उनकी सलाह को कोई महत्व नहीं देता। अकेलापन उन्हें भीतर से तोड़ देता है, और धीरे-धीरे वे खामोश हो जाते हैं यह खामोशी, जो चीख से भी ज्यादा दर्द देती है। बुजुर्गों के साथ शारीरिक हिंसा सबसे घृणित और स्पष्ट रूप है। बुजुर्गों को धक्का देना, मारना, या उन्हें बंधक बना लेना, यह सब अपराध की श्रेणी में आता हैं, लेकिन अक्सर इन पर बात नहीं होता है क्योंकि यह घटनाएं घर की चारदीवारी में छुपा रह जाता है। मौखिक कटाक्ष, बार-बार उन्हें उनकी निर्भरता का एहसास कराना, उन्हें ह्लबोझह्न समझना, यह सब मानसिक हिंसा है। ऐसे दुर्व्यवहार के कारण बुजुर्ग आत्मग्लानि, अवसाद और आत्महत्या तक के विचारों में फंस जाता हैं। बुजुर्गों का पेंशन, संपत्ति, या बचत हड़पना, बिना अनुमति के बैंक खातों से पैसा निकालना, या उन्हें उनकी संपत्ति से बेदखल करना, यह सब आर्थिक शोषण की परिभाषा में आता हैं। बुजुर्गों को समाजिक आयोजनों से दूर रखना, उनकी सामाजिक पहचान खत्म कर देना, उन्हें ह्यघरों में कैदह्न कर देना, यह उनके आत्मसम्मान की हत्या है। हेल्पएज इंडिया की 2023 की रिपोर्ट बताता है कि भारत में हर 2 में से 1 बुजुर्ग को किसी न किसी प्रकार के दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ता है। इनमें से अधिकांश मामलों में दुर्व्यवहार करने वाला कोई और नहीं बल्कि उनका अपना परिवारजन होता है। 63% बुजुर्गों ने मौखिक दुर्व्यवहार की शिकायत की। 29% ने आर्थिक शोषण की बात मानी और 45% ने अकेलापन और सामाजिक उपेक्षा को प्रमुख समस्या बताया। वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम 2007 के तहत अगर संतान अपने माता-पिता की देखभाल नहीं करता है, तो बुजुर्ग मजिस्ट्रेट के समक्ष शिकायत दर्ज कर सकता हैं। कोर्ट संतान को भरण-पोषण के आदेश दे सकता है। राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक नीति (2011) का उद्देश्य बुजुर्गों को गरिमापूर्ण जीवन, स्वास्थ्य सुविधा, सामाजिक सुरक्षा और आत्मनिर्भरता प्रदान करना है। हेल्पलाइन और हेल्पएज इंडिया जैसी गैर-सरकारी संगठन बुजुर्गों को कानूनी, भावनात्मक और चिकित्सा सहायता देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा हैं। बुजुर्गों की सबसे बड़ी इच्छा यही होता है कि वह अपने बच्चों और पोते-पोतियों के बीच समय बिता सके। वह वृद्धाश्रम नहीं, अपनापन चाहता हैं। घर में उनका होना केवल जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक अवसर हो, अनुभव और परंपरा से सीखने का। फिल्में और धारावाहिक समाज को दिशा देने में सक्षम हैं। लेकिन जब वह बुजुर्गों को कमजोर, रूढ़िवादी या हास्यास्पद दिखाता हैं, तो समाज में उनके प्रति सम्मान घटता है। इसलिए सकारात्मक फिल्मे होना जरूरी है।

# जलवायु क्षेत्र में भारत की ग्यारह वर्षों की प्रगति

भूपेंद्र यादव

मानव द्वारा उत्पन्न जलवायु परिवर्तन के प्रभाव पूरी दुनिया में महसूस किए जा रहे हैं। जलवायु परिवर्तन पर अंतर-सरकारी पैनल (आईपीसीसी) की छठी आकलन रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि 2011-20 के दशक में पृथ्वी का तापमान, पूर्व-औद्योगिक काल (1850-1900) की तुलना में 1.1 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ गया है। साथ ही, विकसित देश वैश्विक कार्बन बजट में असंगत हिस्सेदारी रखने के बावजूद जलवायु कार्रवाई को गति देने के लिए आवश्यक साधन प्रदान करने के प्रति इच्छुक नहीं दिखाई देते। इस वैश्विक परिदृश्य के बीच भारत के ह्यसर्वे भवन्तु सुखिनःह्न के प्राचीन वैदिक सिद्धांत ने सहस्राब्दियों से मानव सभ्यता का मार्गदर्शन किया है। आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन के कारण अस्तित्व की चुनौती से जूझ रही है, तो जलवायु प्रबंधन के प्रति भारत की कालातीत वैदिक ज्ञान की प्रतिध्वनि विश्व को मार्ग दिखा रही है। एक ओर, वैश्विक समुदाय अक्सर जलवायु परिवर्तन से उपजी तापमान वृद्धि, अनियमित मौसम पैटर्न और आपदाओं में वृद्धि जैसी ह्लअसुविधाजनक सच्चाइयोंह्न में उलझा हुआ है। दूसरी ओर, भारत ने ह्यसुविधाजनक कार्रवाईह्न के दर्शन को सामने रखा है। हमारे सभ्यतागत लोकाचार में निहित इस दृष्टिकोण ने पिछले ग्यारह वर्षों में भारत को एक कर्तव्यनिष्ठ वैश्विक जलवायु नागरिक में बदल दिया है। अथर्ववेद का एक श्लोक है, यत किञ्च पृथिव्यां पृथिवीमनुत्तं हितं चेद् तत तवायतु। मा नः पृथिव्याः परं हिंसिष्ठाः। पृथ्वी का जो कुछ भी हम खनन करते हैं, उसे जल्दी से भरने दें, हम पृथ्वी के प्राण-तत्वों पर आघात न करें और न ही उसके हृदय को क्षति पहुंचाएं। यह श्लोक आधुनिक जलवायु विज्ञान से हजारों साल पहले के पुनर्निर्माण पर आधारित प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के सिद्धांतों को दशार्ता है। इस प्राचीन ज्ञान को जलवायु कार्रवाई के प्रति हमारे दृष्टिकोण पर आधारित समकालीन नीतिगत ढाँचों में पिरोया गया है, जिससे पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक कार्रवाई का एक अनूठा तालमेल बना है। इस दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए, 2014 में पदभार ग्रहण करने के कुछ सप्ताह के भीतर ही प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने एक सरल लेकिन दूरगामी प्रशासनिक निर्णय के माध्यम से अपनी जलवायु प्रतिबद्धता और दूरदर्शिता का परिचय दिया। पर्यावरण और वन मंत्रालय में ह्यजलवायु परिवर्तनह्न को जोड़कर, उन्होंने जलवायु कार्रवाई को क्षेत्र-संबंधी चिंता के सीमित दायरे से निकालकर शासन की प्राथमिकता में ला दिया। 2015 में जलवायु परिवर्तन के लिए राष्ट्रीय अनुकूलन कोष (ठअऋछ्रउ) का निर्माण इस प्रतिबद्धता का ही उदाहरण है, जिसके द्वारा राज्यों को जलवायु संकट से निपटने से संबंधित संसाधन प्रदान किए जाते हैं। कई राज्य सरकारों ने अपने स्वयं के जलवायु परिवर्तन विभाग स्थापित करके इस कदम का समर्थन किया, जिससे जलवायु कार्रवाई की एक संघीय व्यवस्था तैयार हुई। 2015 में, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, भारत ने वैश्विक जलवायु वार्ता में अग्रणी भूमिका निभाई। प्रधानमंत्री खुद पेरिस गए और पेरिस समझौते को अंतिम रूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे धरती के संरक्षण में भारत की उच्च स्तरीय प्रतिबद्धता स्पष्ट हुई। ऐसे देशों के विपरीत, जो जलवायु प्रतिबद्धताओं को बोझ के रूप में देखते हैं, भारत ने इसी वर्ष पेरिस में आयोजित कॉप-21 में अपने पहले राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) को पूरा करके ठोस कार्रवाई का प्रदर्शन किया। यह देश की घरेलू अनिवार्यताओं और अपनी राष्ट्रीय परिस्थितियों द्वारा निर्देशित वैश्विक समुदाय के प्रति हमारी जिम्मेदारी का प्रकटीकरण था। पेरिस समझौते पर हस्ताक्षर करने के समय यानी 2015 में ही एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) का गठन हुआ, जो लगातार मजबूत होता गया और आज 120 से अधिक देश इसके सदस्य हैं। इस गठबंधन ने सौर ऊर्जा संपन्न देशों के लिए स्वच्छ ऊर्जा समाधानों पर सहयोग करने हेतु एक मंच तैयार किया है। नवीकरणीय ऊर्जा (आरई) को दिए गए प्रोत्साहन से, इसकी स्थापित क्षमता 2014 के मात्र 76 गीगावाट से बढ़कर मार्च 2025 में 220 गीगावाट हो गई है और 2030 तक इसके 500 गीगावाट तक पहुंचने की संभावना है। स्थापित क्षमता के संदर्भ में भारत की बात करने तो हम आरई में चौथे, पवन ऊर्जा में चौथे और सौर ऊर्जा में तीसरे स्थान पर हैं। एक दशक में यह एक उल्लेखनीय उपलब्धि है।

# आपातकाल में कांग्रेस का तानाशाही चेहरा

**उस संविधान में लिखा हुआ था कि हर पांच साल बाद चुनाव करवाने पड़ेंगे। आपात स्थिति में इंदिरा गान्धी ने यह प्रावधान तो कर दिया था कि चुनाव पांच साल के बाद नहीं, बल्कि छह साल बाद करवाए जाएंगे, लेकिन चुनाव करवाए ही नहीं जाएंगे, ऐसा करना तो संभव नहीं था। और छह साल का वक्त समाप्त होने को था। चापलूस गिरोह ने बार-बार गीत गाकर इंदिरा गान्धी को विश्वास दिला दिया था कि देश संजय के कारनामों से भाव विभोर है। इंदिरा गान्धी ने लोकसभा के लिए चुनावों की घोषणा कर दी और सभी विपक्षी दलों ने विलय कर एक नई पार्टी, जनता पार्टी का गठन कर लिया। चुनाव के परिणाम चौंकाने वाले थे। इंदिरा गान्धी और संजय गान्धी दोनों हार गए। पंजाब से लेकर बंगाल तक कांग्रेस एक सीट भी जीत नहीं सकी। उसके बाद की कथा बाद में, लेकिन भारत ने कांग्रेस की तानाशाही को अपना उत्तर दे दिया था।**

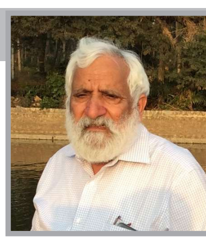

**कुलदीप चंद अग्निहोत्री**

**(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार है)**

पंडित जवाहर लाल नेहरु अंग्रेजों के जाने के बाद देश के पहले प्रधानमंत्री बने थे। यह पद उन्हें बहुत ही समझौतों के बाद मिला था। पहला समझौता तो लार्ड माऊंटबेटन की शर्तों को स्वीकार करना था। लार्ड माऊंटबेटन उन दिनों दिल्ली में ब्रिटेन के प्रतिनिधि थे। उनके एजेंडे में हिंदुस्तान को तोडा था और उसके लिए कांग्रेस को सहमत करना था। नेहरु के नेतृत्व में कांग्रेस ने जून 1947 में पाकिस्तान बनाने की मांग बाकायदा प्रस्ताव पारित करके स्वीकार कर ली। लेकिन उसके बाद भी नेहरु के प्रधानमंत्री बनने का रास्ता साफ नहीं हुआ था। कांग्रेस की विभिन्न प्रदेश समितियों को प्रधानमंत्री का निर्णय करना था। निर्णय गुजरात के सरदार पटेल के पक्ष में चला गया। तब नेहरु ने महात्मा गांधी को अपनी सहायता के लिए मैदान में उतारा। पंडित नेहरु, महात्मा गान्धी की न जाने क्यों कमजोरी बने हुए थे। महात्मा गान्धी ने इसके लिए जयप्रकाश नारायण की सहायता ली। उन्होंने जयप्रकाश नारायण को अपना सन्देशवाहक बना कर सरदार पटेल के पास यह सन्देश देकर भेजा कि वे स्वयं ही प्रधानमंत्री बनने की दौड़ से बाहर हो जाएं। पटेल गान्धी के निष्ठावान शिष्य थे। वे पीछे हटे तो नेहरु प्रधानमंत्री बने। उसके बाद उन्होंने कुछ साल बाद ही अपनी बेटी इन्दिरा गान्धी को ही कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष बना कर सारी सत्ता घर में ही सीमित कर ली। इसने मनोवैज्ञानिक रूप से कांग्रेस के लोगों में नेहरु परिवार के प्रति मानसिक गुलामी का भाव पैदा किया और पार्टी आज तक उसी का शिकार है। यही कारण है कि नेहरु की मौत के बाद (यदि लाल बहादुर शास्त्री के लघु काल को निकाल दिया जाए), उनकी बेटी इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री बन गईं। 1975 तक आते-आते इन्दिरा गान्धी को प्रधानमंत्री बने हुए लगभग दस साल हो गए थे। लेकिन इसी बीच इन्दिरा गान्धी के परिवार में उनके बेटे संजय गान्धी भी भारतीय राजनीति में धूमकेतु की तरह प्रकट होने लगे थे। भ्रष्टाचार को कांग्रेस ने शायद अपने नीति पत्र में दाखिल कर लिया था। देश में एक नई बेचैनी सर्वत्र देखी जा रही थी। लेकिन विश्वसनीय नेतृत्व नहीं मिल रहा था। इसे संयोग ही कहना चाहिए कि नेहरु को प्रधानमंत्री बनाने में मुख्य भूमिका निभाने वाले जय प्रकाश नारायण जीवित थे और पटना में गुमनाम जिंदगी जी रहे थे। इतिहास का एक चक्र पूरा हो गया था। इतिहास के इसी मोड़ पर शायद जय प्रकाश नारायण ने प्रायश्चित करने का निर्णय कर लिया था। नेहरु को प्रधानमंत्री बनाने में अपनी भूमिका का प्रायश्चित करने का निर्णय, सरदार पटेल को प्रधानमंत्री न बनने देने के षड्यन्त्र में अपनी भूमिका का प्रायश्चित करने का निर्णय। वे देश में इंदिरा की ओर से थोपी गई तानाशाही के खिलाफ चल रहे आन्दोलन का नेतृत्व करने के लिए अपने निवास से बाहर निकल आए। तब धर्मवीर भारती ने लिखा था, ह्यएक बूढ़ा सच बोलता हुआ सडकों पर निकल आया है ह्न इस बूढ़े के निकल आने से मानो पूरे देश में एक चिंगारी फैल गई हो। इस बूढ़े के पीछे सारा देश निकल पड़ा। अंग्रेजों के चले जाने के बाद यह तानाशाही के खिलाफ पहली लड़ाई थी। इसकी बहुत जरूरत थी। यदि अभी से तानाशाही की जड़ों को नष्ट नहीं किया जाता तो ये जडें. सहस्राबदियों पुराने भारतीय लोकतन्त्र के रस को सोख सकती थीं। इन्हीं दिनों एक ऐसी घटना हुई जिसने इंदिरा गान्धी को अपने असली रूप में प्रकट होने के लिए विवश कर दिया। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इंदिरा गान्धी की संसद सदस्यता को ही समाप्त कर दिया। कोर्ट का कहना था कि उन्होंने चुनाव जीतने के लिए भ्रष्ट साधनों का सहारा लिया था। अब इंदिरा गान्धी के पास प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने के अतिरिक्त कोई रास्ता नहीं था। लेकिन उसने इस रास्ते पर चलने की बजाय तानाशाही का रास्ता चुना। अब इंदिरा गान्धी और उनका बेटा संजय गान्धी अपने असली रूप में प्रकट हुए। इंदिरा गान्धी ने देश में आपात स्थिति लागू कर दी। संविधान को स्थगित कर दिया। सभी विपक्षी नेताओं को बन्दी बना लिया गया। जय प्रकाश नारायण को तो किसी अज्ञात स्थान पर ले जाया गया। यह भी चर्चा थी कि उन्हें धीमा जहर दिया जा रहा था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को प्रतिबन्धित कर दिया गया। मीडिया के लिए सेन्सरशिप लागू कर दी। अघोषित रूप से संजय गान्धी को ही देश की सत्ता दे दी गई। वे अपनी सनक के हिसाब से मुख्यमंत्रियों को हटाने-बनाने में लगे। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री को अपमानजनक तरीके से हटाया गया। जेलों में किस प्रकार के अत्याचार हुए, यह कहने की जरूरत नहीं है। अलबत्ता उच्चतम न्यायालय ने निर्णय दे ही दिया था कि आपात स्थिति में संविधान में दिया गया राईट टू लाइफ, यानी जिंदा रहने का अधिकार भी स्थगित हो गया है, इसलिए सरकार के आगे जो थोड़ी बहुत रुकावट थी, वह सुप्रीम कोर्ट ने दूर कर दी थी। हरियाणा में बसों में सफर करना संकटमय हो गया था क्योंकि पुलिस कहीं भी बस को रोककर अस्पताल ले जाती थी और सवारियों की जबरदस्ती नसबंदी की जाती थी। उन दिनों मुख्यमंत्री बंसीलाल थे और वे संजय गान्धी के खासमखास लोगों में गिने जाते थे। लेकिन सारे विपक्ष को जेलों में ठूंस दिए जाने और सरकारी आतंक के नग्न प्रदर्शन के बाद भी देश के लोग चुप नहीं बैठे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने आपात स्थिति को हटाने की मांग को लेकर देशव्यापी आन्दोलन छेड़ दिया। स्वयंसेवकों ने सत्याग्रह करते हुए जेलें भर दीं। उनका मनोबल तोडे के लिए बहुत यातनाएं दी गईं। हिमाचल प्रदेश के प्यारे लाल बेरी, चंडीगढ़ के श्रीचन्द गोयल और पंजाब के मित्रसेन को अमानवीय यातनाएं दी गईं। जार्ज फर्नांडीज पर तो बाकायदा लाल किले में मुकद्दमा चलाया गया और उनको पागल करने की हद तक मारा पीटा गया। लेकिन लोगों का मनोबल नहीं टूटा। जैसा कि दुनिया भर के तानाशाहों के साथ होता ही है, इंदिरा गान्धी के इर्द गिर्द भी चापलूस कांग्रेसियों का एक गिरोह बन गया था। वह संजय गान्धी को कन्धों पर बिठा कर दरबार में निरन्तर नृत्य करता रहता था। इंदिरा गान्धी को लगता था कि परिवार की परम्परा के अनुसार संजय को ही आगे भारत का ह्यबादशाहह्न बनना है। इसलिए उसको भारतीय जनमानस में उतार दिया जाए तो अच्छा ही है। सेंसर होने के कारण तानाशाहों का जनमानस से संबंध टूटा रहता है, लेकिन उनको यह संबंध जोडे की जरूरत भी नहीं होती। लेकिन भारत में नेहरु-गान्धी तानाशाही के आगे एक समस्या तो थी ही। वह था डा. भीमराव रामजी अंबेडकर द्वारा बनाया हुआ संविधान।

# कॉलर ट्यून की विदाईः जनता की सुनवाई या थकान की जीत?

**आपकी कॉल को रोक रही है एक सरकारी आवाज। इस ट्यून का प्रभावी होना अब एक तकनीकी अवरोध में बदल चुका था। यह अब न तो शिक्षित कर रही थी, न ही चेतावनी दे रही थी-यह बस एक दैनिक मानसिक अवरोध बन चुकी थी। जनता का गुस्सा और सोशल मीडिया का व्यंग्य किसी नीतिगत गलती की सबसे तीखी प्रतिक्रिया अब सोशल मीडिया देता है। ट्विटर पर ट्रेंड करने लगा। लोगों ने लिखाः मुझे लगता है मेरी शादी से पहले भी अमिताभ जी की अनुमति चाहिए। ओटीपी तो नहीं दिया, पर धैर्य जरूर दे दिया अमिताभ जी ने।**

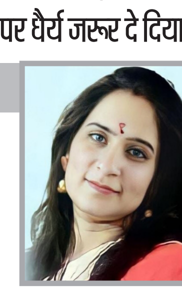

**प्रियंका सौरभ**

**लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार**

नमस्कार, हमारा देश कोविड-19 से लड़ रहा है... इस आवाज को पिछले तीन सालों में 140 करोड़ भारतीयों ने लाखों बार सुना। कॉल लगाओ, तो अमिताभ बच्चन की चेतावनी पहले-बात बाद में। किसी के बीमार होने पर कॉल करो, ओटीपी भूल जाओ तो कॉल करो, एम्बुलेंस बुलानी हो तब भी यही आवाज, यही स्क्रिप्ट, वही धीमा, गंभीर, थोप दिया गया उपदेश। सरकार के इस निर्णय के पीछे मंशा सही रही हो सकती है-लेकिन हर कॉल से पहले वही आवाज सुनने की मजबूरी कब एक ह्यनैतिक संदेशह्न से ह्यमानसिक उत्पीड़नह्न में बदल गई, किसी ने गौर नहीं किया। और शायद किसी ने सोचा भी नहीं कि जनता भी कभी जवाब देगी। लेकिन जनता ने जवाब दिया। और सरकार ने-शायद पहली बार-जनता की थकान, झुंझलाहट और असहमति को सुना। 6 दिन पहले, आखिरकार यह ह्यचेतावनी ट्यूनह्न हटा दी गई। और तब लोगों ने राहत की साँस ली-कुछ ने हँसी में, कुछ ने गुस्से में और कुछ ने व्यंग्य में। प्रारंभिक मंशाः जब कॉलर ट्यून बना था जीवन रक्षक संदेश 2020 की शुरूआत में जब कोरोना का पहला केस भारत में आया, तब सरकार की चिंता वाजिब थी। एक अदृश्य वायरस था, जनता में डर था, जानकारी अधूरी थी और भ्रम फैला हुआ था। ऐसे में अमिताभ बच्चन जैसे विश्वसनीय चेहरे की आवाज को हर मोबाइल यूजर तक पहुँचाने का विचार असरदार लगा। मास्क पहनें, बार-बार हाथ धोएं, भीड़ से बचें, और ओटीपी किसी से साझा न करें-ये सब बातें सही थीं। और जब एक ऐसी आवाज यह कहे जिसे आपने दशकों से परदे पर देखा-सुना हो, तो उसका असर होता है। कॉलर ट्यून एक महामारी काल का डिजिटल नैतिक उपदेश बन गया था। पर एक नैतिक संदेश कब एकतरफा सरकारी अनिवार्यता बन जाए, इसका एहसास न सरकार को हुआ, न उससे जुड़े नीतिनिमार्ताओं को। अवधि का विस्तारः जब चेतावनी बन गई झल्लाहट समय बीता। कोरोना की लहरें कम हुईं, फिर बढ़ीं, फिर वैक्सीनेशन हुआ, फिर धीरे-धीरे जीवन पटरी पर आने लगा। लेकिन कॉलर ट्यून नहीं हटी। हर कॉल पर वही ह्यनमस्कार, हमारा देश...। हर बार वही धीमी आवाज, वही 30 सेकंड की बंदिश। अब कल्पना कीजिए कि आपकी गाड़ी एक्सीडेंट हो गई है और आप एम्बुलेंस को कॉल कर रहे हैं-और वहाँ अमिताभ बच्चन पहले ओटीपी साझा न करने की सलाह दे रहे हैं। या आपके किसी प्रियजन को दिल का दौरा पड़ा है-और आपकी कॉल को रोक रही है एक सरकारी आवाज। इस ट्यून का प्रभावी होना अब एक तकनीकी अवरोध में बदल चुका था। यह अब न तो शिक्षित कर रही थी, न ही चेतावनी दे रही थी-यह बस एक दैनिक मानसिक अवरोध बन चुकी थी। जनता का गुस्सा और सोशल मीडिया का व्यंग्य किसी नीतिगत गलती की सबसे तीखी प्रतिक्रिया अब सोशल मीडिया देता है। ट्विटर पर ट्रेंड करने लगा। लोगों ने लिखाः मुझे लगता है मेरी शादी से पहले भी अमिताभ जी की अनुमति चाहिए। ओटीपी तो नहीं दिया, पर धैर्य जरूर दे दिया अमिताभ जी ने। अब बच्चा पैदा होते ही बोलेगा-नमस्कार, हमारा देश... मीम्स की बाढ़ आ गई। और तब सरकार को पहली बार अहसास हुआ कि यह जनता की नाराजगी की हँसी है, स्वागत नहीं। ट्यून का हटनाः एक नीतिगत सुधार या जनदबाव? 6 दिन पहले जब यह कॉलर ट्यून हटाई गई, तो खबर बन गई। मीडिया ने इसे राहत बताया, कुछ ने इसे देर से लिया गया निर्णय कहा। लेकिन जो बात सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण थी, वह यह कि सरकार ने जनता की बात सुनी। यह आज के समय में दुर्लभ है-खासकर तब, जब जनता की बात कोई चुनाव नहीं, केवल एक झुंझलाहट हो।

यह निर्णय दिखाता है कि नीतियाँ स्थायी नहीं होतीं-वे जनता के अनुभव से आकार लेती हैं। अमिताभ बच्चन की आवाज चाहे कितनी ही विश्वसनीय रही हो, वह जबरन हर कॉल पर न बुलाई जाए-यह समझना ही संवेदनशील प्रशासन का संकेत है। प्रश्न जो शेष हैंः क्या सरकार को इतना हस्तक्षेप करना चाहिए? यह कॉलर ट्यून विवाद केवल एक आवाज हटाने का मामला नहीं है-यह एक बड़ा सवाल खड़ा करता हैः क्या सरकार के पास यह अधिकार है कि वह हर नागरिक की निजी कॉल के बीच में अपनी बात कहे? क्या तकनीकी माध्यमों से ऐसी अनिवार्य घोषणाएँ निजता का उल्लंघन नहीं हैं? और सबसे बड़ा सवालः जब लोग थक जाएं, तब भी क्या नीति तब तक जारी रहे जब तक वह ऊपर से हटाई न जाए? जन-नीति बनाम जन-संवेदना इस पूरे प्रकरण में एक सबक है-सरकार चाहे तो कितनी भी प्रभावशाली योजना लागू करे, लेकिन हर योजना का जीवनकाल होता है। जनसंवेदना, तकनीकी बदलाव और जमीनी अनुभव-इन सबको समय रहते समझना ही असल शासन है। ओटीपी साझा न करने की बात अब जनता जान चुकी है। मास्क पहनना अब एक स्वचालित आदत बन चुकी है। पर यह भी याद रखना होगा कि अधिकार और जानकारी के बीच संतुलन जरूरी है। कलेजे पर हथौड़ा क्यों लगा यह ट्यून? क्योंकि यह हर बार अनचाहे हस्तक्षेप की तरह सामने आई। क्योंकि यह हर बार उस व्यक्ति की प्राथमिकता को नजरअंदाज करती रही जो कॉल करने जा रहा था। क्योंकि यह ट्यून अब सूचना नहीं, एक चेतावनी की जबरदस्ती बन गई थी। अमिताभ बच्चन जैसे कलाकार को भी शायद नहीं पता कि उनकी आवाज अब लोगों के लिए उपदेश नहीं बल्कि अवरोध बन चुकी थी। जब किसी आवाज से सम्मान से ज्यादा असहायता जुड़ जाए-तो समय आ जाता है उसे विश्राम देने का। टेक्नोलॉजी का उपयोग करें, दुरुपयोग नहीं कॉलर ट्यून हटाना केवल एक तकनीकी निर्णय नहीं था। यह एक संकेत है-कि जनता की आवाज सुनी गई। यह याद दिलाता है कि सरकार को सूचना देना है, आदेश नहीं थोपना है। जनता केवल वोट नहीं देती, वह अनुभव भी करती है। और जब अनुभव चुभने लगें, तब कलम, कैम्पेन और व्यंग्य आवाज बन जाते हैं।

# हिन्दी का किसी क्षेत्रीय भाषा से कोई संघर्ष नहीं है....

सुनील कुमार महला

भारत विश्व का एक ऐसा देश है, जहां भाषाओं की विविधता पाई जाती है। यहां अलग-अलग समूहों द्वारा अनेक भाषाएं बोली,पढ़ी,लिखी व समझी जाती हैं, लेकिन भारत के संविधान में हिंदी को भारत की राजभाषा (यानी कि आफिशियल लैंग्वेज) का दर्जा प्राप्त है। गौरतलब है कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 343 (1) के अनुसार, देवनागरी लिपि में लिखी गई हिंदी को संघ की आधिकारिक भाषा का दर्जा प्राप्त है। यह(हिंदी)भारत की मातृभाषा भी है तो भारत की प्रथम राजभाषा भी। गौरतलब है कि भारत की द्वितीय राजभाषा अंग्रेजी है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि वर्ष 2011 की भाषायी जनगणना के अनुसारः भारत में 121 मातृभाषाएँ हैं। एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार 55% आबादी हिंदी को या तो मातृभाषा के रूप में या अपनी दूसरी भाषा के रूप में जानती है तथा आज दुनिया में लगभग 60-65 करोड़ लोग हिंदी बोलते हैं, जिससे यह विश्व में तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा बन चुकी है। सच तो यह है कि अंग्रेजी और मंदारिन(मंडारिन) चीनी के बाद हिंदी का स्थान प्रमुख है। हिंदी न केवल भारत में, बल्कि आज विश्व के कई अन्य देशों जैसे कि नेपाल, मॉरिशस, फिजी, सूरीनाम, गुयाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, और पाकिस्तान में भी बोली, पढ़ी, लिखी और समझी जाती है और विश्व के बहुत से देशों ने आज हिंदी के महत्व,इसकी वैज्ञानिकता,इसकी दमदार शब्दावली को सहज ही स्वीकार किया है। आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 1971 से वर्ष 2011 के बीच हिंदी बोलने वालों की संख्या 2.6 गुना बढ़कर 20.2 करोड़ से 52.8 करोड़ हो गई। वर्ष 2011 के बाद से अब तक इस संख्या में बहुत अधिक इजाफा हुआ है और यह हम सभी को गौरवान्वित महसूस कराता है। कहना गलत नहीं होगा कि आज हिंदी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना प्रभाव छोड़ रही है और निरंतर आगे बढ़ रही है। हाल ही में यानी कि 26 जून 2025 को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में हमारे देश के केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने केंद्र सरकार के राजभाषा विभाग की स्वर्ण जयंती समारोह में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने यह बात कही कि ह्यहिंदी किसी भी भारतीय भाषा की विरोधी नहीं है, बल्कि सभी भारतीय भाषाओं की मित्र है। बहरहाल, कहना चाहूंगा कि आज हमारे देश में भाषा को लेकर तरह-तरह की राजनीति की जाती है, इसे कदापि ठीक व जायज नहीं ठहराया जा सकता है। इससे बड़ी विडंबना की व दुःखद बात भला और क्या हो सकती है कि आज भाषाओं को लेकर कहीं भी कोई न कोई जुबानी जंग छिड़ जाती है। हमें यह कदापि नहीं भूलना चाहिए कि लोगों को आपस में जोड़ने का एक महत्वपूर्ण माध्यम भाषा को ही माना जाता है और हिंदी हमारे देश की वह भाषा है, जो सदियों सदियों से हमारे देश भारत को एकता व अखंडता के सूत्र में पिरोए हुए हैं। कहना गलत नहीं होगा कि हिंदी किसी भी भाषा की विरोधी कतई नहीं है। हिंदी वह भाषा है, जिसमें हमारे देश की सनातन संस्कृति की झलक मिलती है, तथा यह हमारे सामाजिक ताने-बाने को मजबूत व सुदृढ़ रखे हुए है, स्वतंत्रता के पूर्व से लेकर, हमारे देश की स्वतंत्रता प्राप्ति और इसके बाद भी निरंतर अब तक हिंदी अपनी संस्कृतनिष्ठता,व्यवस्थितता और अपने लचीलेपन से इसका प्रयोग ज्ञान-विज्ञान से लेकर साहित्य, और संचार के विभिन्न माध्यमों में लगातार बढ़ता ही चला जा रहा है, जो हमें गौरवान्वित करती है। हमें अपनी मां बोली हिंदी पर या यूं कहें कि अपनी मातृभाषा पर गर्व करना चाहिए। हम अंग्रेजी का विरोध नहीं करें, क्यों कि कोई भी भाषा कभी भी अच्छी बुरी नहीं हो सकती है। सभी भाषाओं का अपना-अपना महत्व है। इसलिए हमें यह चाहिए कि हम सभी भाषाओं या ज्यादा से ज्यादा भाषाओं को सीखने का प्रयास करें, यह हमारे ज्ञान में बढ़ोत्तरी करेगा वहीं व्यवहार में भी ये भाषाएं हमारे कहीं न कहीं अवश्य काम में आयेंगी, लेकिन हमें यह चाहिए कि भारत के निवासी होते हुए हम सबसे ज्यादा तवज्जो अपनी मातृभाषा हिंदी को दें। अपनी मातृभाषा को छोड़कर,उसे तिलांजलि देकर, दूसरी भाषाओं को अपनाकर, या उन्हें सीखकर हम कभी भी आगे नहीं बढ़ सकते, क्यों कि जो बात हम अपनी मातृभाषा में सहजता और सरलता से कह सकते हैं, अभिव्यक्ति दे सकते हैं,वह शायद विश्व की किसी अन्य भाषा में नहीं। हिंदी भाषा भारत की विविध संस्कृतियों को एकजुट करने और सामाजिक एकीकरण की भावना पैदा करने में एक सेतु का काम करती है। महात्मा गांधी जी ने राष्ट्रभाषा के बारे में यह बात कही है कि ह्यराष्ट्रभाषा के बिना राष्ट्र गूंगा है।ह्न हिंदी हमारे देश और भाषा की प्रभावशाली विरासत है।आर्यों की सबसे प्राचीन भाषा हिन्दी ही है और इसमें तद्भव शब्द सभी भाषाओं से अधिक है। आज भाषा के नाम पर राजनीति होती है, यह बहुत ही गलत है। जापानियों ने जिस ढंग से विदेशी भाषाएँ सीखकर अपनी मातृभाषा को उन्नति के शिखर पर पहुँचाया है उसी प्रकार हमें भी मातृभाषा (हिंदी) का भक्त होना चाहिए।

# सिताबदियारा से प्रभुनाथ नगर पंचायत मुख्य सड़क का होगा निर्माण

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। सिताबदियारा से प्रभुनाथ नगर पंचायत मुख्य सड़क का निर्माण जल्दी ही होने वाला है। उक्त बाते छपरा के भाजपा विधायक डॉ सी एन गुप्ता ने. कही ज्ञात हो कि उक्त सड़क काफी जर्जर और जलजमाव से जूझ रहा है उसके निर्माण के लिए सूबे के पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन से मिलकर छपरा विधायक डॉ सी एन गुप्ता ने समस्या को साझा किया। .मंत्री नितिन नवीन ने उक्त सड़क की गंभीरता को देखते हुए आगामी एक माह के अंदर ठीक करने का आश्वासन दिया है. इस दौरान छपरा विधायक डॉ सी एन गुप्ता ने कहा कि कई ऐसी प्रमुख सड़क है जिसका निर्माण कई विभाग में लंबित है उसकी पथ निर्माण विभाग से स्वीकृति पर भी चर्चा हुई,उम्मीद है बहुत जल्दी ही उन सड़कों का नाम आपके सामने आएगा जो शहरवासियों के लिए एक अमूल्य उपहार होगा.मेरा प्रयास शहर की उन्नति के लिए हमेसा रहता है जो ग्राउंड लेवल में पूर्ण होता है.

## अमनौर में चोरों का आतंक जारी: 40 दिनों में 15 वारदातें

अमनौर। अमनौर थाना क्षेत्र में चोरों का उत्पात थमने का नाम नहीं ले रहा है, जिससे स्थानीय निवासियों में भय और आक्रोश बढ़ता जा रहा है। 21 मई से शुरू हुआ चोरी का यह सिलसिला बीते 38 से 40 दिनों में अब तक 15 घरों तक पहुँच गया है, जो अमनौर पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। हैरानी की बात यह है कि अमनौर पुलिस ने दो दिन पहले ही दो चोरों को पकड़ने का दावा किया था, लेकिन इसके बावजूद चोरी की घटनाएँ रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। विगत रात्रि एक बार फिर अज्ञात चोरों ने अमनौर हरनारायण पंचायत के अमनौर अगुआन गाँव में एक बंद घर को निशाना बनाया। यह वारदात लालदेव मिश्रा के घर में हुई। चोरों ने उनके घर से 22 ग्राम आभूषण चुरा लिए। बताया जा रहा है कि चोर घर के पीछे के दरवाजे का ताला काटकर अंदर घुसे थे। पेटी अलमीरा अटैची बक्सा का ताला तोड़कर आराम एक एक कीमती सामान गहना लेकर फरार हो गए हैं। चोरी को अंजाम देने के बाद, चोर छत की सीढ़ी पर बने करकट को हटाकर भाग निकले। घटना की सूचना मिलते ही अमनौर थाना प्रभारी कुंदन कुमार मौके पर पहुँचे और घटनास्थल का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि मामले की जाँच की जा रही है और चोरों को बहुत जल्द पकड़ लिया जाएगा। हालांकि, लगातार हो रही ये चोरियाँ और पुलिस द्वारा कथित तौर पर चोरों को पकड़े जाने के बाद भी वारदात का न रुकना, अमनौर पुलिस की निष्क्रियता और अपराधियों पर लगाम लगाने में उसकी विफलता को साफ दिखाता है। स्थानीय निवासियों में इस बात को लेकर भारी निराशा है कि पुलिस प्रशासन चोरी की बढ़ती घटनाओं पर अंकुश लगाने में नाकाम साबित हो रहा है।

# विश्व के अंदर टॉप टेन अत्यधिक जहरीले सात फिट लंबे बैंडेड करैत दिखा वीटीआर में

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। वाल्मीकि टाइगर रिजर्व जंगल अद्भुत व विष्मयकारी जीवों से भरा पड़ा है खासकर जंगली सांपों की अनगिनत प्रजातियों को देख कभी कभी एक्सपर्ट भी हैरान हो जाते हैं। विश्व की 10 अत्यधिक जहरीले सांपों में एक बैंडेड करैत सांप को बगहा वाल्मीकिनगर मुख्य सड़क मार्ग स्थित कोतराहा मोड़ पर पर्यटक को रात के करीब 8 बजे लौटते वक्त दिखा न्यूज संस्था के प्रोजेक्ट मैनेजर अभिषेक ने जानकारी देते हुए बताया कि यह भारत के पहाड़ी क्षेत्रों में पाए जाने वाले अत्यधिक जहरीली सांपों में से एक है जो करीब सात फिट लम्बा और नेरोटॉक्सिन वेनम जहर से लबरेज जिसके काटने से इंसान पानी तक नहीं मांगता है। यह दूसरे छोटे छोटे सांपों को निगलकर पेट भरता है। हालांकि यह जल्दी किसी को नहीं काटता है। यह पहाड़ी क्षेत्रों में पाया जाता है। श्री अभिषेक ने यह भी बताया कि यह शहरी क्षेत्रों में बहुत कम नहीं के बराबर पाया जाता है और इसके काटने से अभी तक भारत मे एक भी मौत किसी की नहीं हुई है।

## संक्षिप्त खबरें

### सारण में किलकारी और मोबाइल एकेडमी से होगी माँ और शिशु की बेहतर देखभाल

छपरा। डिजिटल इंडिया अभियान के तहत मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा शुरू की गई दो विशेष मोबाइल सेवाएं झ किलकारी और मोबाइल एकेडमी झ अब सारण जिले में भी असर दिखा रही हैं। जिले के 9 प्रखंडों की आशा कार्यकर्ताओं ने 100% मोबाइल एकेडमी कोर्स पूरा कर एक मिसाल कायम की है। इस उपलब्धि को लेकर सदर अस्पताल सभागार में एक भव्य कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें जिले के सभी प्रखंड सामुदायिक उत्प्रेरक एवं मूल्यांकन एवं अनुश्रवण सहायक शामिल हुए। कार्यशाला का उद्घाटन सिविल सर्जन डॉ. सागर दुलाल सिन्हा ने पारंपरिक रूप से दीप प्रज्वलन के साथ किया। सिविल सर्जन डॉ. सिन्हा ने मोबाइल एकेडमी कोर्स पूर्ण करने और फ्छ्ल पोर्टल पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मियों को मोमेंटो और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस मौके पर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी अरविंद कुमार, क्षेत्रीय आशा समन्वयक संतोष कुमार, क्षेत्रीय मूल्यांकन पदाधिकारी शादान रहमान, जिला सामुदायिक उत्प्रेरक ब्रजेन्द्र कुमार, जिला अनुश्रवण पदाधिकारी ब्रजेश कुमार एवं अरमान संस्थान के क्षेत्रीय कार्यक्रम पदाधिकारी सुमित पाण्डेय विशेष रूप से मौजूद रहे। क्या है किलकारी और मोबाइल एकेडमी? किलकारी सेवा के अंतर्गत फ्छ्ल पोर्टल पर पंजीकृत गर्भवती महिलाओं और एक वर्ष तक के बच्चों की माताओं को गर्भावस्था और शिशु देखभाल से संबंधित जरूरी जानकारियां मोबाइल कॉल के माध्यम से दी जाती हैं। वहीं, मोबाइल एकेडमी एक ऑडियो-आधारित प्रशिक्षण कोर्स है, जो आशा कार्यकताओं को गर्भधारण से लेकर शिशु के दो साल तक की देखभाल से जुड़ी संपूर्ण जानकारी देता है। यह कोर्स आशाओं को उनके कार्य में अधिक दक्ष और प्रभावी बनाता है।

### डॉ. हरेंद्र सिंह को मिलेगा इंटरनेशनल एजुकेशन एक्सीलेंस अवॉर्ड

छपरा कार्यालय। जिले के शैक्षणिक जगत के लिए यह गर्व का विषय है कि सीपीएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, छपरा के चेयरमैन डॉ. हरेंद्र सिंह को शिक्षा के क्षेत्र में उनके अतुलनीय योगदान के लिए इंटरनेशनल एजुकेशन एक्सीलेंस अवॉर्ड विथ गोल्ड मेडलह्व से सम्मानित किया जाएगा। यह प्रतिष्ठित सम्मान एसोसिएशन फॉर इकनॉमिक ग्रोथ द्वारा आयोजित इंडो-बाली लीडर्स समिट एंड अवॉर्ड्स 2025 के अवसर पर प्रदान किया जाएगा, जो कि 29 जून 2025 को इंडोनेशिया के बाली शहर स्थित क्रॉस वाइब पाशा अटेलियर, कूटा में आयोजित होने जा रहा है। इस अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मेलन का उद्देश्य शिक्षा, सामाजिक उत्तरदायित्व, शैक्षणिक नवाचार और सतत विकास जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्तित्वों को वैश्विक मंच पर सम्मानित करना है। डॉ. हरेंद्र सिंह की शिक्षा, नेतृत्व और ग्रामीण क्षेत्रों में नवाचारों को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह मान्यता मिलना बिहार राज्य के लिए एक गौरवपूर्ण उपलब्धि है। इस चयन की घोषणा राष्ट्रीय प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के सिलीगुड़ी में आयोजित सेमिनार के दौरान की गई, जहाँ राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. समायल अहमद, आईपीएस विकास वैभव, एवं फ्रांस की फ्रांसिस्को टीम की उपस्थिति में डॉ. सिंह को ग्लोबल लीडर के रूप में नामित किया गया। इस अवसर पर डॉ. सिंह ने इस प्रतिष्ठित अनुशंसा के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. समायल अहमद एवं समस्त चयन समिति के प्रति आभार प्रकट किया। इस सम्मान से प्रेरित होकर न केवल स्थानीय स्तर पर, बल्कि पूरे भारतवर्ष में शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत अन्य शिक्षाविदों को भी एक नई दिशा, ऊर्जा और प्रेरणा प्राप्त होगी। सीपीएस परिवार, छपरा एवं सारण वासियों ने डॉ. हरेंद्र सिंह को इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर हार्दिक शुभकामनाएँ दी हैं और इसे छपरा की अंतरराष्ट्रीय पहचान के रूप में देखा है। विद्यालय के प्राचार्य श्री मुरारी सिंह, प्रबंधक डॉ. विकाश कुमार सिंह, सारण जिला विधिक प्राधिकरण के श्री पुर्णेदु रंजन, शिक्षकगण एवं अन्य कर्मियों ने डॉ. सिंह को इस उपलब्धि के लिए सहर्ष शुभकामनाएँ देते हुए भावभीनी विदाई दी।

# जंगली सुअर घुसा रिहायशी इलाके में, सहमे लोग

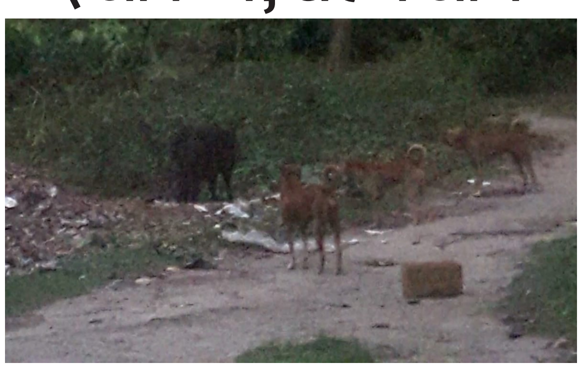

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। वीटीआर जंगल के बीचों बीच बसे जलसंसाधन विभाग के ई टाइप कॉलोनी निवासी इनदिनों जंगली सुअर के डर से सहमे हुए है।दरअसल ई टाइप कॉलोनी से शॉर्टकट जटाशंकर चेकनाका तक पहुंचने वाले मार्ग किनारे कॉलोनी के फेके गए कचरे में भोजन की तलाश में शाम के पहर जंगली विशालकाय जंगली सुअर आ धमकता है जिसे कॉलोनी के स्ट्रीट डॉग ने घेरकर जंगल मे खदेड़ दिया।बतादें की जंगली सुअर को देख कॉलोनी के लोग सहम से गए,लेकिन स्ट्रीट डॉग की टीम में सूअर को घेरे में ले खदेड़ते हुए जंगल मे पहुंचा दिया। रेंजर श्रीनिवासन नवीन ने बताया कि जंगली जानवर यदाकदा रिहायशी इलाके में चले आते है। इन्हें बिना छेड़छाड़ किए वन विभाग को सूचित करें।

# विशेष अदालत द्वारा सुनाया गया बड़ा फैसला शराब तस्कर और कुरियर को पांच वर्ष का सश्रम कारावास

**एक सप्ताह के अंदर दो बड़े अदालती फैसले से शराब कारोबारियों में मचा हड़कंप**

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। बिहार में वर्ष 2016 में लागू शराबबंदी कानून को लेकर बगहा की विशेष अदालत ने शुक्रवार को एक बड़ा फैसला सुनाया है। शराब तस्कर और कुरियर को 5-5 साल सश्रम कारावास और 1-1लाख जुमार्ना के सजा का ऐलान विशेष न्यायाधीश राजीव कुमार द्विवेदी की अदालत नें किया है,जिसके बाद स्पेशल पीपी अनवर हुसैन अंसारी और एसपी सुशांत कुमार सरोज नें शराब तस्करी और कारोबार पर रोक लगने की उम्मीद जताई है क्योंकि 2022 में स्थापित एक्साइस कोर्ट का यह दूसरा बड़ा फैसला है। इसके पूर्व शनिवार को कोर्ट नें पहला फैसला सुनाया था लिहाजा महज एक सप्ताह के भीतर दो अलग अलग मामलों में दोषी तीन शराब तस्करों को सजा सुनाये जाने के बाद हड़कंप मचा है। दरअसल सीमावर्ती उत्तर प्रदेश सीमा पर स्थित धनहा थाना कांड संख्या 72/24 में शराब तस्कर राजकेश्वर कुमार और भीम कुमार को वाहन पर लदे 3525 लीटर शराब के साथ रंगे हाथ पकड़ा गया था। इस मामले में बगहा एसपी सुशांत कुमार सरोज नें पहल कर समय से न्यायालय में चार्जशिट समर्पित कर ग्वाहों को पहुंचाया लिहाजा आज दोषी करार दिये जाने के बाद यह बड़ा फैसला आया है जब दोनों को 5-5 साल कारावास समेत 1-1 लाख जुमार्ना भरने का आदेश पारित किया गया है। इस संबंध में एसपीपी अनवर हुसैन अंसारी नें बताया है की जुमार्ना नहीं भरनें की स्थिति में दोनों सजायाफ्ता 6-6 महीने अतिरिक्त सजा भुगतेंगें।बताया जा रहा है की बिहार में 2016 से लागू पूर्ण शराबबंदी कानून के तहत यह एक गंभीर अपराध माना गया है। यहीं वजह है न्यायालय में सुनवाई पूरी होनें पर मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम की धारा 30(ए) के तहत दर्ज मामले में दो लोगों को बड़ी सजा का ऐलान किया गया है।

# भूमि सर्वे के दौरान मिले 1910 ईसवी में निर्मित वाल्मीकिनगर पंचायत में चार कुएं

**वन विभाग और जलसंसाधन विभाग का जॉइंट भूमि सर्वे किया जा रहा है**

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। इंडो नेपाल सीमा पर स्थित वाल्मीकिनगर पंचायत में वन विभाग और जलसंसाधन विभाग द्वारा जॉइंट भूमि सर्वे कराया जा रहा है। वन संरक्षक सह निदेशक नेशामनी के ने बताया कि वन भूमि को पुराने नक्शे की सहायता से लोकेट किया जा रहा है ताकि वन भूमि को चिन्हित किया जा सके। बतादें की जॉइंट सर्वे के दौरान सर्वे टीम ने वाल्मीकिनगर पंचायत अंतर्गत चार कुएं को ढूंढ निकाला है।सर्वे अमीन ने बताया कि एक कुआं विजयपुर स्थित जमा मस्जिद के सामने,दूसरा तीन आरडी के निवासी सुमन टेंट हाउस निवास के आसपास तीसरा टंकी बाजार स्थित दुर्गा मंदिर के समीप और चौथा 1910 ईसवी चौक स्थित पुरानी नहर के किनारे। जानकार बतातें हैं कि पुराने जमाने मे कुएं को सेंटर मानकर जमीनों के पैमाइश कर नम्बरिंग की जाती थी।इस सर्वे से पता चल जाएगा कि कौन सी जमीन का नम्बर क्या है और कौन इसके स्वामी थे। जलसंसाधन विभाग गंडक बराज डैम निर्माण के समय 1960 में लीज पर वन विभाग से लगभग 6 सौ एकड़ भूमि अपने कलकारखाने,आवासीय और फारेस्ट के लिए लिया था,लेकिन आज आवासीय और कलकारखाने को छोड़ इनकी प्रासंगिता खत्म हो चली है इसलिए जलसंसाधन विभाग सरप्लस जमीन लगभग 300 एकड़ फारेस्ट लैंड वन विभाग को लौटाने की प्रक्रिया कर रही है।जिसके तहत वन विभाग और जलसंसाधन विभाग का जॉइंट सर्वे किया जा रहा है ताकि जलसंसाधन विभाग और वन विभाग के जमीन लौकेट किए जा सके।

# गर्भावस्था में भी हो सकता है टीबी का संक्रमण, बचाव के लिए समय पर जाँच व ईलाज जरूरी

**संतुलित आहार का सेवन, स्वच्छता व नियमित टीकाकरण है जरूरी**

● टीबी संक्रमित लोगों के संपर्क में आने से बचें गर्भवती महिलाएं

प्रात: किरण संवाददाता

बेतिया। टीबी एक घातक बीमारी है जो एक संक्रमित व्यक्ति से दूसरे स्वस्थ्य व्यक्ति तक फैलता है। इसका सही समय पर पहचान व ईलाज होना बेहद आवश्यक है। मुख्य तौर पर फेफड़ों में टीबी का संक्रमण ज्यादा देखा जाता है। महिलाओं में भी टीबी संक्रमण के मामले मिलते हैं लेकिन गर्भावस्था में टीबी का होना बेहद खतरनाक है क्योंकि इससे प्रेगनेंसी पर खतरा होता है। इस सम्बन्ध में जिले के संचारी रोग पदाधिकारी डॉ रमेश चंद्र बताते है की टीबी माइकोबैक्ट्रीयम टयूबरक्लोसिस नामक एक जीवाणु के कारण होता है, जिसको क्षय रोग भी कहा जाता है। इसके होने से संक्रमित व्यक्ति के शरीर का धीरे धीरे क्षय (नुकसान) होने लगता है। व्यक्ति काफी कमजोर होने लगता है। टीबी का बिगड़ा हुआ रूप जानलेवा बीमारियों में से एक होता है। इसलिए अगर किसी गर्भवती महिला को टीबी है तो उसका सही समय पर निदान आवश्यक है। सही इलाज से गर्भवती महिला व शिशु को सुरक्षित रखने में मदद मिलती है। इलाजरत होने पर दवा को बीच में नहीं छोड़ा जाना चाहिए अन्यथा यह गंभीर हो जाता है। टीबी संक्रमित के संपर्क में आने से बचें गर्भवती महिलाएं: चिकित्सा पदाधिकारी डॉ चेतन जायसवाल ने बताया गर्भवती महिलाओं के टीबी संक्रमित होने के कई कारण हो सकते हैं। इनमें घर में टीबी के किसी अन्य व्यक्ति के लगातार संपर्क में आने, टीबी संक्रमित क्षेत्र में रहने, एचआईवी होने, कुपोषित तथा बहुत अधिक वजन कम होने, शराब व मादक पदार्थ जैसे सिगरेट, गुटखा सेवन शामिल हैं। टीबी के कुछ ऐसे लक्षण आमतौर पर जाहिर होते जिसके दिखने पर टीबी जांच आवश्यक है। इनमें एक सप्ताह से अधिक समय तक खांसी रहना, तेज बुखार रहना, भूख की कमी, बहुत अधिक थकान तथा लंबे समय तक अस्वस्थ रहना, बलगम में खून आना, वजन गिरना हो सकता है। बलगम की जांच, फेफड़ों का एक्सरे जरूरी: गर्भावस्था में टीबी का इलाज जटिल होता है, गर्भावस्था में स्किन टेस्ट तथा टीबी ब्लड टेस्ट दोनों सुरक्षित हैं। इसके अलावा बलगम की जांच और फेफड़ों का एक्सरे किया जाता है। गर्भवती महिलाओं में टीबी का सही समय पर पता चल जाने से इलाज संभव है। गर्भवती के टीबी का इलाज नहीं होने से शिशु को भी टीबी की संभावना रहती है।सभी पीएचसी पर टीबी की जाँच उपलब्ध है, वहीं गंभीर अवस्था में जीएमसीएच में जाँच व ईलाज के साथ निःशुल्क दवाए भी उपलब्ध कराई जाती है। सुर्य नारायण साह ने बताया कि निक्षय पोषण योजनाह्व के तहत टीबी मरीजों को 1000 रुपए प्रतिमाह आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है। घर से बाहर मास्क का करें इस्तेमालः गर्भवती महिलाएं सफाई का विशेष ध्यान रखें। टीबी संक्रमित लोगों के संपर्क में आने से बचें। घर से बाहर निकलने पर मास्क का जरूर इस्तेमाल करें। घर में किसी को बहुत अधिक दिनों से खांसी है तो उसकी बलगम जांच करवाएं। गर्भवती महिलाएं प्रोटीन तथा विटामिन से भरपूर भोज्य पदार्थ जैसे रोटी, पनीर, दही, दूध, फल, हरी सब्जी, दाल, अंडा, मछली का सेवन करें। टीबी संक्रमित गर्भवती महिलाओं को अपने खानपान का विशेष ध्यान रखने की जरूरत होती है।

# नगर निगम क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण साफ सफाई व्यवस्था के लिए दो करोड़ के संसाधनों की होगी खरीद:गरिमा

**नगर निगम बोर्ड द्वारा पारित प्रस्ताव पर नगर प्रशासन करेगा दर्जन भर उपकरणों की खरीद**

● गवर्मेंट ई मार्केटिंग (जेम) पोर्टल पर अपलोड निविदा के विरुद्ध 30 जून तक दावेदारी पेश करने की तिथि निर्धारित

● दो बड़े बैक हो लोडर (जेसीबी), एक एक्सकैवेटर मीडियम, एक एक्सकैवेटर छोटा (पोकलेन) एवं दो स्किड स्टीर लोडर (बॉबकैट) की निविदा अपलोड

प्रात: किरण संवाददाता

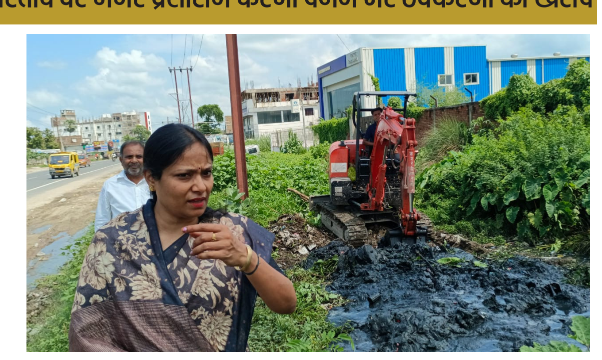

बेतिया। महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण साफ सफाई व्यवस्था को और अधिक बेहतर और गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए कुल दो करोड़ से भी अधिक के उपयोगी संसाधनों की खरीदारी की जाएगी। नगर निगम बोर्ड द्वारा पारित संबंधित प्रस्ताव के आलोक में नगर निगम प्रशासन द्वारा ऐसे दर्जन भर उपकरणों की खरीद की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया ऐसी खरीद के लिए सरकार और नगर विकास एवम आवास विभाग के निर्देश के अनुसार ह्लजेमह्व अर्थात गवर्मेंट ई मार्केटिंग पोर्टल पर इसकी विधिवत निविदा अपलोड करते हुए उसका विवरण इच्छुक और निबंधित संवेदकों से दावेदारी पेश करने की अपील की गई है। महापौर श्रीमती सिकारिया ने यह भी बताया कि दो बड़े बैक हो लोडर (जेसीबी), एक एक्सकैवेटर मीडियम, एक एक्सकैवेटर छोटा (पोकलेन) और दो स्किड स्टीर लोडर (बॉबकैट) की निविदा के विरुद्ध विधिवत दावेदारी पेश करने अंतिम तिथि 30 जून 2025 तक निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि दावेदारों के आवेदन पर नियमानुसार विचार करते हुए खरीदारी का निर्णय लिया जाएगा।

# जेपीयू प्रक्षेत्रीय इकाई के पदाधिकारी हुए सर्वसम्मति से मनोनीत

**हरिहर मोहन अध्यक्ष बने,अभिषेक की मिली सचिव पद की जिम्मेवारी**

छपरा सदर। बिहार राज्य विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षकेत्तर कर्मचारी महासंघ के महाधिवेशन पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के अरविंद महिला महाविद्यालय , पटना में संपन्न हुआ । इस महाधिवेशन में जय प्रकाश विश्वविद्यालय प्रक्षेत्र के पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों का सर्वसम्मति से मनोनीत किया गया। सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित करते हुए निर्णय लिया गया कि जेपी विश्वविद्यालय प्रक्षेत्र के संरक्षक डॉ महाचंद प्रसाद सिंह,राजेंद्र कॉलेज छपरा के हरिहर मोहन को अध्यक्ष मनोनीत किया गया। वही उपाध्यक्ष कमला राय कॉलेज ,गोपालगंज के अविनाश कुमार सिंह को बनाया गया। सचिव के पद पर विद्या भवन महिला कॉलेज, सिवान के अभिषेक कुमार को जिम्मेवारी दी गई दो संयुक्त सचिव के पद का कार्यभार राजेंद्र कॉलेज के आजाद भगत सिंह और नारायण कॉलेज ,गोरेयाकोठी ,सिवान के रवि कांत संभालेंगे। वही कोषाध्यक्ष पद जगदम कॉलेज छपरा के अनुप कुमार को दिया गया। जबकि कार्यकारिणी सदस्य में राजेंद्र कॉलेज के डॉ अरुण कुमार सिंह, भोला सिंह महाविद्यालय भोरे के अमित कुमार, जयप्रकाश महिला कॉलेज छपरा की डॉ मनीषा,राजेंद्र महाविद्यालय के अशोक कुमार सिंह, जे पी विश्वविद्यालय छपरा के सेवानिवृत कर्मी त्रिलोकी नाथ सिंह, विद्या भवन महिला महाविद्यालय सिवान के अशोक कुमार आदि को शामिल किया गया है।उक्त बातो की जानकारी प्रक्षेत्रीय अध्यक्ष हरिहर मोहन एवं सचिव अभिषेक कुमार ने दी।

# डॉ. हरेंद्र सिंह को मिलेगा इंटरनेशनल एजुकेशन एक्सीलेंस अवॉर्ड

● इंडोनेशिया के बाली में 29 जून को होगा सम्मान समारोह

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। जिले के शैक्षणिक जगत के लिए यह गर्व का विषय है कि सीपीएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, छपरा के चेयरमैन डॉ. हरेंद्र सिंह को शिक्षा के क्षेत्र में उनके अतुलनीय योगदान के लिए इंटरनेशनल एजुकेशन एक्सीलेंस अवॉर्ड विथ गोल्ड मेडलह्व से सम्मानित किया जाएगा। यह प्रतिष्ठित सम्मान एसोसिएशन फॉर इकनॉमिक ग्रोथ द्वारा आयोजित ह्लइंडो-बाली लीडर्स समिट एंड अवॉर्ड्स 2025 के अवसर पर प्रदान किया जाएगा, जो कि 29 जून 2025 को इंडोनेशिया के बाली शहर स्थित क्रॉस वाइब पाशा अटेलियर, कूटा में आयोजित होने जा रहा है। इस अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मेलन का उद्देश्य शिक्षा, सामाजिक उत्तरदायित्व, शैक्षणिक नवाचार और सतत विकास जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्तित्वों को वैश्विक मंच पर सम्मानित करना है। डॉ. हरेंद्र सिंह की शिक्षा, नेतृत्व और ग्रामीण क्षेत्रों में नवाचारों को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह मान्यता मिलना बिहार राज्य के लिए एक गौरवपूर्ण उपलब्धि है। इस चयन की घोषणा राष्ट्रीय प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के सिलीगुड़ी में आयोजित सेमिनार के दौरान की गई, जहाँ राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. समायल अहमद, आईपीएस विकास वैभव, एवं फ्रांस की फ्रांसिस्को टीम की उपस्थिति में डॉ. सिंह को ग्लोबल लीडर के रूप में नामित किया गया। इस अवसर पर डॉ. सिंह ने इस प्रतिष्ठित अनुशंसा के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. समायल अहमद एवं समस्त चयन समिति के प्रति आभार प्रकट किया। इस सम्मान से प्रेरित होकर न केवल स्थानीय स्तर पर, बल्कि पूरे भारतवर्ष में शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत अन्य शिक्षाविदों को भी एक नई दिशा, ऊर्जा और प्रेरणा प्राप्त होगी। सीपीएस परिवार, छपरा एवं सारण वासियों ने डॉ. हरेंद्र सिंह को इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर हार्दिक शुभकामनाएँ दी हैं और इसे छपरा की अंतरराष्ट्रीय पहचान के रूप में देखा है। विद्यालय के प्राचार्य श्री मुरारी सिंह, प्रबंधक डॉ. विकाश कुमार सिंह, सारण जिला विधिक प्राधिकरण के श्री पुर्णेदु रंजन, शिक्षकगण एवं अन्य कर्मियों ने डॉ. सिंह को इस उपलब्धि के लिए सहर्ष शुभकामनाएँ देते हुए भावभीनी विदाई दी। सभी ने इस सम्मान को छपरा ही नहीं, बल्कि समस्त बिहार की उपलब्धि बताया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

# सदर प्रखंड सह आंचल कर्मियों ने 10 सूत्री मांगों को लेकर किया प्रदर्शन

छपरा। बिहार अनुसचिवीय कर्मचारी संघ (गोप गुट ) राज्य संघ के आवाहन पर अपनी दस सूत्री मांगो को लेकर चलाए जा रहे रहे आंदोलन के तहत शुक्रवार को सदर प्रखंड मुख्यालय पर कर्मियों ने काला बिल्ला बांधकर विरोध जताते हुए प्रदर्शन किया। बता दें कि राज्य संघ के आह्वान पर आगामी 25 जून 2025 से 27 जून 25 तक आंदोलन चल रहा है है। इसी क्रम में आंदोलन के अंतिम दिन सदर अंचल सह प्रखंड कार्यालय के बाहर लिपिको के द्वारा कार्यालय अवधि में काला बिल्ला लगाकर कार्य को निष्पादित करते हुए लंच अवधि में अपने कार्यालय के बाहर मांगो की प्रतिपूर्ति को लेकर तथा मांगो के समर्थन में नारा लगाना। जिन 10 सूत्री मांगों को लेकर सरकारी कर्मियों का आंदोलन चल रहा है,उसमें समाहरणालय के लिपिक संवर्ग के पद सोपान और ग्रेड पे को निर्धारित की जाय। समान्य प्रशासन विभाग की अधिसूचना 23 मार्च 2011 के कंडिका 3 को संशोधित करते हुए मूल कोठी में निम्न वर्गीय लिपिक सहायक एवं उच्च वर्गीय लिपिक सहायक के अनुपातिक प्रतिशत को 60 - 40 की जाय। गैर संवर्गीय पदों के तर्ज पर प्रधान लिपिक एवं प्रशाखा पदाधिकारी का वरीयता एवं योग्यता के आधार पर बिहार प्रशासनिक सेवा के पदों पर प्रोन्नति हेतु 25% सीट आरक्षित की जाय एवं रूपांतरित सुनिश्चित वृति उन्नयन के तहत वित्तीय उन्नयन अगले ग्रेड वेतन लेवल के बदले प्रोन्नति के पद सोपान ग्रेड में की जाय सहित 10 मांगे शामिल है।

# राष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता के लिए सारण से आदित्य व शुभम का हुआ चयन

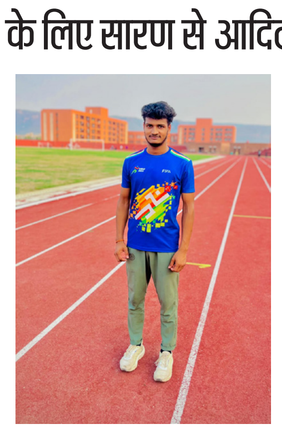

छपरा कार्यालय।28 जून से 01 जुलाई के बीच हरिद्वार में शुरू होने वाले राष्ट्रीय यूथ कबड्डी (व18 )प्रतियोगिता के लिए सारण से आदित्य और शुभम का चयन बिहार टीम में किया गया है । चयन की जानकारी सारण ज़िला कबड्डी संघ के सचिव पंकज कश्यप ने दिया और बताया की दोनों खिलाड़ियों से सारण और बिहार को काफी उम्मीदें है। विदित है कि आदित्य और शुभम ने कुछ दिन पहले सारण में आयोजित राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया था । दोनों खिलाड़ी ग्रामीण क्षेत्र दरियापुर के रहने वाले है । इस अवसर पर सारण ज़िला कबड्डी संघ के अध्यक्ष रमाकान्त सिंह सोलंकी ,संरक्षक डॉ हरेंद्र सिंह, देवकुमार सिंह , सुरेश कुमार सिंह ,उपाध्यक्ष विकास कुमार सिंह , सभापति बैठा,चाँदनी प्रकाश, मृत्युंजय कुमार, राकेश सिंह, कौशलेंद्र, सूरज कुमार, सुशील सिंह, राजेश मेजर, नीरज तिवारी, दीपक सिंह, शिव शंकर, रोहित कुमार, सहित सभी खिलाड़ियों ने अपनी शुभकामनाएं दी है ।

# द्विसाप्ताहिक विशेष ट्रेन के संचलन का हुआ विस्तार

चपरा कार्यालय। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्री जनता की सुविधा हेतु पूर्व से चलाई जा रही गाड़ी संख्या 04137/04138 ग्वालियर-बरौनी-ग्वालियर द्विसाप्ताहिक विशेष गाड़ी के संचलन में अवधि का विस्तार किया गया है। ग्वालियर से चलाई जा रही गाड़ी संख्या 04137 ग्वालियर-बरौनी द्विसाप्ताहिक ( प्रत्येक रविवार एवं बुधवार) विशेष गाड़ी का संचलन 02 जूलाई से 28 दिसम्बर, 2025 तक किया जायेगा तथा बरौनी से चलाई जा रही गाड़ी संख्या 04138 बरौनी-ग्वालियर द्विसाप्ताहिक ( प्रत्येक सोमवार एवं गुरुवार) विशेष गाड़ी 03 जूलाई से 29 दिसम्बर, 2025 तक किया जायेगा। गाड़ी संख्या 04137 ग्वालियर-बरौनी द्विसाप्ताहिक गाड़ी (प्रत्येक रविवार एवं बुधवार) को ग्वालियर से 7:10 बजे प्रस्थान कर डबरा से 7:48 बजे,दतिया से 8:17 बजे,वी.लक्ष्मीबाई झांसी से 9:20 बजे,मोठ से 10:52 बजे, एट से 11:22 बजे,उरई से 11:45 बजे कालपी से 12:27 बजे,पुखरायां से 12:52 बजे,गोबिंदपुरी से 15:05 बजे,फतेहपुर से 16:07 बजे,प्रयागराज जं से 18:05 बजे,ज्ञापुर रोड़ से 19:15 बजे,बनारस से 20:30 बजे,वाराणसी से 20:50 बजे,औड़िहार से 21:50 बजे,गाजीपुर सिटी से 22:50 बजे छुटकर दूसरे दिन बलिया से 00:10 बजे,सुरेमनपुर से 01:32 बजे,छपरा से 04:50 बजे,हाजीपुर से 06:05 बजे, शाहपुर पटोरी से 06:47 बजे छुटकर 08:00 बजे बरौनी पहुँचेगी। वापसी यात्रा में गाड़ी संख्या 04138 बरौनी-ग्वालियर द्विसाप्ताहिक गाड़ी ( प्रत्येक सोमवार एवं गुरुवार) को बरौनी से 09:45 बजे प्रस्थान कर शाहपुर पटोरी से 10:42 बजे,हाजीपुर से 11:40 बजे,छपरा से 14:05 बजे,सुरेमनपुर से 15:55 बजे,बलिया से 17:05 बजे,गाजीपुर सिटी से 18:15 बजे,औड़िहार से 19:20 बजे,वाराणसी से 20:40 बजे,बनारस से 21:05 बजे,ज्ञानपुर रोड से 22:32 बजे,प्रयागराज जं से 23:35 बजे छुटकर दूसरे दिन फतेहपुर से 00:45 बजे,गोविंदपुरी से 02:40 बजे,पुखरायाँ से 40:35 बजे,कालपी से 04:51 बजे,उरई से 05:18 बजे, एट से 05:39 बजे,मोठ से 06:05 बजे, वी.लक्ष्मीबाई झांसी से 07:50 बजे. दतिया से 08:14 बजे, डबरा से 08:42 बजे छुटकर 10:20 बजे ग्वालियर पहुँचेगी।

# केन्द्र प्रायोजित योजनाओं को ससमय पूरा करने पर जोर

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिला विकास, समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक केन्द्रीय मंत्री, जलशक्ति मंत्रालय डॉ राज भूषण चौधरी की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में अधिकारियों के साथ आयोजित की गई । बैठक में केंद्र प्रायोजित योजनाओं की समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय स्थापित कर योजनाओं का ससमय गुणवत्तापूर्ण संपादन तथा लक्ष्य के अनुरूप शत- प्रतिशत सुनिश्चित करें। बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों से भी आवश्यक फीडबैक एवं सुझाव प्राप्त किए गए तथा उसका नियमानुसार समाधान किया गया। जिले में केंद्र प्रायोजित योजनाओं के तहत स्वास्थ्य व्यवस्था की जानकारी सिविल सर्जन द्वारा दी गई।बैठक में अवगत कराया गया कि संपूर्ण टीकाकरण में जिले में अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक 97 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की गई है। गर्भावस्था के दौरान मां और शिशु के स्वास्थ्य की निगरानी हेतु प्रसव पूर्व जांच आवश्यक है। इस दृष्टि से प्रथम तिमाही में जिले में अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक 84 प्रतिशत की उपलब्धि रही है। इस अवधि के दौरान 4 या उससे अधिक बार प्रसव पूर्व जांच की उपलब्धि 95 प्रतिशत है। अस्वस्थ जीवनशैली, गलत आहार आदि के कारण नॉन कम्युनिकेबल डिजीज के रूप में मधुमेह, हृदय रोग,श्वसन रोग आदि पैदा होते हैं। जिले में 89 प्रतिशत एनसीडी स्क्रीनिंग किया गया जिससे रोगियों के स्वास्थ्य में सुधार लाने तथा समय पर इलाज करने में सुविधा हुई। मां और शिशु के देखभाल एवं इलाज हेतु प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा महिलाओं के लिए सरकारी अस्पतालों में सुरक्षित प्रसव हेतु संस्थागत प्रसव की व्यवस्था की गई है। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में 18 लाख 60 हजार 968 केवाईसी किए गए हैं। जिले में दिव्यांग जनों को यूडीआईडी कार्ड बनाने के लिए प्रखंडवार तिथि निर्धारित कर कैंप मोड में प्रभावी प्रयास किये गये ताकि शत प्रतिशत दिव्यांग जनों का कार्ड बन जाय तथा उन्हें सरकारी योजनाओं से लाभान्वित किया जा सके। सामाजिक सुरक्षा के तहत इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन में 5714 आवेदन स्वीकृत किए गए जबकि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन के तहत 9473 आवेदन स्वीकृत किए गए तथा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय निःशक्तता पेंशन के तहत 150 आवेदन स्वीकृत किए गए।जिला बाल संरक्षण इकाई के तहत प्रायोजन योजना के अंतर्गत वर्तमान में कुल 501 लाभुकों को स्वीकृति प्रदान की गई है। इस योजना के तहत अनाथ बच्चे जो अपने निकटतम संबंधी के पास रह रहे हैं या विधवा, तलाकशुदा ,परित्यक्त महिला के बच्चे या वैसे बच्चे जिनके माता-पिता गंभीर एवं जानलेवा बीमारी से पीड़ित हो या वैसे बच्चे जिनके माता-पिता मानसिक अस्वस्थता अथवा दुर्घटना के कारण बच्चों को आर्थिक एवं शारीरिक रूप से देखभाल करने में सक्षम न हो या वैसे बच्चे जिनके माता-पिता जेल में बंद हो एवं जिनके देखभाल करने वाला कोई ना हो , के बच्चे को इस योजना के तहत 4000 प्रति माह राशि का भुगतान किया जाता है। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के तहत जागरूकता अभियान चलाए गए हैं।

# अनुसंधान परिषद की बैठक में प्रस्तुत की गई 70 अनुसंधान परियोजनाओं की प्रगति

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।डॉ राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा में अनुसंधान परिषद खरीफ 2025 के दूसरे दिन वैज्ञानिकों ने विभिन्न विषयों पर 70 से अधिक अनुसंधान परियोजनाओं की प्रगति को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के समापन समारोह में बोलते हुए कुलपति डॉ पी एस पांडेय ने कहा कि विश्वविद्यालय किसानों की समस्याओं पर आधारित अनुसंधान करने का प्रयास कर रहा है। पिछले दो वर्षों में जिन अनुसंधान परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है वे सभी किसानों की प्रत्यक्ष समस्याओं पर आधारित है। उन्होंने वैज्ञानिकों को उनके बेहतर कार्यों के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा माननीय प्रधानमंत्री का सपना देश को 2047 तक विकसित भारत बनाने का है, इसमें कृषि वैज्ञानिकों की अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों को समझना होगा कि वे पूरी दुनिया के सबसे बेहतरीन वैज्ञानिक हैं और उसी सोच के साथ अनुसंधान करें। उन्होंने कहा कि जब हमारे एटीट्यूड में परिवर्तन आता है तो व्यवहार और कार्य में भी परिलक्षित होता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने में कामयाब रहा है लेकिन वे चाहते हैं कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी विश्वविद्यालय अपना छाप छोड़े। नवसारी कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ ए आर पाठक ने कहा कि विश्वविद्यालय ने पिछले दो वर्षों में ड्रोन तकनीक, फिशरीज, एवं अन्य क्षेत्रों में तेजी से प्रगति की है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के रिसर्च पेपर को कई विदेशी वैज्ञानिकों ने भी अपने अनुसंधान में उपयोग किया है, यह गौरव की बात है। उन्होंने वैज्ञानिकों की विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं की गहन समीक्षा की और कई सुझाव दिये। भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, कानपुर के निदेशक डा जी पी दीक्षित ने दलहन के क्षेत्र में विश्वविद्यालय की अनुसंधान परियोजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों को अरहर में प्रोटीन की मात्रा बढ़ाने के लिए अनुसंधान करना चाहिए, जिससे कि आधी कटोरी दाल से ही प्रोटीन की समुचित मात्रा मिल जाए। भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद की निदेशक डॉ सी तारा सत्यवती ने कहा कि विश्वविद्यालय में श्री अन्न से संबंधित विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं में अच्छा कार्य हो रहा है। उन्होंने कहा कि सामा, कोदो तथा अन्य श्री अन्न के जीन से संबंधित जो अनुसंधान चल रहे हैं वे आने वाले समय में किसानों के लिए काफी फायदेमंद साबित होंगे। निदेशक अनुसंधान डॉ ए के सिंह ने कहा कि दो दिनों तक चले इस अनुसंधान परिषद की बैठक में सत्तर से अधिक अनुसंधान परियोजनाओं की बाह्य विशेषज्ञों द्वारा गहन समीक्षा की गई।

# 25 सितम्बर तक दावा - आपत्ति का निष्पादन मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 30 सितम्बर को

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।जिला निर्वाचन पदाधिकारी- सह- जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन की अध्यक्षता में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों के साथ समाहरणालय में बैठक की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदत्त दिशानिर्देश एवं समय- सारणी से सभी राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों को अवगत कराया तथा सभी दलों को मतदान केंद्रों पर बूथ लेवल एजेंट ( बीएलए टू ) बनाने की अपील की ताकि यदि कोई विसंगति या त्रुटि हो तो उसका समाधान तैयारी के प्रारंभिक चरण में ही कर लिया जाए जिससे दावा, आपत्ति और अपील की संख्या में कमी लाई जा सके। गहन पुनरीक्षण का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में सम्मिलित हो ताकि वह अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। साथ ही त्रुटिरहित , पारदर्शी एवं विश्वसनीय मतदाता सूची का निर्माण किया जा सके।जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने मतदाता सूची में नाम जोड़ने या हटाने की प्रक्रिया को निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देश के अनुरूप पूरी तरह से पारदर्शी रखने को कहा ।इस प्रक्रिया के तहत मतदान केंद्र पदाधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर पहले से भरे हुए एन्यूमरेशन फॉर्म(दो प्रतियों में) वितरित करेंगे और उन्हें भरने में मतदाताओं का मार्गदर्शन करेंगे।जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने वास्तविक मतदाताओं विशेष रूप से वृद्ध, बीमार, दिव्यांगजन, गरीब तथा अन्य वंचित वर्गों को किसी प्रकार की परेशानी न हो , उन्हें हर संभव सुविधा प्रदान की जाए, इसका विशेष ध्यान रखने का निर्देश अधिकारियों को दिया।विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अनुसार 25 जून से 26 जुलाई तक एन्यूमरेशन फॉर्म का वितरण एवं संग्रहण का कार्य किया जाएगा। 1 ली अगस्त से 1 सितंबर तक दावा ,आपत्ति लिए जाएंगे। 25 सितंबर तक दावा आपत्ति फार्म का निष्पादन किया जाएगा। 30 सितंबर को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन होगा। उक्त कार्य के सफल संपादन हेतु कार्य से जुड़े तमाम अधिकारियों के प्रशिक्षण की व्यवस्था आयोग द्वारा की गई है।

# नहीं रहे भाजपा नेता अजीत सिंह, जनप्रतिनिधियों ने किया शोक व्यक्त

प्रात : किरण संवाददाता

उदाकिशुनगंज (मधेपुरा) उदाकिशुनगंज प्रखंड के शाहजादपुर पंचायत के स्व.विरेन्द्र नारायण सिंह का ज्येष्ठ पुत्र, अजय व संजय सिंह के बड़े भैया भाजपा किसान मोर्चा के भूतपूर्व मंडल अध्यक्ष अजीत कुमार सिंह उम्र करीब-65 वर्ष का मंगलवार के दिन लंबी बिमारी के कारण गांव में असामयिक निधन हो गया। इस दुःख की घड़ी में भाजपा मधेपुरा जिला कार्यसमिति सदस्य चंदन कुमार झा एवं मधेपुरा जिला कार्यसमिति सदस्य सुबोध चौधरी उर्फ गणगण, उदाकिशुनगंज के जदयू प्रखंड अध्यक्ष सह बीस सूत्री अध्यक्ष प्रदीप मंडल, उदाकिशुनगंज दक्षिणी मंडल भाजपा के पूर्व अध्यक्ष सह बीस सूत्री सदस्य अजीत सिंह, अशोक सिंह एवं पंचायती राज के मंडल संयोजक मनोज कुमार सिंह के साथ अन्य ने अजय सिंह, संजय सिंह उनके एकलौता पुत्र अभिनव कुमार सिंह व परिवार के अन्य सदस्यों से मिलकर घटना की जानकारी ली तथा उन्हें सांत्वना भी दी। इस मौके पर अनिल कुमार सिंह, मुन्ना प्रसाद सिंह, रोहित सिंह, गौतम सिंह, हीरा प्रसाद सिंह, रतनदेव सिंह व अन्य लोग उपस्थित थे।

# पशु स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

पुरैनी (मधेपुरा) प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत नरदह पंचायत के मध्य विद्यालय योगीराज के मैदान में शुक्रवार को बिहार सरकार के ग्रामीण विकास विभाग की पहल पर जीविका और पशुपालन निदेशालय के संयुक्त तत्वावधान में जीविका के द्वारा एक दिवसीय पशु स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन जीविका बीपीएम संजीत कुमार, पशु चिकित्सक डॉ रंजीत कुमार, जिला जीविका प्रबंधक मुर्तजा अली एवं केशव कुमार सहित अन्य ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। शिविर के माध्यम से पशुओं का निशुल्क इलाज किया तथा पशुपालकों के कहने पर घर तक पहुंच कर पशुओं का निशुल्क इलाज कर कई आवश्यक सलाह दी गई। जहां भ्रमणशील पशु चिकित्सक डॉ रंजीत कुमार ने पशुओं को हो रहे रोगों से दूर रखने के लिए जानकारी दी पशुपालकों को मार्गदर्शन करते हुये दूध उत्पादन पर विशेष बल दिया। साथ ही उन्होंने कहा इस ऊष्म भरी गर्मी से राहत के लिए प्रतिदिन पशु को एक या दो बार नहलाना चाहिए एवं प्रतिदिन पशुओं को हरा चारा के साथ संतुलित आहार देने चाहिए और दिन में कम से कम तीन से चार बार पानी पिलाने का प्रयास करें जिससे पशु हमेशा स्वस्थ रहेंगे। वहीं जीविका बीपीएम संजीत कुमार ने कहा कि इस आयोजन से जीविका द्वारा ग्रामीण व शहरी इलाके में रहने वाले गरीब तबके के लोगों को पशु स्वास्थ्य शिविर सहित अन्य सुविधा मुहैया कराना मूल उद्देश्य है, जिससे पशुपालकों के पशुओं का स्वास्थ्य जांच कर उचित दवा देने से साधारण से गंभीर बीमारियों का निदान हो सके। तत्पश्चात उन्होंने कहा इस शिविर में ढाई सौ से अधिक पशुओं का उपचार कर मुफ्त में आवश्यक दवा भी दिया गया। इस स्वास्थ्य शिविर में फार्म मैनेज राजीशोर कुमार, एलएचएस नीरज कुमार, नॉन फॉर्म मैनेजर संदीप कुमार, एरिया कोऑर्डिनेटर नितेश कुमार, बीपीआईयू लेखपाल रवि राज, प्रवीण कुमार मिश्रा, मनोज कुमार, पंकज कुमार, भीओ लेखपाल अनवर आलम, सीएम फूल कुमारी, खुशबू कुमारी, शिल्पी कुमारी, वीणा कुमारी, पूनम कुमारी, प्रदीप कुमार आदि मौजूद रहे।

# रेल मंत्री से मिलकर सांसद ने जल प्लावित रेलवे की जमीन पर मखान खेती के लिए की चर्चा

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा ।दरभंगा के सांसद सह रेलवे स्टैंडिंग कमेटी के सदस्य डा गोपाल जी ठाकुर ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ एक बैठक में अमृतसर दरभंगा सहरसा व दरभंगा लखनऊ अमृत भारत ट्रेन शुरू करने,मिथिला क्षेत्र खासकर दरभंगा से जुड़ी रेल परियोजनाओं को ससमय पूरा करने,नई रेल लाइन पर निर्माण कार्य शुरू करने, , रेलवे के जल प्लावित क्षेत्र में मखान की खेती शुरू करने तथा उसके लिए रेलवे की ओर से सहायता उपलब्ध कराए जाने जैसे अनेक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस बैठक और चर्चा के दौरान केंद्रीय रेल राज्य मंत्री आरएस बिट्टू तथा रेलवे बोर्ड के चेयरमैन के सतीश कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।उन्होंने रेल मंत्री से अमृतसर दरभंगा सहरसा नई अमृत भारत ट्रेन तथा दरभंगा लखनऊ अमृत भारत ट्रेन की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि आमजनों को रेलवे यात्री सुविधाओं को सुगम तथा व्यापक बनाने के लिए यह अति अनिवार्य है। सांसद डा ठाकुर ने रेलवे मंत्री के समक्ष मिथिला के सभी धार्मिक स्थलों को देश के धार्मिक स्थलों से जोड़ने के लिए मिथिला सर्किट की संभावनाओं पर चर्चा करते हुए कहा कि इसके माध्यम से मिथिला क्षेत्र की प्राचीन विरासत तथा आध्यात्मिक गरिमा को देश स्तर पर विस्तारित किया जा सकता है। सांसद डा ठाकुर ने दरभंगा सहित मिथिला क्षेत्र में में रेलवे की जल प्लावित क्षेत्र में मखान की खेती को शुरू करने एवं बढ़ावा देने के लिए पहल शुरू करने का सुझाव देते हुए कहा कि आने वाले समय में इसके माध्यम से व्यापक स्तर पर रोजगार के अवसर प्रदान कर मखान किसानों को आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है।सांसद डा ठाकुर ने दरभंगा क्षेत्र की नाई रेल परियोजनाओं को यथाशीघ्र शुरू करने तथा वर्षों से लंबित रेल परियोजनाओं को पूरा करने का आग्रह करते हुए कहा कि सकरी हसनपुर रेल लाइन में हरीनगर से हसनपुर रेल लाइन निर्माण कार्य को शुरू कर वर्षों से लंबित इस समस्या का समाधान आवश्यक है जबकि लहरियासराय से सहरसा तथा लहेरियासराय से मुजफ्फरपुर नई रेल लाइन पर कार्य शुरू कर रेलवे कनेक्टिविटी को मजबूत करने की आवश्यकता है।

# गृहराज्य मंत्री के स्वागत को लेकर व्यापक तैयारी हैं, लोगों में काफी उत्साह है : पप्पू सिंह

प्रात : किरण संवाददाता

अलीनगर (दरभंगा)। अलीनगर विधानसभा में केंद्रीय गृहराज्य मंत्री नित्यानंद राय का आगमन को लेकर भव्य तैयारी चल रहा है। वे घनश्यामपुर नगर पंचायत मंडल अंतर्गत पाली ग्राम स्थित रनपरती मैदान में आपातकाल पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे।इस अवसर पर भाजपा के जिलाध्यक्ष विनय कुमार पासवान एवं महामंत्री संजय कुमार सिंह द्वारा शुक्रवार को अलग-अलग जगहों पर जनसंपर्क अभियान चलाया गया। जनसंपर्क अभियान के दौरान जयंतीपुर और दाथ में डोर टू डोर जनसंपर्क किया गया,जिसमें लोगों को कार्यक्रम के बारे में जागरूक किया गया और अधिक से अधिक लोगों को गृहराज्य मंत्री नित्यानंद राय के कार्यकम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया ।इस अवसर पर जिलाध्यक्ष विनय पासवान ने कहा यह कार्यक्रम ऐतिहासिक होगा। हमें उम्मीद है कि हमारे लक्ष्य से अधिक संख्या में लोग इसमें शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि पूरे जिले में जनसंपर्क के माध्यम से लोगों को आमंत्रित किया गया है और सभी में कार्यक्रम के प्रति उत्साह देखने को मिला है। मौके पर महामंत्री संजय कुमार सिंह उर्फ पप्पू सिंह ने कार्यक्रम का विवरण बताते हुए कहां कार्यक्रम की शुरूआत साढ़े 11 बजे दाथ स्थित उत्सव विवाह भवन परिसर में प्रेस वार्ता से होगी।इसके बाद केंद्रीय राज्य मंत्री 12 बजे कार्यक्रम स्थल पर जाएंगे और लोगों को संबोधित करेंगे।श्री सिंह ने बताया कि कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं और लोगों में इसके प्रति काफी उत्साह है। मौके पर मंडल अध्यक्ष लाल मुखिया,हीरा प्रसाद सुमन,गंगा राम सहनी,घूरन सहनी,अशोक सदा,भोला सहनी,संजय पासवान,विटोरी सहनी,बबलू महथा, देवना महथा आदि लोग मौजूद रहे।

## संक्षिप्त खबरें

### राजेन्द्र पूसा गोनाइल, एक प्राकृतिक फ्लोर क्लिनर

मुजफ्फरपुर। डाक्टर राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान परिषद की बैठक के दौरान वैज्ञानिक डॉ शंकर झा ने विश्वविद्यालय का एक नया उत्पाद,राजेंद्र पूसा गोनाइल को प्रदर्शित किया। राजेंद्र पूसा गोनाइल, गौ मूत्र, पाइन ऑयल और लेमन ग्रास ऑयल से तैयार किया गया है।यह एक ऐसा उत्पाद है जो पूरी तरह से प्रकृति आधारित है। यह एक प्रकार का फ्लोर क्लीनर है, जिसके उपयोग से घर की प्राकृतिक साफ सफाई की जा सकती है। इसे पानी में मिलाकर पोछा लगाने से घर को कीटाणुओं से मुक्त किया जा सकता है। अनुसंधान परिषद की बैठक में यह उत्पाद आकर्षण का केन्द्र रहा।

### जदयू के सुरज बने जिला उपाध्यक्ष

कल्याणपुर समस्तीपुर जदयू जिला अध्यक्ष ने संगठन मजबूती को लेकर कल्याणपुर प्रखंड के पुरुषोत्तमपुर निवासी इंजीनियर सूरज सहनी को यूनाइटेड जनता दल यू का जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। इनके मनोनयन पर संगठन में काफी मजबूती मिलेगी ऐसे एक कर्मठ पार्टी के वफादार कार्यकर्ता है। हर्ष जताने वालों में बिहार सरकार के सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री महेश्वर हजारी दल के पूर्व सांसद अश्वमेध देवी प्रखंड अध्यक्ष राजकुमार सिंह भोला सिंह पिंटू सिंह पूर्व प्रमुख इफ्तिखार अहमद अजना पूर्व जदयू प्रखंड अध्यक्ष केसरी कुमार मेहता रामविलास राम पैक्स अध्यक्ष हिमांशु शेखर गोविंदपुर खजूरी अध्यक्ष रामबली महतो युवा प्रखंड अध्यक्ष सामंत कुमार आशीष पटेल रामचंद्र फौजी आदि।

### फरार आरोपी के धर पुलिस ने किया कुर्की

कल्याणपुर समस्तीपुर थाना क्षेत्र के सिमरिया गांव से कोर्ट के आदेश का उल्लंघन करने वाले पत्नी ने भरण पोषण में लंबे समय से फरार आरोपी अशोक साह के घर गुरुवार की देर शाम कुर्की किया गय।मोके पर थानाध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा, अपर थानाअध्यक्ष दीपक कुमार झा, सहित पुलिस बल मौजूद थे।

### एक वारंटी गिरफ्तार

कल्याणपुर समस्तीपुर थाना क्षेत्र के बालापुर गांव से एक वारंटी को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा दिया गया है।गिरफ्तार आरोपी की पहचान गांव के ही कमलेश ठाकुर के रूप में की गई है।

### विदेशी शराब बरामद

कल्याणपुर समस्तीपुर थाना क्षेत्र के गोविंदपुर खजूरी पंचायत के महबलीपुर गांव में स्टेट बोरिंग के हाज से प्लास्टिक के बोरी में बंद विदेशी शराब का पुलिस ने बरामद किया है। वैसे शराब को स्थानीय लोगों ने बरामद कर पुलिस को सूचना देने की चर्चा है। पुलिस ने मौके पर पहुंची तो विदेशी शराब को जप्त थाना ले आई। जप्त शराब की गिनती नहीं हो पाई है। गिनती के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। वहीं थानाध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा बताया कि शराब की गिनती अभी नहीं हो पाई।

### विधानसभा चुनाव को ले मतदान केंद्रों का भौतिक सत्यापन किया

बरियारपुर (मुंगेर) । मुगेर बिधान सभा 10+ 2 मध्य बिध्यालय माणीक मंडल टोला, मध्य बिध्यालय कुर्मी टोला झोवाबहियार, मध्य बिध्यालय हंशु मंडल टोला हरिणमार के 10 मतदाता केन्द्रों का भौतिक सत्यापन श्रमप्रवतन पदाधिकारी बरियारपुर दिलीप कुमार झा के द्वारा किया गया। मुगेर बिधानसभा सभा निर्वाचन क्षेत्र के मतदान केंद्र संख्या 280,281, 282,10+2मध्य बिध्यालय मांणीक मंडल टोला,मध्यबिध्यालय कुर्मी मंडल टोला मतदान केंद्र संख्या 283,284,285,मध्य बिद्यालय हंशु सिह टोला हरिणमार पंचायत के मतदान केंद्र संख्या 276,277, 278,279,मतदान केंद्रों के प्रभारी प्रधानाचार्य कुन्दन भानु ने बतायी हमारे बिद्यालय मे चार चापाकल लगाया गया है जिन में तीन मृत प्रायः हो चुकी है एक चापाकल अपनी इच्छा अनुकुल जल उप्लब्ध करती है।

### जनता दरबार में कई समस्याओं को किया त्वरित निष्पादन

दरभंगा। जिलाधिकारी कौशल कुमार के निदेशांनुसार अपर समाहर्ता जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी अनिल कुमार ने जनता के दरबार में आयें परिवादियों की समस्याओं को सुना और कई समस्याओं का त्वरित निष्पादन किया और शेष आवेदनों को समाधान के लिए संबंधित पदाधिकारी को निर्देश दिया। आज जनता दरबार में राजस्व विभाग,हर घर नल जल योजना,बिजली विभाग,शिक्षा,बैंक ऋण, समाज कल्याण विभाग,आवास योजना से संबंधित आवेदन आए। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित पदाधिकारी को कहा कि शिकायतों को निष्पादन में सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

# सड़क निर्माण की स्वीकृति से ग्रामीणों में हर्ष

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।मुशहरी प्रखंड के राजवाड़ा भगवान पंचायत के पीरमाहम्मद पुर, रोशनपुर, चक्सलेम, रजवाड़ा डीह एवं भगवानपुर डढ़िया के निवासियों में सड़क निर्माण की प्रशासनिक स्वीकृति मिलने पर खुशी की लहर है। ग्रामीणों के मांग पर जिलाधिकारी श्री सुब्रत कुमार सेन ने स्वयं पहल कर इस 5 गांवो के दस हजार आबादी को मुख्य सड़क से जोड़ने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया था।1025.45 लाख रुपए की लागत से निर्मित होनेवाली सड़क की डीपीआर बनकर तैयार है। प्रशासनिक स्वीकृति मिल चुकी है, टेंडर में भेजा जा चुका है। उक्त बातो की जानकारी कार्यपालक अभियंता ग्रामीण कार्य विभाग मुजफ्फरपुर पूर्वी 01 द्वारा ग्रामीण सह सामाजिक कार्यकर्ता राजगीर कुमार को स्वीकृति की कॉपी उपलब्ध कराते हुए दी है। इस सूचना के बाद देवी स्थान रोशन पुर में ग्रामीणों की बैठक आयोजित कर राजगीर कुमार ने अधिकारियों द्वारा उपलब्ध कराए गए सड़क निर्माण की स्वीकृति पत्र , डीपीआर की कॉपी को बारीकी से पढ़कर समझाया। ज्ञात हो कि इन 5 गांवो में बाढ़ तथा बारिश के समय तीन माह तक आवागमन बाधित रहता है जिसके चलते इस गांव में लोग शादी विवाह भी नहीं करना चाहते है। कई गर्भवती महिलाएं आवागमन बाधित होने से अस्पताल नहीं पहुंच पाती है और बच्चा जन्म देते समय जच्चा बच्चा दोनों ही दम तोर देते है । लड़कियां हाई स्कूल और कॉलेज तक कि पढ़ाई नहीं कर पाती हैं। बैठक में ग्रामीण फगुनी सहनी, शिवशंकर सहनी, राजकुमार सहनी, सुनैना देवी,तेतरी देवी,शीला देवी , बुझावन सहनी, कृष्णमोहण सहनी, रामशोभित सहनी , विश्वनाथ सहनी , महावीर सहनी सहित सैंकड़ों ग्रामीण मौजूद थे ।

# शहर को विकसित करने के लिए बनेगा मास्टर प्लान

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।योजनाबद्ध तरीके से प्लानिंग के तहत शहर को स्वच्छ , सुंदर एवं सुव्यवस्थित रूप से विकसित कर मास्टर प्लान तैयार करने हेतु नगर आयुक्त विक्रम विरकर की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक की गई तथा आवश्यक निर्देश दिया गया। बैठक में पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से नगर निकाय की भौगोलिक संरचना, उपलब्ध संसाधन की विभागवार एवं योजनाबार रूपरेखा प्रस्तुत की गई। इसके लिए सभी विभागों के द्वारा ऑनगोइंग प्रोजेक्ट, प्रस्तावित प्रोजेक्ट तथा निमार्णाधीन प्रोजेक्ट के बारे में विवरणी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। इसके लिए वर्तमान में उपलब्ध आधारभूत सुविधाओं के साथ साथ इसकी आदर्श स्थिति का तुलनात्मक अध्ययन कर अपेक्षाकृत विकसित आधारभूत संरचनाओं से युक्त शहरी सुविधाएं उपलब्ध कराने की प्लानिंग किया जायेगा। उन्होंने जिला स्तरीय अधिकारियों तथा अंचलों को जिला पदाधिकारी के माध्यम से पत्र प्रेषित कर विभाग बार उपलब्ध जमीन तथा संसाधन के बारे में विस्तृत विवरणी प्राप्त करने का निर्देश दिया।

# कार्यकताओं का एक मात्र लक्ष्य है, बिहार में फिर से एनडीए का सरकार बनाना : दीपक प्रकाश

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा।भाजपा जिला कार्यालय में बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारी को लेकर भाजपा दरभंगा पूर्वी व पश्चिमी जिला की संयुक्त संगठनात्मक बैठक जिला अध्यक्ष प्रो आदित्य नारायण चौधरी मन्ना के अध्यक्षता में आहूत हुआ। जिले के सभी मंडल अध्यक्ष और महामंत्रियों की इस बैठक में विभिन्न कार्यक्रमों की कार्ययोजना एवं आगामी विधानसभा चुनाव पर चर्चा हुई। बैठक को संबोधित करते हुए बिहार भाजपा के सह प्रभारी, झारखंड के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सांसद दीपक प्रकाश ने कहा की अभी कार्यकताओं का एकमात्र लक्ष्य है बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की मजबूत सरकार बनाना। इसके लिए सभी मंडल अध्यक्ष अपने अपने मंडलों पंचायतो तथा बूथो पर संगठन की संरचना को पूरी तरह से मजबूती प्रदान करें ताकि आने वाले विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी और एनडीए को अपार सफलता मिल सके। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी दुनिया की सबसे बड़ी एवं लोकतांत्रिक पार्टी है। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों का काम सिर्फ बिहार के लोगों को गुमराह करने का है इसलिए सभी कार्यकताओं को सतर्क रहना होगा ताकी विपक्षी दल किसी भी प्रकार की भ्रांतियां मतदाताओं के बीच नहीं फैला सके। उन्होंने सभी कार्यकताओं को आह्वन किया की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की सरकार ने दरभंगा सहित संपूर्ण मिथिला का जो विकास किया है एवं बिहार की सरकार ने जो विकास की अनेकों योजनाएं जिले में लागू की है इसका अपने-अपने गांव में अधिक से अधिक लोगों तक प्रचारित करें। उन्होंने कहा कि विपक्ष के पास जनता को गुमराह करने के अलावा कुछ भी नहीं है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक साहनी ने कहा कि बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में चल रही एनडीए की सरकार ने दरभंगा सहित संपूर्ण मिथिला क्षेत्र का कायाकल्प किया है।

# शराब तस्करी की जूर्म में 5 बर्षों का सश्रम कारावास व एक लाख रुपये अर्थदंड

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। दरभंगा जिला के उत्पाद अधिनियम के द्वितीय विशेष न्यायाधीश रविशंकर कुमार की अदालत ने सिमरी थानाक्षेत्र के माधोपुर बनौली गांव के कृष्ण कुमार पासवान को शराब तस्करी की जूर्म में 5 बर्षों का सश्रम कारावास और एक लाख रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। अदालत ने शुक्रवार को शराब तस्करी मामले के दोषी का सजा अवधि निर्धारण के बिन्दु पर वचाव पक्ष और अभियोजन पक्ष का वहश सुनने तथा वाद अभिलेख पर उपलब्ध साक्ष्यों का गहन परिशीलन के बाद निर्णय सुनाया है।इस मामले में अभियोजन पक्ष का संचालन कर रहे उत्पाद अधिनियम के स्पेशल एपीपी हेमंत कुमार ने बताया कि बर्ष 2020 में विश्वविद्यालय थाना की पुलिस ने अभियुक्त कृष्ण कुमार पासवान को सवा दो लीटर विदेशी शराब के साथ रंगे हाथ घटनास्थल से गिरफ्तार किया था।इसकी प्राथमिकी अभियुक्त के बिरुद्ध उत्पाद अधिनियम की धारा 30( ) (शराब का अवैध भंडारण, परिवहन एवं बिक्रय) के तहत विश्वविद्यालय थाना में कांड सं.23/20 दर्ज की गई थी।अदालत में मामले का बिचारण जीओ वाद सं.101/20 के तहत चल रही थी। न्यायालय में 21 जनवरी 2020 को अभियुक्त के विरुद्ध आरोप गठन किया गया।अभियोजन पक्ष से अदालत में कूल चार गवाहों की गवाही कराई गई।गत 18 जून को अदालत ने मामले की सुनवाई पुरी कर अभियुक्त को उत्पाद अधिनियम की धारा 30 ( ) में दोषी घोषित करते हुए दरभंगा जेल भेज दिया था।अदालत ने शूक्रवार को सजा के बिन्दु पर सुनवाई के बाद अपना निर्णय सुनाया।

# एसएसबी ने मानव तस्करी की बड़ी साजिश को किया नाकाम, 12 नाबालिग सहित 13 युवक मुक्त

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जयनगर 48वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल, जयनगर की जी कंपनी ने शुक्रवार की सुबह मानव तस्करी की एक बड़ी साजिश को विफल करते हुए 12 नाबालिग एवं 1 बालिग युवक को तस्करों के चंगुल से मुक्त कराया। यह कार्रवाई सुबह करीब 9 बजे, भारत-नेपाल सीमा स्तंभ संख्या 270/13 से लगभग 30 मीटर भारत की ओर स्थित चेक पोस्ट बलदिया पर की गई। एसएसबी के सतर्क जवानों ने नियमित जांच के दौरान इस पूरे गिरोह का पदार्फाश किया। प्रारंभिक पूछताछ में यह जानकारी सामने आई कि इन सभी युवकों को अवैध रूप से नेपाल से भारत लाया जा रहा था। तस्करी की इस कोशिश में शामिल दो मानव तस्करों को मौके से गिरफ्तार किया गया, जिनकी पहचान दरभंगा जिले के दो युवकों झ बिर्जू साहनी एवं संतोष साहनी झ के रूप में हुई है। दोनों की उम्र 25 वर्ष है और वे क्रमशः हरसिंहपुर थाना के गोठा गांव एवं घनश्यामपुर थाना के कोथु गांव के निवासी हैं।मुक्त कराए गए बच्चों एवं गिरफ्तार तस्करों को अग्रिम कानूनी कार्रवाई हेतु थाना जयनगर को सौंपने की प्रक्रिया प्रगति पर है।48वीं वाहिनी के कमांडेंट गोविन्द सिंह भण्डारी ने एसएसबी टीम की इस तत्परता और मानवीय कार्य की सराहना करते हुए कहा कि भारत-नेपाल सीमा पर तैनात एसएसबी के जवान हर समय सजग रहते हैं और मानव तस्करी जैसी अमानवीय गतिविधियों को रोकने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि भविष्य में भी इसी प्रकार के ठोस प्रयास जारी रहेंगे।

# क्या विजय वर्मा को डेट कर रहीं फातिमा सना शेख? एक्ट्रेस ने अफवाहों पर लगाया विराम

**बॉलीवुड अभिनेत्री फातिमा सना शेख इन दिनों फिल्मों से ज्यादा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। बीते कुछ समय से सोशल मीडिया पर अफवाहें उड़ रही थीं कि अभिनेत्री विजय वर्मा को डेट कर रही हैं। हालांकि अब खुद फातिमा ने इस पूरे मामले पर खुलकर अपनी बात रखी है और इन अफवाहों पर विराम लगा दिया है।**

### ट्रेलर लॉन्च के मौके पर दिया बयान

मुंबई में उनकी अपकमिंग फिल्म आप जैसा कोई का ट्रेलर लॉन्च किया गया। इसी इवेंट में जब मीडिया ने उनसे उनके रिलेशनशिप स्टेटस को लेकर सवाल किया तो फातिमा ने बेबाक अंदाज में जवाब देते हुए कहा कि वो सिंगल हैं और फिलहाल किसी के साथ रिलेशनशिप में नहीं हैं। फातिमा ने मुस्कराते हुए कहा, अच्छे लड़के हैं ही नहीं यार... कोई भी नहीं है मेरी जिंदगी में। बस फिल्मों में ही अच्छे लड़के मिलते हैं।' इस बयान से साफ हो गया कि अभिनेत्री विजय वर्मा को तो डेट नहीं कर रही हैं। ताहिर जासूस समेत कई पैपराजी पेजिस पर इसकी जानकारी दी गई है।

### विजय वर्मा की ओर से अब तक चुप्पी

वहीं दूसरी ओर अभिनेता विजय वर्मा की ओर से इस पूरे मामले पर अब तक कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। न ही उन्होंने रिलेशनशिप की खबरों की पुष्टि की है और न ही खंडन किया है। ऐसे में फैंस को अभी भी उनके बयान का इंतजार है।

### गुस्ताख इश्क में नजर आएंगे साथ

हालांकि फातिमा और विजय एक साथ जल्द ही फिल्म गुस्ताख इश्क में नजर आने वाले हैं। ये एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन विभु पुरी कर रहे हैं और इसके निर्माता हैं मनीष मल्होत्रा। इस फिल्म में फातिमा और विजय की केमिस्ट्री देखने को मिलेगी, जिससे भी इन दोनों के रिश्ते को लेकर चर्चाएं तेज हो गई थीं। फिल्म में इनके साथ नसीरुद्दीन शाह और शारिब हाशमी जैसे दिग्गज कलाकार भी शामिल हैं। खास बात ये है कि इस फिल्म के जरिए गुलजार और विशाल भारद्वाज की जोड़ी एक बार फिर साथ काम करती नजर आएगी, जो संगीत प्रेमियों के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है।

### लगातार फिल्मों में बिजी हैं फातिमा

फातिमा सना शेख के वर्क फ्रंट की बात करें तो वो लगातार कई प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं। 'गुस्ताख इश्क' और 'आप जैसा कोई' के अलावा वो मेट्रो... इन दिनों जैसी फिल्मों में भी नजर आने वाली हैं। अपने दमदार अभिनय और बिंदास अंदाज से उन्होंने इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बना ली है।

कई बार एक साथ दिखे फातिमा और विजय

फातिमा और विजय को कई बार साथ में इवेंट्स और डिनर आउटिंग्स पर देखा गया था, जिससे सोशल मीडिया पर उनके रिलेशनशिप को लेकर कयास लगाए जाने लगे थे। हालांकि अब फातिमा के इस बयान के बाद ये साफ हो गया है कि दोनों के बीच सिर्फ प्रोफेशनल बॉन्ड है।

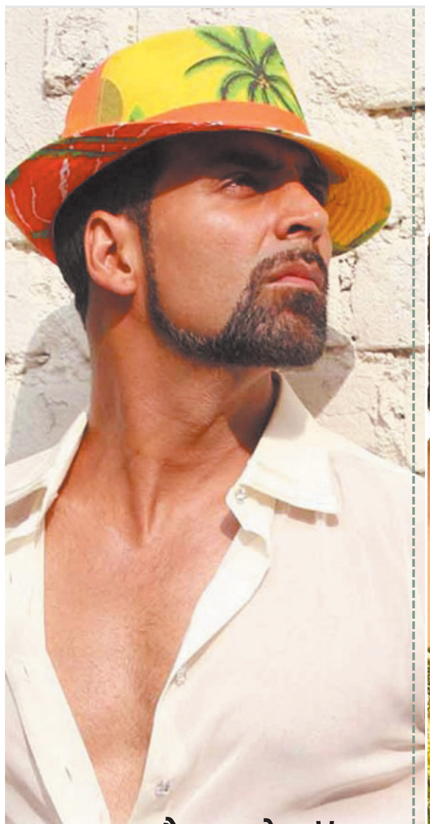

# कन्नप्पा और मां के बॉक्स ऑफिस टकराव के बीच अक्षय ने अजय देवगन से की एक गुजारिश

अक्षय कुमार की आगामी फिल्म कन्नप्पा शुक्रवार 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। इसी दिन काजोल की फिल्म मां भी थिएटर्स में दस्तक दे रही है, जिसे अजय देवगन ने प्रोड्यूस किया है। दोनों फिल्मों के बॉक्स ऑफिस क्लैश के बीच आज मंगलवार को अक्षय कुमार ने अजय देवगन से एक गुजारिश की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर किया है।

### अक्षय ने अजय को दी बधाई

अक्षय कुमार ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने फिल्म मां की क्लिप शेयर करते हुए लिखा है, यार अजय हम दोनों की पिक्चर आ रही है इस शुक्रवार को। तू अपने फैंस की गुड विश कन्नप्पा को भेज दे और मैं मेरे महादेव का आशीर्वाद मां को। क्या बोलता है? खिलाड़ी ने आगे लिखा है, भाई तुम्हें और काजोल को बहुत शुभकामनाएं। पावर तुम्हारे साथ रहे। इस पोस्ट में अक्षय ने काजोल और अजय देवगन को टैग किया है।

### अजय देवगन ने दिया ऐसा जवाब

अजय देवगन ने अक्षय कुमार के इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने खिलाड़ी का पोस्ट अपनी वॉल पर शेयर करते हुए लिखा है, तू त्रिशूल लेकर आ और मैं मां का आशीर्वाद...हम दोनों के लिए शुभकामनाएं। अक्षय कुमार और अजय देवगन अच्छे दोस्त भी हैं। दोनों सितारों की फिल्में भले ही एक दिन रिलीज हो रही हैं, मगर इससे इनके रिश्ते पर कोई असर नहीं है। दोनों ही सुपरस्टार्स खुशी-खुशी एक-दूसरे की फिल्म को प्रमोट कर रहे हैं।

### नेटिजन्स ने की तारीफ

दोनों सुपरस्टार्स की शानदार बॉन्डिंग ने नेटिजन्स का दिल जीत लिया है। यूजर्स इनकी तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, फिल्म प्रमोशन का क्या शानदार तरीका है। एक यूजर ने लिखा, एक-दूसरे को सपोर्ट करने का बहुत ही अच्छा तरीका है। एक यूजर ने लिखा, देखते हैं किसकी फिल्म चलती है।

### भगवान शिव के रोल में दिखेंगे अक्षय कुमार

बता दें कि फिल्म कन्नप्पा में अक्षय कुमार भगवान शिव के रोल में नजर आएंगे। अक्षय के अलावा फिल्म में प्रभास, मोहनलाल, विष्णु मांचू और काजल अग्रवाल जैसे सितारे भी हैं। फिल्म का निर्देशन मुकेश कुमार सिंह ने किया है।

# 'सरदार जी 3' विवादों के बीच गुरु रंधावा का क्रिप्टिक पोस्ट

दिलजीत दोसांझ इस समय अपनी आगामी पंजाबी फिल्म सरदार जी 3 को लेकर लोगों के निशाने पर हैं। उन्हें नेटिजंस की तरफ से खूब खरी-खोटी सुननी पड़ रही हैं, क्योंकि उन्होंने पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर के साथ इस फिल्म में काम किया है। इसी कड़ी में मशहूर गायक-संगीतकार गुरु रंधावा ने भी एक टिप्पणी करते हुए कहा कि यह एक पीआर द्वारा रची गई साजिश हो सकती है। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा। इस वक्त सरदार जी 3 के लिए अभिनेता दिलजीत दोसांझ को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। अब इस मामले पर चर्चित गायक गुरु रंधावा ने बिना नाम लिए टिप्पणी की है। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर ट्वीट करते हुए लिखा, भले ही अब आपकी नागरिकता भारतीय नहीं है लेकिन आप यहीं पैदा हुए हैं, प्लीज इसे याद रखें। इस देश ने महान कलाकारों को जन्म दिया है और हम सभी को इस पर गर्व है। कृपया उस जगह पर गर्व करें जहां आप पैदा हुए हैं। बस एक सलाह है। अब फिर से विवाद शुरू न करें और भारतीयों को बरगलाना शुरू न करें पीआर कलाकारों से बड़ा है।

# तलाक की खबरों के बीच भड़कीं एक्ट्रेस ऐश्वर्या शर्मा

टीवी सीरियल गुम है किसी के प्यार में नजर आ चुके एक्टर नील भट्ट और एक्ट्रेस ऐश्वर्या शर्मा इन दिनों पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। खबरें हैं कि दोनों की शादीशुदा जिंदगी में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है और वे अलग हो सकते हैं। इसी बीच ऐश्वर्या शर्मा ने एक बयान जारी किया। इसमें उन्होंने कहा कि उनके नाम पर गलत खबरें फैलाना बंद करें। ऐश्वर्या शर्मा ने गुरुवार को अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया। इसमें उन्होंने लिखा, मैं अब तक चुप थी, क्योंकि मैं शांति चाहती थी, न कि इसलिए कि मैं कमजोर हूं। लेकिन कुछ लोग मेरे नाम पर झूठी बातें फैला रहे हैं, जो मैंने कभी नहीं कही। ऐसी कहानियां बना रहे हैं जिनसे मेरा कोई लेना-देना नहीं है। बिना किसी सच के बस अपना फायदा उठाने के लिए मेरा नाम इस्तेमाल करना बहुत दुख देता है।' मैं साफ कर दूं, मैंने कोई इंटरव्यू, बयान या रिकॉर्डिंग नहीं दी है। अगर आपके पास कोई असली सबूत है। कोई मैसेज, ऑडियो या वीडियो जिसमें मैं ये बातें कह रही हूं तो दिखाइए। अगर नहीं है, तो कृपया मेरे नाम पर झूठी बातें फैलाना बंद कीजिए। मेरा जीवन आपका कंटेंट नहीं है। मेरी चुप्पी आपकी इजाज़त नहीं है। कृपया याद रखें, कोई चुप है, इसका मतलब यह नहीं कि उसके पास कहने को कुछ नहीं है। इसका मतलब है कि वह शोर के बजाय सम्मान को चुन रहा है। बता दें, सीरियल 'शो गुम है किसी के प्यार में' में नील और ऐश्वर्या की पहली मुलाकात हुई थी। इसी शो के दौरान दोनों की दोस्ती हुई और फिर प्यार हो गया। दोनों ने एक साल में ही शादी कर ली थी। इसके बाद यह जोड़ी बिग बॉस 17 में नजर आई, जहां ऐश्वर्या को कई बार नील पर गुस्सा करते और उन पर भड़कते देखा गया था।

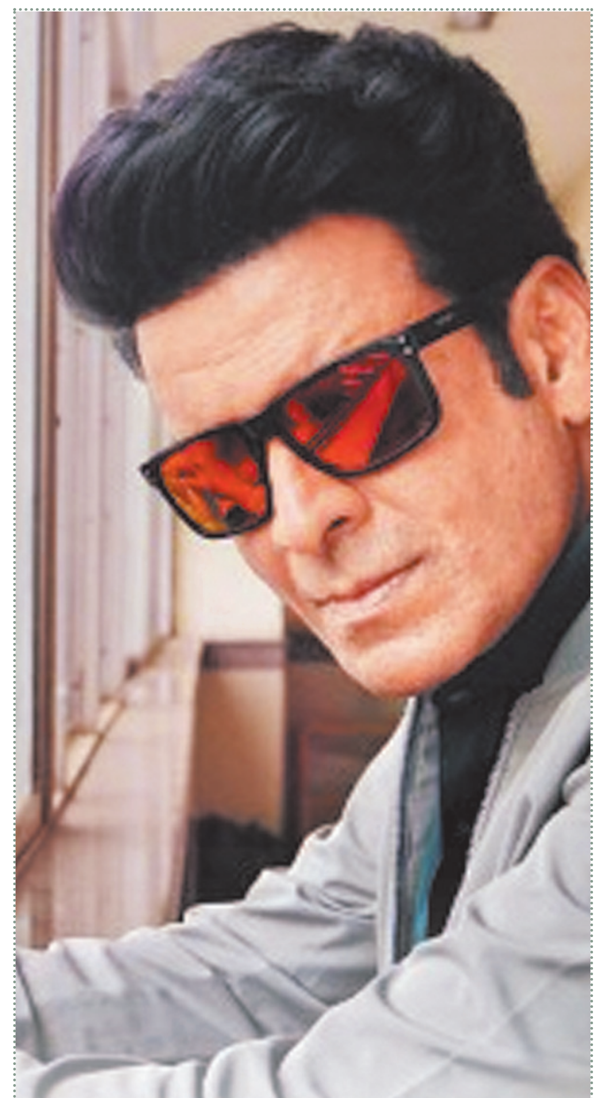

# रंग दे बसंती में लीड रोल ऑफर होने की खबर पर भड़के एक्टर

बॉलीवुड के दमदार अभिनेता मनोज बाजपेयी एक बार फिर अपनी बेबाकी को लेकर चर्चा में हैं। इस बार वजह बनी एक वायरल रिपोर्ट, जिसमें दावा किया गया कि उन्हें रंग दे बसंती फिल्म में आमिर खान के किरदार के लिए पहली पसंद बताया गया था। रिपोर्ट में ये भी कहा गया कि मनोज के जवाब न देने के कारण फिल्म छह साल तक टल गई। लेकिन जब ये खबर मनोज तक पहुंची, तो उन्होंने तुरंत सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया दी और इस खबर को सिरे से खारिज कर दिया।

### मनोज ने वायरल रिपोर्ट पर दी प्रतिक्रिया

दरअसल, मनोज बाजपेयी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इसी रिपोर्ट को रिपोस्ट करते हुए लिखा, 'और ये प्रोड्यूसर कौन है जिसने ऐसा कहा? नाम तो बताओ!! सोशल मीडिया पर इतने खाली लोटा लेकर बैठे हैं!' इस एक लाइन में ही उन्होंने न सिर्फ झूठी खबर फैलाने वालों की आलोचना की, बल्कि बिना तथ्यों के अफवाहें फैलाने वाले प्लेटफॉर्म्स पर भी तंज कसा।

### फिल्म में नजर आए थे आमिर खान

बता दें रंग दे बसंती साल 2006 की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक रही है, जिसमें आमिर खान के साथ आर. माधवन, शरमन जोशी, कुणाल कपूर, सिद्धार्थ, सोहा अली खान और वहीदा रहमान जैसे कलाकारों ने अहम भूमिकाएं निभाईं। फिल्म के निर्माता या टीम की ओर से कभी ये बात सामने नहीं आई कि मनोज को फिल्म ऑफर की गई थी। ऐसे में 18 साल बाद अचानक इस तरह की अफवाह का वायरल होना खुद अभिनेता के लिए हैरान कर देने वाला था।

### फैंस ने एक्टर के जवाब पर दिया रिएक्शन

मनोज बाजपेयी बॉलीवुड के उन गिने-चुने कलाकारों में से हैं जो सोशल मीडिया पर कम एक्टिव रहते हैं, लेकिन जब बात खुद से जुड़ी गलत जानकारी की हो, तो चुप नहीं बैठते। उनका ये जवाब सोशल मीडिया यूजर्स को काफी पसंद आ रहा है। कई फैंस ने लिखा कि 'मनोज सर का जवाब बहुत कड़क है, ऐसे ही झूठ फैलाने वालों को करारा जवाब देना चाहिए।' वहीं कुछ लोगों ने मीडिया प्लेटफॉर्म्स से सवाल पूछा कि आखिर बिना पुष्टि किए ऐसे दावे क्यों किए जाते हैं?

### वर्कफ्रंट पर मनोज बाजपेयी

मनोज इन दिनों अपने आने वाले वेब शो द फैमिली मैन सीजन 3 की तैयारियों में बिजी हैं, जिसकी रिलीज का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस सीरीज में भी मनोज अपने जासूसी अंदाज में दर्शकों को फिर से रोमांचित करने के लिए तैयार हैं।

# म्यूजिक इंडस्ट्री में आए बदलाव पर बोले ज़ुबिन नौटियाल

ज़ुबिन नौटियाल संगीत जगत में लोकप्रिय नाम हैं। अपनी सुरीली आवाज से संगीत प्रेमियों के दिलों में उन्होंने खास जगह बनाई है। हाल ही में सिंगर ने भारतीय फिल्म उद्योग में हुए विकास और बदलाव पर बात की और खुशी जताई। उन्होंने इस पर खुशी जताते हुए कहा कि पहले आर्टिस्ट बनने का सपना देखना बहुत मुश्किल था। सिंगर ज़ुबिन नौटियाल ने न्यूज एजेंसी एएनआई के साथ बातचीत में भारतीय संगीत जगत के वर्तमान परिदृश्य की तारीफ करते हुए कहा कि उभरते कलाकारों के लिए तकनीक की मदद से गाने लिखना अब ज्यादा आसान और सहज हो गया है। सिंगर ने भारत में म्यूजिक इंडस्ट्री में हुए विकास को लेकर एड शीरन और अरिजीत सिंह के नए हिट गीत सैफायर सहित भारतीय और इंटरनेशनल आर्टिस्ट के बीच सहयोग का उदाहरण भी दिया।

### नेशनल-इंटरनेशनल का फर्क खत्म

सिंगर ने विदेशों में भारतीय संगीत और भारत में अंग्रेजी संगीत के बढ़ते चलन पर भी खुशी जताई। ज़ुबिन ने कहा, अब कोई नेशनल और इंटरनेशनल नहीं रह गया है। यह सब एक हो गया है। भारत में बहुत ज्यादा इंग्लिश म्यूजिक सुना जाता है और बाहर भी भारतीय संगीत खूब सुना जा रहा है। इसलिए अब सब एक जैसा हो गया है। सिंगर ने म्यूजिक इंडस्ट्री के वर्तमान वक्त को संगीतकारों के लिए शानदार बताया। उन्होंने कहा कि वे अब किसी संगीत लेबल की मदद के बिना स्वतंत्र रूप से अपना संगीत बना सकते हैं।

### तकनीक ने आसान बनाई चीजें

अपने संघर्ष के दिनों को याद करते हुए ज़ुबिन ने कहा कि पहले, संगीत कलाकारों के लिए सफलता का मार्ग बेहद मुश्किल था, क्योंकि उन्हें करियर की बुलंदी पर पहुंचने में बहुत मशक्कत करनी पड़ती थी। अब तकनीक के कारण चीजें बहुत आसान हो गई हैं। सिंगर ने कहा, पहले, कलाकार बनने का सपना देखना बहुत मुश्किल था। लेकिन अब आप सपने देख सकते हैं और इसे समझ सकते हैं। आज, तकनीक की वजह से संगीत बनाना बहुत आसान हो गया है और गाना भी इतना आसान हो गया है। सब कुछ इतना आसान और अधिक सुलभ हो गया है।

# रिलीज से एक दिन पहले टली सोनाक्षी की फिल्म निकिता रॉय

इन दिनों सोनाक्षी सिन्हा अपनी अपकमिंग फिल्म 'निकिता रॉय' का जमकर प्रमोशन कर रहे हैं। दरअसल, 27 जून को यह फिल्म रिलीज होने वाली थी। मगर कुछ जरूरी कारणों से इसको आगे बढ़ा दिया गया। 'निकिता रॉय' के मेकर्स ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट साझा करते हुए फिल्म की अगली रिलीज डेट साझा की है। पोस्ट में लिखा है, 'हमारी फिल्म 'निकिता रॉय' कई और फिल्मों की रिलीज के बीच खुद को देख रही है, स्क्रीन को लेकर भी स्ट्रगल बना हुआ है। ऐसे में अपने वेलविशर, डिस्ट्रीब्यूटर्स की सलाह पर फिल्म 'निकिता रॉय' को 18 जुलाई तक टालने का फैसला लिया है। जिससे हम ज्यादा से ज्यादा ऑडियंस तक पहुंच पाएंगे। अब तक आपने फिल्म को लेकर जो प्यार दिखाया है, उसके लिए शुक्रिया। आपको थोड़ा इंतजार करना होगा। हम आपसे वादा करते हैं कि यह फिल्म सिनेमाघरों में देखने लायक होगी।' फिल्म 'निकिता रॉय' में सोनाक्षी ने एक जासूस का रोल किया है। जिसका मकसद एक गुरु (परेश रावल) का पर्दाफाश करना है। वह व्यक्ति लोगों को भूत-प्रेतों से छुटकारा दिलाने का दावा करता है। यह फिल्म एक हॉरर, सुपरनेचुरल थ्रिलर फिल्म है। फिल्म में अर्जुन रामपाल भी एक अहम किरदार निभा रहे हैं। सोनाक्षी के लिए खास है ये फिल्म फिल्म 'निकिता रॉय' को लेकर सोनाक्षी एक्साइटेड थी, मगर अब इसकी रिलीज टल चुकी है। बताते चलें कि साल 2022 में सोनाक्षी की फिल्म 'डबल एक्सएल' थिएटर में रिलीज हुई। इसके बाद काकुड़ा भी आई, मगर ओटीटी पर रिलीज हुई। ऐसे में देखा जाए तो तीन साल बाद सिनेमाघरों में सोनाक्षी की फिल्म रिलीज होने वाली थी, इसमें भी अब देरी होगी।

# भारत -अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर सहमति बनी

**वॉशिंगटन एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को भारत के साथ बहुत बड़े और शानदार व्यापार समझौते का संकेत दिया। यह बात दोनों देशों के अधिकारियों की टीम की ओर से व्यापार समझौते पर चार दिवसीय बंद बातचीत के कुछ सप्ताह बाद कही गई। यह बातचीत बंद कमरे में की गई थी। व्हाइट हाउस में बिग ब्यूटीफुल इवेंट को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा कि भारत के साथ उनका बहुत बड़ा सौदा होने जा रहा है।

ट्रंप ने कहा, हर कोई सौदा करना चाहता है। उसका हिस्सा बनना चाहता है। याद कीजिए कुछ महीने पहले मीडिया कह रही थी कि क्या वाकई कोई ऐसा है, जिसकी कोई दिलचस्पी हो खैर, हमने कल ही चीन के साथ समझौता किया है। हम कुछ बेहतरीन सौदे कर रहे हैं। हम एक और सौदा करने वाले हैं, शायद भारत के साथ। बहुत बड़ा सौदा। ट्रंप ने यह भी कहा कि अमेरिका हर दूसरे देश के साथ व्यापार समझौते नहीं करेगा। उन्होंने कहा, हम हर किसी के साथ सौदे नहीं करने जा रहे हैं। कुछ लोगों को हम बस एक पत्र भेजकर बहुत-बहुत धन्यवाद कहेंगे। आपको 25, 35, 45 प्रतिशत का भुगतान करना है। यह ऐसा करने का आसान तरीका है। मेरे लोग इसे इस तरह से नहीं करना चाहते।

## भारत-अमेरिका व्यापार समझौते का मकसद

मामले से परिचित लोगों ने बताया कि मेगा व्यापार सौदे पर चार दिवसीय वार्ता में कथित तौर पर दोनों देशों में औद्योगिक और कृषि उत्पादों के लिए अधिक बाजार पहुंच, टैरिफ में कटौती और गैर–टैरिफ अड़चनों पर मुख्य रूप से फोकस किया गया था। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय के अधिकारियों ने किया था, जबकि व्यापार मंत्रालय के वार्ताकारों की भारतीय टीम का नेतृत्व राजेश अग्रवाल (वाणिज्य एवं उद्योग सचिव) ने किया था।

## द्विपक्षीय व्यापार समझौते को समझिए

कथित तौर पर समझौते के लिए बातचीत का मकसद दोनों देशों के बीच वार्षिक द्विपक्षीय व्यापार को मौजूदा 190 बिलियन डॉलर से बढ़ाकर 2030 तक 500 बिलियन डॉलर करना है। 10 जून को वार्ता समाप्त होने पर केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा था कि भारत और अमेरिका एक निष्पक्ष और न्यायसंगत व्यापार समझौते पर बातचीत करने की प्रक्रिया में हैं, जिससे दोनों अर्थव्यवस्थाओं को लाभ होगा। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप फरवरी 2025 में मिले, हमारे दोनों नेताओं ने एक द्विपक्षीय व्यापार समझौते में प्रवेश करने का फैसला किया है, जो दोनों अर्थव्यवस्थाओं, दोनों पक्षों के व्यवसायों और दोनों देशों के लोगों के लिए पारस्परिक रूप से लाभकारी होगा।

# पोको ने पेश किया एफ7, सेगमेंट की सबसे बड़ी बैटरी और तेज प्रोसेसर के साथ

**मुंबई, एजेंसी।** भारत का प्रमुख कंज़्यूमर टेक ब्रांड पोको अपनी मशहूर एफ–सीरीज में नया स्मार्टफोन पोको एफ7 लेकर आया है। टेक प्रेमियों और हमेशा दौड़–भाग में लगे यूज़र्स को ध्यान में रखकर तैयार किया गया यह फोन दमदार परफॉर्मेंस, आकर्षक डिज़ाइन और शक्तिशाली बैटरी को एक पतली, स्टाइलिश बॉडी में पेश करता है। पोको एफ7 में 7550एमएएच की भारत की सबसे बड़ी बैटरी दी गई है, जिसमें सिलिकॉन कार्बन तकनीक का इस्तेमाल किया गया है, जो ऊर्जा की क्षमता और दीर्घकालिक परफॉर्मेंस को बेहतर बनाती है। यह बैटरी 90डब्लू टर्बो चार्जिंग और 22.5डब्लू रिवर्स चार्जिंग को सपोर्ट

करती है, जिससे यूज़र्स पूरे दिन और उससे भी अधिक समय तक स्मार्टफोन का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह सब महज 7.99एमएम पतली बॉडी में समाया है, जिससे यह भारत का सबसे पतला फोन बन गया है, जिसमें इतनी बड़ी बैटरी दी गई हो। एफ7 की कीमत 29,999 रुपये रखी गई है। इस फोन में सेगमेंट का सबसे बेहतरीन परफॉर्मेंस देखने को मिलता है। इसमें स्नैपड्रैगन 8ह्य त्व्द्दद्व 4 चिपसेट है, जो 2.1 मिलियन से अधिक स्कोर देता है – यह इस कैटेगरी में एक रिकॉर्ड है। साथ ही इसमें है एलपीडीडीआर5एक्स मेमोरी, स्न्न्-4.1 स्टोरेज और कुल 24जीबी (12जीबी + 12जीबी) टर्बो रेम, जो इसे परफॉर्मेंस के मामले में अपने वर्ग में अव्वल बनाते हैं। पोको का कस्टम एच4पीइआरओएस 2.0, एआइ सुइट के साथ एक स्मूद और रेस्पॉन्सिव अनुभव देता है। कूलिंग सिस्टम,ए720 बिग–कोर आर्किटेक्चर के साथ, फोन को ज़्यादा इस्तेमाल के दौरान भी ठंडा बनाए रखता है।

# टैक्सपेयर के साथ नरमी बरतें आयकर अधिकारी, सीबीडीटी ने दिए निर्देश

**नई दिल्ली, एजेंसी।** केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने देशभर में आयकर विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे करदाताओं के रिटर्न की जांच और मूल्यांकन के लिए नोटिस जारी करते समय उचित सोच सुनिश्चित करें। इसके साथ ही, सीबीडीटी ने इस बात पर जोर दिया है कि सभी प्रश्न प्रासंगिक और विशिष्ट होने चाहिए। प्रत्यक्ष कर प्रशासन के लिए नीति–निर्माण निकाय ने विभाग के सभी क्षेत्र प्रमुखों (पीसीसीआईटी या आयकर के प्रधान मुख्य आयुक्त) से भी कहा है कि वे अपने मूल्यांकन अधिकारियों पर प्रभावी निगरानी रखें और सुनिश्चित करें कि उनके द्वारा करदाताओं को भेजे गए प्रश्न उचित हों।

## क्या है सीबीडीटी के पत्र में

सीबीडीटी के चेयरमैन रवि अग्रवाल के कार्यालय द्वारा पीसीसीआईटी को भेजे गए पत्र में निर्देश दिया गया है कि एफएओ (फेसलेस असेसिंग ऑफिसर) द्वारा करदाताओं को भेजे जाने वाले प्रश्न संबंधित मामले की विशिष्ट परिस्थितियों के अनुसार प्रासंगिक, विशिष्ट और आधारित होने चाहिए। पत्र में कहा गया है कि मूल्यांकन इकाई प्रमुख (आयकर के अतिरिक्त या संयुक्त आयुक्त) ऐसे नोटिस और मूल्यांकन आदेश की गुणवत्ता के लिए प्रत्यक्ष रूप से जिम्मेदार होंगे, क्योंकि इसमें उन्हें यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

# हीरा उद्योग में गिरावट की आशंका

## कमजोर मांग, एलजीडी चुनौती और अमेरिकी टैरिफ का पड़ सकता है असर

**नई दिल्ली, एजेंसी।** कमजोर वैश्विक मांग, लैब-ग्रोन डायमंड (एलजीडी) से बढ़ती प्रतिसपर्धा और अमेरिका टैरिफ के कारण भारतीय हीरा उद्योग को दोहरे दबाव का सामना करना पड़ सकता है। रेटिंग एजेंसी आईसीआरए ही हालिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2026 में कट और पॉलिश हीरे (सीपीडी) के निर्यात में 7 से 10 प्रतिशत की गिरावट का अनुमान है। वित्त वर्ष 2025 में यह गिरावट 17 प्रतिशत रही थी। तब से ही इस क्षेत्र का दृष्टिकोण नकारात्मक बना हुआ है।

**सीपीडी निर्यात 20 साल के निचले स्तर पर पहुंचा–** आईसीआरए की रिपोर्ट में बताया गया कि सीपीडी निर्यात वित्त वर्ष 2025 में 20 साल के निचले स्तर 13.3 अरब डॉलर पर आ गया। यह वैश्विक व्यापक आर्थिक मंदी और सस्ते एलजीडी के लिए बढ़ती उपभोक्ता पसंद से प्रभावित है। ये अब पॉलिश किए गए हीरे के निर्यात का 8 प्रतिशत हिस्सा है, जो वित्त वर्ष 2019 में केवल 1 प्रतिशत था।

**अमेरिकी टैरिफ ने चिंता बढ़ाई –** इसके अलावा हाल ही में अमेरिका द्वारा 27 प्रतिशत टैरिफ

लगाए जाने से भारत के नुकसान होने की संभावना है। अमेरिका भारत के सीपीडी निर्यात का एक तिहाई से अधिक हिस्सा रखने वाला एक प्रमुख बाजार है। हालांकि वर्तमान में 10 प्रतिशत अंतरिम टैरिफ लगाकर इसे रोक दिया गया है लेकिन निर्यातक अभी भी चिंतित हैं। कई भारतीय कंपनी अब दुबई और बेल्जियम जैसे कम टैरिफ वाले केंद्रों के जरिए शिपमेंट को फिर से भेज रहे हैं ताकि प्रभाव को कम किया जा सके।

**परिचालन लाभ मार्जिन में आई गिरावट –** रिपोर्ट में बताया गया कि सीपीडी फर्मों के लिए परिचालन लाभ मार्जिन वित्त वर्ष 2025 में 400 आधार अंक घटकर लगभग 4 प्रतिशत रह गया है। वहीं आईसीआरए ने वित्त वर्ष 2026 में 3.6 से 3.7 प्रतिशत की और गिरावट का अनुमान लगाया है।

**कीमतों में आई भारी गिरावट –** इस बीच, वित्त वर्ष 2025 में कच्चे हीरों की कीमत में 8 प्रतिशत और पॉलिश हीरों की कीमत में 7 प्रतिशत की भारी गिरावट आई है।

# एसएंडपी ग्लोबल इंडिया काम करने के लिहाज से भारत की शीर्ष 100 कंपनियों (2025) में 32वें पायदान पर पहुंची

**नई दिल्ली, एजेंसी।** एसएंडपी ग्लोबल इंडिया को ग्रेट प्लेस टु वर्क इंस्टीट्यूट द्वारा काम करने के लिए भारत की सर्वोत्तम कंपनियों (शीर्ष 100) में 32वें पायदान पर रखा गया है। यह पांचवां वर्ष है जब एसएंडपी ग्लोबल इंडिया को इस सूची में स्थान मिला है और लगातार तीसरा वर्ष है जब इसे देशभर में शीर्ष 50 कार्यस्थलों में शुमार किया गया है।
एसएंडपी ग्लोबल की प्रबंध निदेशक (भारतीय परिचालन) नीलम पटेल ने कहा, लगातार तीसरे वर्ष शीर्ष 50 कंपनियों में स्थान मिलना हमारे लोगों और उस संस्कृति को एक प्रमाण है जिसका निर्माण हम सभी ने मिलकर किया है।

# नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत नए रोल में

## कनाडाई अरबपति की कंपनी में बने वरिष्ठ सलाहकार

**नई दिल्ली, एजेंसी।** कनाडाई अरबपति प्रेम वत्स की कंपनी फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स लिमिटेड ने शुक्रवार को बताया कि उसने नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत को वरिष्ठ सलाहकार नियुक्त किया है। फेयरफैक्स ने एक बयान में कहा कि पूर्व जी–20 शेरपा कांत की आर्थिक विकास, नवाचार और सतत विकास में व्यापक विशेषज्ञता से भारत में कंपनी के दीर्घकालिक निवेश दृष्टिकोण को महत्वपूर्ण लाभ मिलने की उम्मीद है। बयान के अनुसार, चूंकि भारत 2047 तक एक विकसित अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में एक महत्वाकांक्षी रोडमैप पर काम कर

रहा है, फेयरफैक्स को उम्मीद है कि इसके और इसके सहयोगियों, जिसमें फेयरफैक्स इंडिया होल्डिंग्स कॉरपोरेशन (फेयरफैक्स इंडिया) भी शामिल है, के लिए विकसित भारत पहल में भाग लेने और लाभ उठाने के कई अवसर होंगे, जिसका उद्देश्य भारत को 4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था से 30 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक की अर्थव्यवस्था में बदलने में मदद करना है। फेयरफैक्स के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रेम वत्स ने कहा, हम अमिताभ का हमारे फेयरफैक्स परिवार में स्वागत करते हुए वास्तव में उत्साहित हैं। भारत की जी–20 अध्यक्षता के दौरान कांत एक प्रमुख व्यक्ति थे, जिसकी परिणति ऐतिहासिक नई दिल्ली लीडर्स घोषणापत्र में हुई। कंपनी ने कहा कि नीति आयोग के सीईओ के रूप में, वे आकांक्षी जिला कार्यक्रम के पीछे एक प्रेरक शक्ति थे, जिसने भारत के कुछ सबसे वंचित क्षेत्रों में बदलाव किया।
कंपनी ने कहा कि उद्योग व आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव के रूप में उनके कार्यकाल में मेक इन इंडिया और स्टार्टअप इंडिया अभियान सहित महत्वपूर्ण सुधार हुए, जिससे कारोबार सुगमता रैंकिंग में 79 स्थानों का उल्लेखनीय सुधार हुआ।

# इंडसइंड बैंक को नए सीईओ की तलाश

# 3 उम्मीदवार रेस में, शेयर खरीदने दौड़े निवेशक

**नई दिल्ली, एजेंसी।** प्राइवेट सेक्टर के इंडसइंड बैंक के मैनेजमेंट में बड़े बदलाव होने वाले हैं। दरअसल, बैंक के सीईओ पद के लिए उम्मीदवारों की तलाश जारी है। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो एक्सिस बैंक के राजीव आनंद, इसके सीईओ पद के लिए मजबूत उम्मीदवार हैं। सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि एचडीएफसी बैंक के राहुल शुक्ला और बजाज फाइनेंस के अनूप साहा भी इस पद के लिए दौड़ में शामिल हो सकते हैं। बता दें कि अप्रैल के अंत में सुमंत कठपालिया ने इंडसइंड बैंक के डेरिवेटिव पोर्टफोलियो में पाई गई विसंगतियों की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दे दिया था। इसी के बाद से नए सीईओ की तलाश जारी है। एक्सिस बैंक के डिप्टी सीईओ राजीव आनंद बैंक के सीईओ पद के लिए एक मजबूत उम्मीदवार हो सकते हैं। अगर उन्हें नियुक्त किया जाता है, तो आनंद इंडसइंड बैंक के पूर्व सीईओ सुमंत कठपालिया की जगह लेंगे। इससे पहले, एक्सिस बैंक ने 25 अप्रैल को घोषणा की थी कि उसके उप प्रबंध निदेशक राजीव आनंद 3 अगस्त को ऋणदाता के बोर्ड में निदेशक के रूप में अपना तीसरा कार्यकाल पूरा करने के साथ ही अपनी सेवाओं से सेवानिवृत्त हो जाएंगे।

## ये दो नाम भी हैं रेस में

इसी तरह, एचडीएफसी बैंक के कॉमर्शियल और ग्रामीण बैंकिंग के समूह प्रमुख राहुल शुक्ला भी पद के लिए दौड़ में शामिल हो सकते हैं। बैंक की वेबसाइट के अनुसार, शुक्ला फिलहाल अवकाश पर हैं। बजाज फाइनेंस के प्रबंध निदेशक अनूप साहा भी इस दौड़ में शामिल बताए जा रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इंडसइंड बैंक का बोर्ड इन तीनों उम्मीदवारों के नाम आरबीआई को मंजूरी के लिए भेजने वाला है।

## शेयर में बंपर उछाल

इस खबर के बीच 27 जून को इंडसइंड बैंक के शेयरों में 4 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी देखने को मिली। इंडसइंड बैंक के शेयर दिन के उच्चतम स्तर 880.85 रुपये प्रति शेयर पर पहुंच गए। मार्च 2025 में शेयर की कीमत 605.40 रुपये तो पिछले साल 1,514.95 रुपये तक पहुंच गई थी।

# बीरा बीयर बनाने वाली कंपनी की मुश्किलें बढ़ीं

## भारी छूट पर बेच रही नए शेयर

**नई दिल्ली, एजेंसी।** बीरा बीयर बनाने वाल कंपनी बी9 बेवरेजेज ने अपने मौजूदा निवेशकों को भारी छूट पर नए शेयर बेचकर अब तक 85 करोड़ जुटा लिए हैं। कंपनी खर्चे कम करने के लिए कर्मचारियों की संख्या घटा रही है और अपने कारोबार को सिर्फ कुछ चुनिंदा बाजारों तक सीमित कर रही है। यह जानकारी कंपनी के करीबी लोगों ने दी।

**और पैसे की जरूरत–** कंपनी कुल 100 करोड़ जुटाना चाहती है। यह पैसा राइट्स इश्यू के जरिए आएगा, जहा मौजूदा शेयरधारकों को उनकी हिस्सेदारी के अनुपात में नए शेयर खरीदने का अधिकार दिया जाता है। बाकी बचे 15 करोड़ जुलाई के मध्य तक जुटाने की योजना है।

**शेयरों में भारी छूट–** ये शेयर 325 प्रति शेयर के भाव पर बेचे जा रहे हैं। यह कीमत पिछले निवेश से 55 प्रतिशत कम है, जब जापान की किरिन कंपनी ने 700 से अधिक प्रति शेयर के भाव पर पैसा लगाया था। बी9 के लगभग 6,500 निजी निवेशक हैं, और एक बड़ा फैमिली ऑफिस भी पहली बार इसमें पैसा लगाने वाला है।

**कर्मचारियों में कटौती–** पिछले दो सालों में बहुत से कर्मचारी कंपनी छोड़कर गए। उन्होंने अपने कर्मचारी स्टॉक विकल्प बेच दिए। कंपनी ने कर्मचारियों की संख्या भी घटाई है। पहले करीब 975 कर्मचारी थे, अब सिर्फ 500 बचे हैं। एक अधिकारी ने बताया, आईपीओ से पहले जोमैटो के भी इतने शेयरधारक नहीं थे, जितने आज बी9 के हैं।

**क्यों घाटा बढ़ा–** बीयर बनाने का धंधा पैसे-खपत वाला है। राज्य सरकारें बिक्री पर लगने वाले टैक्स के रूप में राजस्व का दो-तिहाई हिस्सा ले लेती हैं। साथ ही, ढुलाई का खर्च भी ज्यादा होता है। इसका असर कंपनी के नतीजों पर दिखा। 2023-24 में कंपनी का राजस्व 824.3 करोड़ से घटकर 638.5 करोड़ रह गया। उसी साल नुकसान बढ़कर 748.8 करोड़ हो गया, जो पिछले साल 445.4 करोड़ था। कंपनी ने अपना आईपीओ भी 2026 से टालकर 2028 कर दिया है।

**बदल रही है रणनीति–** कंपनी अब देश के 25-30 बाजारों की बजाय सिर्फ बड़े महानगरों और चार टियर-2 शहरों पर ध्यान देगी। वह अपनी बीयर खुद बनाने के बजाय अब दूसरों से बनवाएगी (कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरिंग)। इससे उसे सालाना 600 करोड़ की बचत होगी। सिर्फ ग्वालियर और नागपुर की दो ब्रेवरी अब उसके लिए खासतौर पर बीयर बनाएंगी। आंध्र प्रदेश, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र जैसे राज्यों पर फोकस बढ़ाया जाएगा, जो उसके राजस्व का 55 प्रतिशत हिस्सा हैं।

**आगे की उम्मीदें–** कंपनी को उम्मीद है कि नई रणनीति से उसका मुनाफा बढ़ेगा। 2026 तक उत्पादन क्षमता 2.5 करोड़ केस से घटाकर 1.5 करोड़ केस की जाएगी। कारखानों के खर्च में 50 प्रतिशत तक कटौती होगी। 2024 में 63 प्रतिशत रहे मार्जिन के 2026 तक 66 प्रतिशत होने की संभावना है। कंपनी के एक अधिकारी का कहना है, 325 का भाव पिछले निवेश से सस्ता है, इसलिए कर्मचारी भी शेयर खरीद रहे हैं। दिल्ली जैसे बाजारों में हमारी पकड़ मजबूत हो रही है।

# जेएसडब्ल्यू पेंट्स ने खरीदी एक्जो नोबल की भारतीय कंपनी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** जेएसडब्ल्यू पेंट्स ने एक्जो नोबल इंडिया के कारोबार को करीब 12,000 करोड़ (लगभग 1.1 अरब डॉलर) में खरीदने का करार किया है। इसके बाद जेएसडब्ल्यू अब भारत की चौथी सबसे बड़ी पेंट कंपनी बन जाएगी। जानकारों के मुताबिक, महीनों की बातचीत के बाद जेएसडब्ल्यू ने अक्जो नोबेल में 75 प्रतिशत हिस्सेदारी 9,000 करोड़ में खरीदने का फैसला किया, जो गुरुवार के बाजार भाव से 17.4 प्रतिशत सस्ता है। इस डील के बाद आज एक्जो नोबल के शेयरों में 7 फीसद से अधिक की उछाल है। जेएसडब्ल्यू ने इंडिगो पेंट्स-एडवेंट कंसोर्टियम और पिडिलाइट इंडस्ट्रीज जैसी बड़ी बोलियों को पछाड़ा। इस अधिग्रहण से जेएसडब्ल्यू इंडस्ट्रियल पेंट्स सेगमेंट में कंसाई नेरोलैक के बाद दूसरे नंबर पर पहुंच जाएगी। अक्जो नोबेल के शेयरधारकों के लिए 26 प्रतिशत हिस्सेदारी की ओपन ऑफर होगी, जिसकी कीमत सेबी के फॉर्मूले (गुरुवार के क्लोजिंग प्राइस 3,213/शेयर) के आधार पर तय होगी।

# पीएनजी ज्वेलर्स ने नए ब्रांड 'लाइटस्टाइल' के साथ हाय-ग्रोथ वाले हल्के आभूषण सेगमेंट में किया प्रवेश

**नई दिल्ली, एजेंसी।** सराफी उद्योग में 192 वर्षों की विरासत और विश्वासार्हता रहे भारत के सबसे भरोसेमंद ज्वेलरी ब्रांड / हाऊस में से एक पीएनजी ज्वेलर्स ने आज पुणे में अपने समकालीन सब–ब्रांड लाइट स्टाइल बाय पीएनजी के शुरू करने की घोषणा की. यह लॉन्च पीएनजी के विकास में एक महत्वपूर्ण कदम है क्योंकि यह हर रोज पहनने के लिए हल्के, डिज़ाइन–फ़ॉरवर्ड आकर्षक आभूषणों के माध्यम से आभूषण खरीदारों की अगली पीढ़ी से जुड़ता है. 18 कैरेट और 22 कैरेट सोने में तैयार लाइट स्टाइल 25–40 वर्ष की आधुनिक, स्टाइल के प्रति सजग महिलाओं के लिए तैयार किया गया है, जो आभूषणों का चयन न केवल परंपरा या उपहार के लिए

करती हैं, बल्कि अपनी शैली के विस्तार के रूप में भी करती हैं. वर्कमीटिंग्स और कॅज्युअलआउटिंग्ज से लेकर प्री–फेस्टिवगेट– टुगेदर्स और छोटे –मोटे समारोहों तक, लाइट स्टाइल प्रतिभावान, न्यूनतम पीसेस प्रस्तुत करता है, जिसमें परिष्कार और सहजता का मिश्रण है. 22 जून 2025 को पुणे के खराडी और वाकड में लाइट स्टाइल के दो स्टोर शुरू किए जाएंगे, जिनका उद्घाटन प्रसिद्ध अभिनेत्री सई ताम्हण करके हाथों से किया जाएगा।
भारत में हल्के वजन के बढ़िया आभूषणों के बाजार में तेजी देखी गई है, जो सोने की बढ़ती कीमतों, प्राथमिक आभूषण खरीदारों के रूप में महिलाओं की उभरती भूमिका और समकालीन जीवन शैली के अनुकूल व्यावहारिक, डिजाइन से समृद्ध आभूषणों की बढ़ती चाहत के कारण संभव हो पाया है. 14 कॅरेट और 18 कॅरेट सोने के विभाग में अब दैनिक उपयोग के आभूषणों की खरीदारी में महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है।

# 'रिटायर्ड' विराट कोहली- रोहित शर्मा का जलवा

**● इंग्लैंड में फैंस नहीं, ऑस्ट्रेलिया में सीरीज से 4 महीने पहले टिकट सोल्ड आउट**

**● अक्टूबर-नवंबर के बीच तीन वनडे और पांच टी20 मुकाबलों की सीरीज**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत-ऑस्ट्रेलिया की टीमें अक्टूबर-नवंबर के बीच तीन वनडे और पांच टी20 मुकाबलों की सीरीज खेलेंगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के अनुसार सिडनी में वनडे मैच और कैनबरा में टी20 मुकाबले के लिए पब्लिक टिकट एलोकेशन चार महीने पहले ही सोल्ड आउट हो चुका है। 'सीए' के अनुसार एशेज में रिकॉर्ड तोड़ टिकट बिक्री के अलावा, ऑस्ट्रेलिया में भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच 'व्हाइट-बॉल सीरीज' के लिए टिकट खरीदने में भारतीय लोगों की दिलचस्पी देखी गई है।

आलम ये रहा कि भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच इन आठ मैचों के लिए 90 हजार टिकट्स, जिसमें मेलबर्न और ब्रिसबेन में होने वाले टी20 मैच भी शामिल हैं, टिकट बिक्री विंडो खुलने के दो सप्ताह बाद ही बिक चुके हैं। बता दें कि रोहित शर्मा और विराट कोहली वनडे में ऑस्ट्रेलिया में खेलते नजर आएंगे। जहां सीरीज शुरू होने से 4 महीने पहले ही टिकस सोल्ड आउट हो गई है, वहीं इंग्लैंड में प्रैक्टिस सेशन के दौरान भारतीय फैंस नहीं दिख रहे हैं। इसकी अहम वजह

विराट और रोहित हो सकते हैं।

सीए के कार्यकारी महाप्रबंधक, इवेंट्स और ऑपरेशन्स जोएल मॉरिसन ने बयान में कहा, सीरीज से चार महीने पहले एससीजी वनडे और मनुका ओवल टी20 के लिए हमारे पब्लिक टिकट एलोकेशन का इस्तेमाल करना क्रिकेट फैंस के बीच आगामी सीजन के लिए जबरदस्त रुचि का सबूत है। हम पिछले समर में रिकॉर्ड तोड़ने वाली बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के बाद भारतीय प्रवासियों के बीच निरंतर मजबूत जुड़ाव देखकर रोमांचित हैं। ऑस्ट्रेलियाई और भारतीय फैंस की भारी भीड़ का अनुमान है कि हम फिर से प्रत्येक मैच के दौरान स्टेडियम में जबरदस्त माहौल देखेंगे। हमें अब तक के सबसे शानदार समर की उम्मीद है। हम फैंस को जल्दी टिकट खरीदने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, ताकि वह इन मुकाबलों से न चूकें।

सीए ने बताया है कि अब तक बेची गई 16 प्रतिशत से ज्यादा टिकटें इंडियन फैन क्लब्स ने खरीदी हैं। %भारत आर्मी% सबसे एक्टिव फैन क्लब्स में से एक रहा है, जिसने 2,400 से ज्यादा टिकटें खरीदी हैं। भारत में रहने वाले फैंस ने भी 1,400 से ज्यादा टिकटें खरीदकर काफी उत्साह दिखाया है।

इसके अलावा, ऑस्ट्रेलिया के अग्रवाल समुदाय %ब्रिसी बनियास% के अमित गोयल ने गाबा में खेले जाने वाले टी20 मैच के लिए 880 टिकट खरीदे हैं, जो किसी एक मैच के लिए सबसे ज्यादा टिकट लेने वाले खरीदार बन गए हैं। 'गोल्ड कोस्ट' और 'पक्का लोकल' के भारतीय समुदाय ने गोल्ड कोस्ट और एमसीजी टी20 मैच के लिए 500 से ज्यादा टिकट खरीदे हैं।

### भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच वनडे सीरीज शेड्यूल

- **19 अक्टूबर**– पहला वनडे मैच, पर्थ स्टेडियम (पर्थ)
- **23 अक्टूबर**– दूसरा वनडे मैच, एडिलेड ओवल (एडिलेड)
- **25 अक्टूबर**–तीसरा वनडे मैच, सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (सिडनी)

### भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच टी20 सीरीज शेड्यूल

- **29 अक्टूबर**– पहला टी20 मैच, मनुका ओवल (कैनबरा)
- **31 अक्टूबर**– दूसरा टी20 मैच, मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (मेलबर्न)
- **2 नवंबर**– तीसरा टी20 मैच, बेलेरिव ओवल (होबार्ट)
- **6 नवंबर**-चौथा टी20 मैच, गोल्ड कोस्ट स्टेडियम (गोल्ड कोस्ट)
- **8 नवंबर**-पांचवां टी20 मैच, द गाबा (ब्रिस्बेन)

# आईसीसी ने टी20 पावरप्ले नियमों में किए बड़े बदलाव

**वर्षा प्रभावित मैचों में इतने ओवर का होगा का पावरप्ले**

**दुबई (एजेंसी)।** अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पुरुषों के टी–20 क्रिकेट मैचों के नियमों में किए गए महत्वपूर्ण बदलाव के तहत वर्षा प्रभावित मैचों में पावरप्ले का निर्णय ओवर के आधार पर होगा। आईसीसी ने अगर बारिश या किसी अन्य वजह से मैच के ओवर कम किए जाते हैं तो पावरप्ले के ओवर भी उसी आधार पर तय किए जाएंगे। वर्तमान नियमों के अनुसार 20 ओवर की पारी में शुरुआती छह ओवर पावरप्ले के होते हैं। नई नियम के तहत वर्षा प्रभावित मैचों में पांच ओवर के मैच के लिए 1.3 ओवर का पावरप्ले होगा। छह ओवर के लिए 1.5, सात ओवर के लिए 2.1, आठ ओवर के लिए 2.2, 9 ओवर के लिए 2.4, दस ओवर के लिए तीन ओवर, 11 ओवर के लिए 3.2, 12 ओवर के लिए 3.4, 13 ओवर के लिए 3.5, 14 ओवर के लिए 4.1, 15 ओवर के लिए 4.3, 16 ओवर के लिए 4.5, 17 ओवर के लिए 5.1, 18 ओवर के लिए 5.2 तथा 19 ओवर के लिए 5.4 ओवर पावरप्ले के होंगे। इस दौरान ओवर के बीच हुए बदलाव को लेकर अंपायर संकेत देंगे। ये नियम जुलाई से लागू होंगे। यह नियम इंग्लैंड के टी– 20 ब्लास्ट टूर्नामेंट में कई सालों से उपयोग किया जा रहा है, जहां ओवर के बीच में पावरप्ले समाप्त होने से खिलाड़ियों या मैच अधिकारियों को कोई परेशानी नहीं होती है। इसके अलावा टेस्ट क्रिकेट में ओवर–रेट पर नियंत्रण के लिए स्टॉप क्लॉक का उपयोग, नो–बॉल पर भी कैच की वैधता जांचना, घरेलू प्रथम श्रेणी क्रिकेट में खिलाड़ी स्थानांतरण की मंजूरी देना तथा पुरुष अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खेलने की शर्तों में किए गए कुछ अन्य प्रमुख बदलाव हैं। इनमें से कुछ नए नियम विश्व टेस्ट टेस्ट चैंपियनशिप (2025–27) के नए चक्र में पहले से लागू हो चुके हैं। सफेद गेंद क्रिकेट से संबंधित नियम दो जुलाई से प्रभावी होंगे। टी–20 प्रारूप में पावरप्ले के दौरान केवल दो खिलाड़ी ही 30 गज के बाहर होते हैं। इसके बावजूद टी 20 मैचों को और स्पष्ट और निष्पक्ष बनाने के लिए इसे सख्ती से लागू करने की बात कही गई है।

# हम आसानी से मैच जीत सकते हैं

**मोहम्मद शमी ने दूसरे टेस्ट से पूर्व दिखाया रास्ता**

**लीड्स (एजेंसी)।** भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स के हेडिंग्ले में खेले गए पहले टेस्ट मैच में टीम की गेंदबाजी से असंतुष्ट हैं। इंग्लैंड ने 371 रन के लक्ष्य के जवाब में आखिरी दिन 350 रन बनाए और 5 विकेट से जीत दर्ज की। ??भारतीय गेंदबाजों ने सभी पारियों में 4.5 रन प्रति ओवर से अधिक रन लुटाए जिसमें केवल जसप्रीत बुमराह ही प्रभावी दिखे। बुमराह ने पहली पारी में 5 विकेट लिए लेकिन दूसरी इनिंग में कोई विकेट नहीं ले पाए।

शमी ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, गेंदबाजी में अन्य भारतीय गेंदबाजों को बुमराह से बात करनी चाहिए और उनसे सीखना चाहिए। उन्हें उनके साथ योजना बनाने और उनका समर्थन करने के बारे में बात करनी चाहिए। अगर वे बुमराह का समर्थन करेंगे, तो हम आसानी से मैच जीत सकते हैं। अगर मैं पहले मैच की बात करूं, तो मुझे लगता है कि हमें गेंदबाजी में थोड़ा काम करने की जरूरत है।

शमी ने शार्दुल ठाकुर और प्रसिद्ध कृष्णा के विकेटों का खेल पर कोई प्रभाव ना पड़ने की भी बात की। उन्होंने कहा, शार्दुल ठाकुर और प्रसिद्ध कृष्णा ने दूसरी पारी में दो-दो विकेट लिए, लेकिन जब तक शार्दुल ने इंग्लैंड के दो बल्लेबाजों को आउट किया, तब तक मैच भारत की पहुंच से बाहर हो चुका था। नई गेंद से विकेट लेना बहुत जरूरी है। उन्हें बुमराह का समर्थन करना चाहिए। इंग्लैंड ने पहला टेस्ट इसलिए जीता क्योंकि हमने बहुत सारे आसान रन दिए। हमें यह पता लगाने की जरूरत है कि अपनी गेंदबाजी को कैसे मजबूत बनाया जाए।

# व्हाइट-बॉल सीरीज के लिए श्रीलंका की मेजबानी करेगा जिम्बाब्वे, शेड्यूल हुआ जारी

**हरारे (जिम्बाब्वे) (एजेंसी)।** जिम्बाब्वे व्हाइट-बॉल सीरीज के लिए श्रीलंका की मेजबानी करेगा जिसमें दो वनडे और तीन टी20 मैच शामिल हैं। ये सभी मैच एक ही स्थान हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले जाएंगे। द्धष्ट के अनुसार व्हाइट-बॉल सीरीज की शुरुआत 29 अगस्त को होगी और इसके बाद सितंबर की शुरुआत में टी20आई सीरीज होगा। यह दौरा जिम्बाब्वे के लिए और भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि टी20 मैच आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप अफ्रीका क्षेत्रीय फाइनल से पहले महत्वपूर्ण तैयारी के रूप में काम करेगा जिसकी मेजबानी जिम्बाब्वे 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक करेगा।

क्षेत्रीय फाइनल आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के लिए अंतिम दो अफ्रीकी स्थानों का निर्धारण करेगा जिसकी मेजबानी भारत और श्रीलंका संयुक्त रूप से करेंगे। जिम्बाब्वे क्रिकेट के प्रबंध निदेशक गिवमोर माकोनी ने आगामी

श्रृंखला के बारे में आशावाद और उत्साह व्यक्त किया। माकोनी ने कहा, हमें श्रीलंका के जिम्बाब्वे दौरे की पुष्टि करते हुए खुशी हो रही है, जो एक रोमांचक और प्रतिस्पर्धी श्रृंखला होने की उम्मीद है। हमारे दोनों देशों के बीच मैचों में हमेशा मनोरंजक क्रिकेट देखने को मिलता है और यह दौरा हमारी टीम के लिए एक महत्वपूर्ण समय पर आया है, क्योंकि हम आगामी टी20 विश्व कप क्वालीफाइंग अभियान की तैयारी कर रहे हैं।

पिछली बार दोनों देशों के बीच मुकाबला जनवरी 2024 में हुआ था, जब श्रीलंका ने अपने घर में तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में 2-0 से जीत हासिल की थी। दौरे के लिए टीमों की घोषणा अभी नहीं की गई है। जिम्बाब्वे आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियन दक्षिण अफ्रीका की मेजबानी के लिए तैयार है, जहां वह दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगा उसके बाद प्रोटियाज और न्यूजीलैंड के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज खेलेगा। दूसरी ओर श्रीलंका बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू मैदान पर चल रहे विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र के अपने पहले असाइनमेंट में भाग ले रहा है, और दौरे के लाल गेंद चरण के बाद तीन वनडे और इतने ही टी20 मैच खेलेगा।

### श्रीलंका के खिलाफ जिम्बाब्वे सीरीज

29 अगस्त – पहला वनडे
31 अगस्त – दूसरा वनडे
3 सितंबर – पहला टी20 मैच
6 सितंबर – दूसरा टी20 मैच
7 सितंबर – तीसरा टी20 मैच

# हरभजन सिंह और गीता बसरा के शो में खुलासा

**बुमराह ने शादी से पहले संजना से उनके साथ भागने की बात की थी, गणेशन ने ऐसे किया था ट्रोल**

**मुंबई (एजेंसी)।** आईसीसी क्रिकेटर ऑफ द ईयर का पुरस्कार जीत चुके बुमराह अपनी पत्नी संजना गणेशन के साथ हरभजन सिंह और गीता

बसरा के शो 'हू इज द बॉस' में नजर आए। एपिसोड के प्रोमो के दौरान संजना ने शादी से पहले की एक घटना शेयर की जिसमें उन्होंने बुमराह को उनके रनर-अप को लेकर ट्रोल किया।

दुनिया के नंबर 1 टेस्ट गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ हेडिंग्ले, लीड्स में खेले गए पहले टेस्ट मैच में भारत की गेंदबाजी की अगुआई की। पहली पारी में पांच विकेट लेने के बावजूद भारत को सीरीज के पहले मैच में पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा।

स्पोर्ट्स प्रेजेंटर गणेशन ने और बुमराह ने मार्च 2021 में शादी की थी। शो के दौरान गणेशन ने कहा, तुम रन-अप पर भी नहीं भागते हो। तुम मेरे साथ क्या भागोगे? यह जवाब गणेशन ने बुमराह द्वारा शादी से पहले उनके साथ भाग जाने के सुझाव के जवाब में था।

इंग्लैंड के खिलाफ 2 से 6 जुलाई तक बर्मिंघम के एजबेस्टन में होने वाले दूसरे टेस्ट के लिए बुमराह की उपलब्धता अनिश्चित बनी हुई है। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर, मुख्य कोच गौतम गंभीर, कप्तान शुभमन गिल और खुद बुमराह सहित भारत के टीम प्रबंधन ने पुष्टि की है कि वह इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला के केवल तीन मैचों में भाग लेंगे।

# ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज के दौरान वेस्टइंडीज के क्रिकेटर पर लगे यौन उत्पीड़न के आरोप

**गुयाना (एजेंसी)।** राष्ट्रीय पुरुष टीम का हिस्सा रहे वेस्टइंडीज के एक क्रिकेटर पर बलात्कार और यौन उत्पीड़न सहित यौन दुराचार के कई गंभीर आरोप लगे हैं। इन आरोपों की रिपोर्ट सबसे पहले गुयाना के आउटलेट कैएटूर न्यूज ने की थी और बाद में स्पोर्ट्समैक्स टीवी ने इसे और बढ़ा दिया। इस घटना में कम से कम ग्यारह महिलाएं शामिल हैं, जिनमें से एक कथित तौर पर किशोरी है। यह खबर ऐसे समय में आई है जब वेस्टइंडीज की पुरुष टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की महत्वपूर्ण सीरीज खेल रही है जिसका पहला टेस्ट वर्तमान में केंसिंग्टन ओवल, बारबाडोस में चल रहा है। मैदान पर शानदार प्रदर्शन के बावजूद टीम अब मैदान के बाहर की एक समस्या से जूझ रही है जिसके कानूनी और प्रतिष्ठा संबंधी बड़े परिणाम हो सकते हैं।

मुख्य आरोप गुयाना के बर्बिस की एक युवती ने लगाया था। उसके बाद से कई अन्य महिलाएं भी सामने आई हैं, जिन्होंने यौन उत्पीड़न, अनुचित व्यवहार और उत्पीड़न की घटनाओं का आरोप लगाया है। कम से कम 11 महिलाओं ने आरोप लगाए हैं। एक अखबार ने क्रिकेटर को बचाने के उद्देश्य से संभावित कवर-अप का आरोप लगाया है। कई पीड़ितों का मानना ??है कि अधिकारियों ने जानबूझकर मामले को दबा दिया है।

**भारत-पाक मैच पर बोले पर रोहित शर्मा**

# इसकी तुलना किसी से नहीं की जा सकती

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत-पाकिस्तान के बीच होने वाले मुकाबले को लेकर क्रिकेट प्रेमियों और खिलाड़ियों में उत्साह और चर्चा बेजोड़ है, क्योंकि दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक प्रतिद्वंद्विता है। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ऐसे कई मैचों का हिस्सा रहे हैं और उन्होंने माना कि इन मुकाबलों से पहले का माहौल बेजोड़ होता है। टी20 विश्व कप 2024 में दोनों के बीच हुए मुकाबले को याद करते हुए रोहित ने कहा कि मैच से पहले का माहौल किसी उत्सव जैसा था, जो उनके होटल से शुरू होकर स्टेडियम तक फैला हुआ था। भारत ने कम स्कोर वाले रोमांचक मैच 6 रन से मैच जीता, जिसमें जसप्रीत बुमराह ने 14 रन देकर 3 विकेट चटकाए और प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीता।

रोहित ने कहा, भारत बनाम पाकिस्तान मैच से पहले हमें बताया गया कि कोई खतरा है - कुछ चल रहा है। इसलिए, खेल से दो दिन पहले, हमें होटल से बाहर निकलने की अनुमति नहीं थी। वहां से माहौल बनना शुरू हुआ। हम खाने का ऑर्डर दे रहे थे, और होटल इतना भरा हुआ था कि आप मुश्किल से चल पा रहे थे। प्रशंसक, मीडिया - हर कोई वहां था। तब आपको एहसास होता है कि यह कोई आम मैच नहीं है, कुछ खास होने वाला है।

उन्होंने कहा, जैसे ही हम स्टेडियम के पास पहुंचे, यह पहले से ही एक उत्सव जैसा लग रहा था, भारतीय प्रशंसक, पाकिस्तानी प्रशंसक, सभी नाच रहे थे और आनंद ले रहे थे। मैंने अब तक बहुत सारे भारत-पाकिस्तान मैच खेले हैं, मैं गिनती भूल गया हूं, लेकिन मैच से पहले की वह ऊर्जा, वह एहसास... यह हमेशा कुछ और ही होता है। इसकी तुलना किसी से नहीं की जा सकती।

मैच में भारत को विराट कोहली (4), रोहित (13) और अक्षर पटेल (20) के रूप में शुरुआती झटके लगे, लेकिन ऋषभ पंत ने 31 गेंदों पर छह चौकों की मदद से 42 रनों की निर्णायक पारी खेली और टीम को 119 के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया, क्योंकि मध्य क्रम में कोई अन्य बल्लेबाज दोहरे अंक तक नहीं पहुंच सका। पंत के प्रयासों की सराहना करते हुए रोहित ने कहा कि विकेटकीपर-बल्लेबाज ने अपनी क्षमता के अनुसार खेला और चुनौतीपूर्ण सतह पर टीम को जीवंत रखा।

उन्होंने कहा, हम चाहते थे कि ऋषभ ऋषभ ही रहे। पंत वे सभी चीजें करें जो वह सबसे अच्छा करते हैं, गेंदबाजों को परेशान करें, खुलकर खेलें। उन्होंने यह पूरी तरह से किया। उनकी पारी लगभग 42 रन की थी, और उस पिच पर, यह 70 रन बनाने के बराबर है। यह बहुत ही चुनौतीपूर्ण सतह थी, हमेशा कुछ न कुछ हो रहा था।

रोहित ने कहा, वहां का स्कोर शायद 130 या 140 था। हम 119 रन बनाकर आउट हुए। हमारी योजना 200 रन बनाने की नहीं थी - हम 140 रन बनाने का लक्ष्य लेकर चल रहे थे। लेकिन निश्चित रूप से, हमने इस दौरान विकेट गंवाए। और तभी ऋषभ ने 40 से अधिक रन की महत्वपूर्ण पारी खेली, जिसने वास्तव में मैच को संभाला। आखिरकार, हम 119 रन पर आउट हो गए और मुझे वास्तव में लगा कि यह अभी भी एक अच्छा स्कोर हो सकता है। शायद 10-15 रन कम, लेकिन मुझे पता था कि अगर हमें नई गेंद से 2-3 शुरुआती विकेट मिल गए तो 119 रन 160 रन जैसा लगने लगेगा।

# ग्रीनलैंड में तीन महीने तक 24 घंटे सूरज की रोशनी में गुलजार होंगे फुटबॉल मैदान

**नुउक (ग्रीनलैंड) (एजेंसी)।** यूं तो ग्रीनलैंड साल में अधिकांश समय बर्फ से ढका रहता है लेकिन जून से अगले तीन महीने यहां 24 घंटे सूरज की रोशनी रहती है जिसका इंतजार फुटबॉल के दीवाने यहां के लोगों को बेसब्री से रहता है ताकि वे अपना पसंदीदा खेल देख सकें या मैदान पर अपना हुनर दिखा सकें। करीब 56000 की आबादी वाले द्वीप में 10 प्रतिशत यानी करीब 5600 लोग पंजीकृत फुटबॉल खिलाड़ी हैं।

जून की शुरूआत में जब मध्य अमेरिका, उत्तर परिसंघ और कैरेबियाई फुटबॉल संघ (कोंकाकाफ) ने मिलकर ग्रीनलैंड फुटबॉल संघ का सदस्य बनने का आवेदन खारिज कर दिया तो यहां के फुटबॉल प्रेमियों को करारा झटका लगा। खनिजों से भरे और रणनीतिक तौर पर महत्वपूर्ण इस द्वीप पर कब्जा करने की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ख्वाहिश के चलते कुछ लोगों ने इसके लिए राजनीति को दोषी ठहराया।

कोंकाकाफ फीफा के अधीन छह उपमहाद्वीपीय महासंघों में से एक है। नाटो सहयोगी डेनमार्क और ग्रीनलैंड की सरकारों की फटकार के बावजूद अमेरिकी राष्ट्रपति ने सैन्य बल के इस्तेमाल से इंकार नहीं किया है। डेनमार्क और ग्रीनलैंड के नेताओं का कहना है कि यह द्वीप बिक्री के लिए नहीं है

और उन्होंने अर्ध-स्वायत्त डेनमार्क के क्षेत्र पर अमेरिका द्वारा खुफिया जानकारी जुटाने की रिपोर्टों की निंदा की है। ग्रीनलैंड फुटबॉल टीम के कप्तान पैट्रिक फ्रेडरिकसेन ने हालांकि कहा कि यह फैसला आर्थिक कारणों से लिया गया है। उन्होंने कहा, 'हम सभी को पता है कि ग्रीनलैंड यात्रा करना कितन कठिन है।

इस महीने की शुरूआत में अमेरिका से ग्रीनलैंड की सीधी उड़ान यहां पहुंची। न्यूजर्सी से नुउक तक का एक तरफ का टिकट 1200 डॉलर है। बाकी उड़ाने आइसलैंड या कोपेनहेगन होकर आती हैं। इन सभी के बीच यहां के निवासियों की फुटबॉल को लेकर दीवानगी कम नहीं हुई है। अगले तीन महीनों में जब तापमान पांच से 10 डिग्री सेल्सियस के करीब होगा, वे फुटबॉल खेलने में अधिकांश समय बिताना चाहते हैं।

एक खिलाड़ी एंगुटिमारिक क्रेउत्जमैन ने कहा, 'हम पूरी रात फुटबॉल खेलेंगे। अंधेरा नहीं होने वाला है तो हमारे पास समय ही समय है। नुउक में एक क्लब के कोच आस्कर स्कॉट कार्ल ने कहा, 'आपको यहां एक मैच देखना चाहिए। इतने सारे लोग इसे देखने के लिए जुटते हैं। इससे देश में एकजुटता की भावना आती है। सर्दियों के लंबे मौसम में अधिकांश खिलाड़ी फुटसाल खेलते हैं जो एक खास तरह की गेंद से हैंडबॉल कोर्ट पर खेला जाने वाला इंडोर फुटबॉल खेल है। इसमें एक टीम में पांच खिलाड़ी होते हैं।

## संक्षिप्त समाचार

### हरियाणा मंत्रिमंडल ने शहीद सैनिकों के बच्चों के लिए छात्रवृत्ति योजना को मंजूरी दी

**चंडीगढ़, एजेंसी।** हरियाणा मंत्रिमंडल ने शहीद सैनिकों और अर्द्धसैन्य बलों के जवानों के बच्चों के लिए एक खास छात्रवृत्ति योजना शुरू करने के प्रस्ताव को बृहस्पतिवार को मंजूरी दे दी। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपने संकल्प पत्र में सशस्त्र बलों के शहीदों के बच्चों को छात्रवृत्ति प्रदान करने का वादा किया था। अब सरकार ने सशस्त्र बलों के साथ-साथ अर्द्धसैन्य बलों के शहीदों के बच्चों को भी छात्रवृत्ति देने का निर्णय लिया है। यह जानकारी एक आधिकारिक बयान में दी गई। मार्च में राज्य सरकार के वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में शहीद सैनिकों और अर्द्धसैन्य बलों के जवानों के बच्चों के लिए छात्रवृत्ति योजना का प्रस्ताव रखा गया था। इस योजना के तहत कक्षा 6 से 12 वीं तक के छात्रों को सालाना 60,000 रुपये की छात्रवृत्ति मिलेगी। स्नातक करने वालों के लिए छात्रवृत्ति राशि 72,000 रुपये प्रति वर्ष होगी, जबकि स्नातकोत्तर छात्रों को सालाना 96,000 रुपये मिलेंगे।

### सांसद के ड्राइवर को किसने गिफ्ट कर दी 150 करोड़ की जमीन! सरकार हैरान; जांच शुरू

**मुंबई, एजेंसी।** महाराष्ट्र की छत्रपति संभाजीनगर लोकसभा सीट से सांसद संदीपनराव भूमरे के ड्राइवर के नाम पर 150 करोड़ रुपये की जमीन लिखवाई गई है। इसे गिफ्ट डीड के तौर पर लिखवाया गया है, लेकिन इसने सवाल खड़े कर दिए हैं। आखिर क्यों सांसद के ड्राइवर को इतनी मोटी रकम की जमीन लिखवाएगा। ड्राइवर का भाग्य रातोंरात बदलने के इस मामले से राजनीतिक हलकों में भी चर्चाएं तेज हैं। यह जमीन भी किसी मामूली परिवार की नहीं है बल्कि किसी दौर में हैदराबाद के दीवान रहे सालार जंग परिवार की है। अब इस मामले की जांच महाराष्ट्र की आर्थिक अपराध शाखा ने संभाल ली है और उसकी ओर से यह जांच की जा रही है कि आखिर सालार जंग परिवार से सांसद के ड्राइवर का क्या रिश्ता है।

ड्राइवर जावेद रसूल शेख बीते 13 सालों से सांसद संदीपनराव भूमरे और उनके बेटे विलास भूमरे की गाड़ी चला रहे हैं। इस मामले में जावेद रसूल शेख का कहना है कि मैं पुलिस से पूरा सहयोग कर रहा हूं। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार जावेद रसूल ने कहा कि मेरा सालार जंग परिवार से बहुत अच्छा रिश्ता है। इसी कारण से उन्होंने मुझे गिफ्ट में यह जमीन दी है। यह जमीन जालना रोड पर स्थित दाऊदपुरा इलाके में है, जो काफी प्राइम लोकेशन है। ऐसे में इस जमीन को सालार जंग परिवार ने क्यों एक ड्राइवर के नाम लिखवा दिया, यह चर्चा का विषय है।

पुलिस कमिश्नर प्रवीन पवार का कहना है कि जावेद को इस मामले में समन जारी किया गया है। परभणी के एक वकील ने इस डील को लेकर सवाल उठाया था और उसके बाद समन जारी हुआ है। वकील का कहना था कि आखिर इतनी महंगी और प्राइम लोकेशन वाली जमीन कोई एक ड्राइवर को गिफ्ट में क्यों देगा। ऐसे में इस गिफ्ट डीड की जांच होनी चाहिए। पुलिस ने इस मामले में जानकारी जुटाने के लिए सालार जंग परिवार के मीर मजहर अली खान और 6 अन्य सदस्यों से संपर्क किया है। अब तक फैमिली की ओर से कोई डिटेल इस गिफ्ट डीड के बारे में नहीं दी गई है। वहीं सांसद के विधायक बेटे विलास ने इस मामले पर आपत्ति जताई है।

**विलास भूमरे बोले- ड्राइवर से जुड़ी हर बात हम कैसे जानेंगे:** विलास भूमरे कहा कि यह मामला ड्राइवर से जुड़ा है, लेकिन पुलिस उनका और उनके पिता का नाम जबरदस्ती इस मामले में घसीट रही है। उन्होंने कहा कि आर्थिक अपराध शाखा की टीम ने मुझसे भी पूछताछ की है। मेरा कहना है कि भले ही जावेद हमारा ड्राइवर है, लेकिन उससे जुड़ी हर चीज पर हमारा कोई कंट्रोल नहीं है।

# भाजपा के खिलाफ भाषा मुद्दे पर साथ आए ठाकरे बंधु, राज और उद्धव ने मिलकर खोला मोर्चा

**मुंबई , एजेंसी।** शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र में हिंदी थोपे जाने जाने को लेकर अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर भाषा के आधार पर लोगों को बांटने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उद्धव के चचेरे भाई एवं महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने भी त्रि-भाषा फार्मूले और हिंदी थोपे जाने के सरकार के कदम का विरोध किया। यह घटनाक्रम ऐसे समय पर हो रहा है, जब ठाकरे बंधुओं के एकजुट होने की अटकलें तेज हैं।

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने यहां पत्रकारों से बातचीत में दावा किया कि उनकी पूर्व सहयोगी भाजपा मुख्य रूप से मराठी भाषी राज्य में ''भाषा आपातकाल'' लगाने का प्रयास कर रही है। ठाकरे ने इस बात पर बल दिया कि उनकी पार्टी हिंदी के विरोध में नहीं है, लेकिन साफ तौर पर इसे थोपे जाने के खिलाफ है।

मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में कक्षा एक से पांचवीं तक के छात्रों को हिंदी पढ़ाने को लेकर जारी विवाद के बीच उन्होंने कहा, ''हम किसी भाषा का विरोध या उससे नफरत नहीं करते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम किसी भी भाषा को थोपने की अनुमति देंगे। हम हिंदी थोपे जाने का विरोध करते हैं और यह जारी रहेगा।'' पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया, ''भाजपा भाषा के आधार पर लोगों के बीच विभाजन पैदा करने की कोशिश कर रही है और यह भाषा आपातकाल लगा रही है।'' ठाकरे ने आरोप लगाया कि भाजपा का गुप्त एजेंडा हिंदी को थोपने का है।

विपक्षी नेता ने कहा कि अगर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस घोषणा करते हैं कि राज्य के स्कूलों में हिंदी अनिवार्य नहीं की जाएगी तो विवादास्पद भाषा का मुद्दा हल हो सकता है। ठाकरे ने कहा कि 2019 से 2022 तक मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने महाराष्ट्र के सभी स्कूलों में मराठी को अनिवार्य विषय बनाने का निर्णय लिया था।

शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख ने घोषणा की कि उनकी पार्टी स्कूलों में त्रि-भाषा फार्मूले और हिंदी थोपे जाने के खिलाफ सात जुलाई को दक्षिण मुंबई के आजाद मैदान में नागरिक समाज के सदस्यों द्वारा आयोजित प्रदर्शन में भाग लेगी। सत्तारूढ़ गठबंधन महायुति में घटक शिवसेना के प्रमुख एवं उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर कटाक्ष करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि ''गद्दारों'' को पार्टी के संस्थापक दिवंगत बाल ठाकरे के आदर्शों के बारे में याद दिलाना चाहिए।

इस बीच, एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे ने कहा कि उनकी पार्टी छह जुलाई को एक मार्च निकालेगी। लेकिन उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह विरोध प्रदर्शन किसी भी पार्टी के मंच से नहीं होगा। उन्होंने कहा कि मनसे अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं, साहित्यकारों और कलाकारों से बात करेगी ताकि वे विरोध में शामिल हो सकें। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (उबाठा) के नेताओं को भी विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के लिए आमंत्रित करेंगे तो राज ठाकरे ने कहा कि सभी राजनीतिक दलों से संपर्क किया जाएगा। साथ ही उन्होंने जोर देकर कहा कि महाराष्ट्र किसी भी लड़ाई से बड़ा है। स्कूली पाठ्यक्रम में तीसरी भाषा के विवाद पर मुख्यमंत्री फडणवीस ने स्पष्ट किया कि हिंदी वैकल्पिक है जबकि मराठी अनिवार्य है।

राज्य सरकार ने पिछले सप्ताह एक संशोधित आदेश जारी किया था जिसमें कहा गया था कि मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में पहली से पांचवी कक्षा तक के विद्यार्थियों को हिंदी सामान्यतः तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाई जाएगी, जिसके बाद विवाद पैदा हो गया।

## सजा माफ हुई तो फिर बन जाएंगे विधायक... कंवरलाल की दया याचिका पर बवाल

### जूली बोले-ऐसा हुआ तो लोकतंत्र की हत्या होगी

**बारां, एजेंसी।** राजस्थान की राजनीति में इन दिनों बारां जिले की अंता विधानसभा सीट फिर चर्चा में है। वजह हैं पूर्व विधायक कंवरलाल मीणा, जो एसडीएम पर पिस्टल तानने के मामले में तीन साल की सजा पाए हुए हैं और अब राजभवन से दया की गुहार लगा रहे हैं। कंवरलाल की दया याचिका के जरिए न सिर्फ उनकी संभावित राजनीतिक वापसी की राह तलाशी जा रही है, बल्कि इस प्रक्रिया को लेकर विपक्ष ने लोकतंत्र पर सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं।

**क्या है मामला?:** बीजेपी के पूर्व विधायक कंवरलाल मीणा को एसडीएम के साथ मारपीट और पिस्टल तानने के मामले में तीन साल की सजा हुई थी। यह सजा पहले ट्रायल कोर्ट और फिर हाईकोर्ट से भी बरकरार रही। सुप्रीम कोर्ट से भी उन्हें कोई राहत नहीं मिली। इसके बाद 2024 में उन्होंने अकलेरा कोर्ट में सरेंडर किया और जेल भेज दिए गए। 23 मई को विधानसभा अध्यक्ष की अनुमति के बाद उनकी सदस्यता समाप्त कर दी गई और चुनाव आयोग को सीट रिक्त होने की सूचना भेज दी गई।

**दया याचिका से बहाली की उम्मीद:** अब कंवरलाल मीणा ने अपनी सजा माफ करने के लिए राज्यपाल के समक्ष दया याचिका लगाई है।

## 60 साल की कैंसर से पीड़ित दादी को पोते ने कचरे में फेंका, पुलिस ने किया दो दिनों बाद पोते को गिरफ्तार

**मुंबई , एजेंसी।** मुंबई में एक परेशान करने वाला मामला सामने आया थी, जहां एक बुजुर्ग महिला कूड़े के ढेर पर पड़ी मिली। कैंसर से पीड़ित इस महिला को उसके पोते ने कथित तौर पर कूड़े में फेंक दिया। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और साठ साल की इस महिला के परिवार की तलाश शुरू कर दी है। यह घटना शनिवार को तब सामने आई, जब मुंबई पुलिस ने शहर की आरे कॉलोनी में सड़क पर कूड़े के ढेर के पास 60 वर्षीय यशोदा गायकवाड़ को बेहद कमजोर हालत में पाया। महाराष्ट्र के मुंबई में कैंसर रोगी अपनी दादी को आरे कॉलोनी के पास जंगल में छोड़ने के आरोप में 33 वर्षीय एक व्यक्ति और दो अन्य लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। लगभग 70 वर्षीय महिला 22 जून की सुबह एक कूड़े के ढेर के पास पायी गयी थी और उसकी हालत खराब थी, जिसके बाद पुलिस ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस के एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को बताया कि सीसीटीवी फुटेज में बुजुर्ग महिला के पोते सागर शेवाले (33), बहनोई बाबासाहेब गायकवाड़ (70) और ऑटो रिक्शा चालक संजय कादरेशम (27) को कथित तौर पर महिला को उस स्थान पर छोड़ते हुए देखा गया। जहां वह मिली थी। अधिकारी ने बताया कि तीनों को बुधवार को भारतीय न्याय संहिता की धारा 125 (दूसरों के जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालने वाला कृत्य) और माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया। सीसीटीवी फुटेज से पता चला है कि आरोपी बोरीवली निवासी महिला को 21 जून की रात को पहले नगर निगम द्वारा संचालित शताब्दी अस्पताल ले गए, लेकिन जब अस्पताल के अधिकारियों ने उसे भर्ती करने से इनकार कर दिया।

# चुनाव आयोग को राजनीतिक दलों से मिले कैसे-कैसे 70 सुझाव, बसपा की दिलचस्प मांग

**नई दिल्ली, एजेंसी।** चुनाव आयोग को भाजपा, समाजवादी पार्टी, सीपीएम और बसपा जैसे तमाम राजनीतिक दलों से करीब 70 सुझाव मिले हैं। फिलहाल आयोग की ओर से इन सुझावों पर विचार किया जा रहा है। इन सुझावों में से आधे तो अकेले भाजपा ने ही दिए हैं। भाजपा का कहना है कि वोटर लिस्ट को तैयार करने और उसमें संशोधन आदि के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भी मदद लेनी चाहिए। इसके अलावा सिर्फ जिला निर्वाचन अधिकारी और मतदाता पंजीयन अधिकारी के अलावा कुछ प्रोफेशनल्स को भी वोटर लिस्ट के काम में शामिल करना चाहिए।

सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट जैसे छोटे राजनीतिक दलों ने भी आयोग को सुझाव दिए हैं, जबकि कांग्रेस ने अब तक बात नहीं की है। तृणमूल कांग्रेस ने डुप्लिकेट ईपीआईसी नंबर को लेकर चिंता जाहिर की थी, जिसके बाद मार्च में चुनाव आयोग ने सभी राजनीतिक दलों से सुझाव मांगे थे। समाजवादी पार्टी ने एक सुझाव दिया है कि हर महीने बूथवार वोटर लिस्ट को अपडेट किया जाए। इसके अलावा उन मतदाताओं की सूची को साझा किया जाए, जो संबंधित इलाके में न पाए गए हों। कहीं और शिफ्ट हो गए हों, मृत्यु हो गई हो या फिर डुप्लिकेट वोटर के चलते नाम कटे हों।

इकनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार सबसे दिलचस्प सुझाव बसपा ने दिया है। आयोग की ओर से फिलहाल यह अनिवार्य किया गया है कि यदि कोई उम्मीदवार आपराधिक प्रवृत्ति का है तो उसके बारे में अखबार में जानकारी प्रकाशित करानी होगी। इसका खर्च भी कैंडिडेट उठाता है और यह उसके प्रचार राशि में जुड़ जाता है। इस पर बसपा ने आपत्ति जताई है। मायावती की पार्टी का कहना है कि इसे बंद करना चाहिए क्योंकि कमजोर आर्थिक बैकग्राउंड के प्रत्याशियों पर यह एक बोझ होता है।

तीन महीने पहले लगे वोटर के ट्रांसफर पर रोक

सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट का कहना है कि मतदाता पहचान पत्र को आधार कार्ड से लिंक कर दिया जाए। इसके अलावा चुनाव से तीन पहले मतदाताओं के ट्रांसफर पर रोक लग जानी चाहिए। वहीं भाजपा ने एक सुझाव दिया है कि मतदाताओं को अपने नाम में सुधार कराने, जुड़वाने या हटाने के लिए और सुविधा दी जानी चाहिए। भाजपा का कहना है कि यह प्रक्रिया आसान और डिजिटल होनी चाहिए। इससे लोगों को मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने में आसानी रहेगी।

# ट्रंप की बेटी से लेकर बिल गेट्स तक, बेजोस की शादी में सितारों ने लगाए चार चांद; खर्च पर उठे सवाल

**वेनिस, एजेंसी।** दुनिया के चौथे सबसे अमीर व्यक्ति और अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस ने पत्रकार लॉरेन सांचेज से शादी करने के लिए इटली के खूबसूरत शहर वेनिस को चुना है। इस शादी को सदी की सबसे बड़ी शादी कहा जा रहा है। वेनिस में तीन दिनों तक चलने वाले इस भव्य समारोह की शुरुआत गुरुवार को हुई, जहां सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

शादी में शामिल होने के लिए दुनियाभर से करीब 200 से 250 हाई-प्रोफाइल मेहमान पहुंचे हैं। इनमें बिल गेट्स, ओपरा विन्फ्रे, ऑरलैंडो ब्लूम, जॉर्डन की क्वीन, क्रिस जेनर, किम और क्लोई कार्डेशियन जैसे बड़े नाम शामिल हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बेटी इवांका और दामाद जेरेड कुश्नर पहले ही शहर में पहुंच गए हैं और समय का आनंद लेते हुए वो लोग खरीदारी कर रहे हैं। दरअसल , इस शादी का जश्न एक दिन नहीं बल्कि 3 दिन तक चलेगा।

**शादी पर विरोध भी जारी:** इस आलीशान समारोह को लेकर स्थानीय लोगों और पर्यावरण कार्यकर्ताओं के बीच नाराजगी भी देखी जा रही है। प्रदर्शनकारियों ने इसे वेनिस को अमीरों के लिए

बेचने की मिसाल बताया है। गुरुवार को एक प्रदर्शनकारी ने सेंट मार्क स्क्वायर पर चढ़कर दुनिया को 1व्र अमीर लोग बर्बाद कर रहे हैं लिखी हुई बैनर लहराया।

**ऐतिहासिक चर्च में पहला कार्यक्रम:** गुरुवार शाम को वेनिस के ऐतिहासिक मदोन्ना डेलऑर्टो चर्च में पहला कार्यक्रम आयोजित हुआ। यह चर्च अपनी 16वीं सदी की प्रसिद्ध पेंटिंग्स के लिए जाना जाता है। स्थानीय प्रशासन ने सुरक्षा के चलते शाम 4:30 बजे से आधी रात तक इलाके में लोगों और नावों की आवाजाही पर रोक लगा दी। बेजोस और सांचेज हेलीकॉप्टर से बुधवार को वेनिस पहुंचे और ग्रैंड कैनाल के किनारे स्थित आलीशान अमान होटल में रुके। यहां एक कमरे का किराया करीब 4,000 यूरो यानी लगभग 4.68 लाख रुपये प्रति रात है। शुक्रवार को सेंट मार्क स्क्वायर के सामने स्थित सैन जॉर्जियो द्वीप पर शादी का मुख्य कार्यक्रम होगा। हालांकि, इसे केवल प्रतीकात्मक शादी बताया जा रहा है।

**स्थानीय लोग भी बंटे, विरोध के बीच समर्थन भी:** जहां कुछ लोग इस आयोजन को वेनिस की गरिमा के खिलाफ बता रहे हैं, वहीं कई स्थानीय लोग इसे शहर की अर्थव्यवस्था के लिए फायदेमंद मानते हैं। होटल मालिकों और टूर गाइड्स का कहना है कि अमीर मेहमानों के खर्च से शहर को फायदा होता है। वेनिस में वीआईपी शादियों का इतिहास पुराना है। 2014 में हॉलीवुड अभिनेता जॉर्ज क्लूनी और मानवाधिकार वकील अमल अलामुद्दीन ने भी यहीं शादी की थी। इससे पहले 2011 में भारतीय उद्योगपति विनिता अग्रवाल और मुकीत तेजा ने भी वेनिस में विवाह किया था।

## शराब खरीदने से पहले पत्नी की मंजूरी ज़रूरी, इस जगह पर अब बिना पत्नी के लिखित अनुमति के नहीं मिलेगी दारू!

**पेंसिलवेनिया, एजेंसी।** शराब को लेकर दुनियाभर में अलग-अलग नियम और कानून हैं – कहीं इसकी बिक्री पूरी तरह से बैन है तो कहीं इसे खरीदने के लिए उम्र और लाइसेंस जैसे नियम लागू हैं। लेकिन क्या आपने कभी सुना है कि शराब खरीदने के लिए पत्नी की लिखित मंजूरी लेनी पड़े? जी हां, अमेरिका के एक राज्य पेंसिलवेनिया में ऐसा ही एक अनोखा नियम सामने आया है, जो लोगों को हैरानी में डाल देता है। अमेरिका का यह राज्य अपने सख्त और थोड़े अजीब शराब कानूनों के कारण चर्चा में रहता है। यहां पर शराब की बिक्री आम दुकानों से नहीं होती, बल्कि इसके लिए अलग-अलग सरकारी लाइसेंस प्राप्त स्टोर्स बनाए गए हैं।

-अगर कोई बीयर लेना चाहता है, तो उसे बीयर की विशेष दुकान पर जाना होगा।

-वाइन या हार्ड लिकर खरीदने के लिए किसी और स्टोर का रुख करना पड़ता है।

इतना ही नहीं, यहां पर शराब खरीदने के लिए व्यक्ति की उम्र कम से कम 21 साल होनी चाहिए। नाबालिगों को न शराब परोसी जाती है, न ही उन्हें किसी भी हाल में बेचने की अनुमति दी जाती है। सबसे अनोखी बात ये है कि कई रिपोर्ट्स के अनुसार, पेंसिलवेनिया में एक ऐसा नियम मौजूद है जिसके तहत शादीशुदा पुरुष को शराब खरीदने से पहले अपनी पत्नी की लिखित अनुमति लेनी होती है। हां, आपने सही पढ़ा-शराब खरीदने से पहले बीवी की मंजूरी जरूरी! हालांकि यह नियम कितना सख्ती से लागू होता है, इस पर अलग-अलग स्रोतों में भिन्न जानकारी मिलती है। कुछ का कहना है कि ये कानून पुराने ज़माने से चला आ रहा है और अब शायद व्यवहार में नहीं लाया जाता, जबकि कुछ जगहों पर इसे कागजों पर आज भी ज़िंदा बताया गया है।

# दुनिया भर के अमीर लोग ढूंढ रहे नया आशियाना, ब्रिटेन से सबसे ज्यादा रईस छोड़ रहे देश

**लंदन , एजेंसी।** 2025 में दुनिया भर में रिकॉर्ड तोड़ 142,000 अमीर लोग एक देश से दूसरे देश में बसने की तैयारी में हैं। यह आंकड़ा अंतरराष्ट्रीय निवेश और पलायन सलाहकार फर्म हेनली एंड पार्टनर्स और वैश्विक धन खुफिया फर्म न्यू वर्ल्ड वेल्थ की ताजा रिपोर्ट, हेनली प्राइवेट वेल्थ माइग्रेशन रिपोर्ट 2025, में सामने आया है।

इस साल ब्रिटेन (यूके) से सबसे ज्यादा अमीर लोग देश छोड़कर जा रहे हैं, जो पिछले दस सालों में किसी भी देश से सबसे बड़ा पलायन है। वहीं, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) लगातार दुनिया के अमीरों की पहली पसंद बना हुआ है। भारत से भी अमीरों का पलायन कम हुआ है, लेकिन कुछ देशों में यह सिलसिला तेजी से बढ़ रहा है।

**कितने अमीर बसेंगे अपने देश को करेंगे टाटा बाय-बाय?:** इस साल 142,000 हाई-नेट-वर्थ इंडिविजुअल्स, यानी अमीर लोग, दुनिया भर में एक देश से दूसरे देश में बसने वाले हैं। यह आंकड़ा अपने आप में रिकॉर्ड है।

हेनली एंड पार्टनर्स के सीईओ डॉ. जर्ग स्टेफन कहते हैं, 2025 एक अहम मोड़ है। पहली बार यूरोप का कोई देश, यानी यूके, अमीरों के पलायन में सबसे आगे है। यह सिर्फ टैक्स नीतियों की वजह से नहीं, बल्कि अमीरों में यह धारणा बढ़ रही है कि कहीं और बेहतर मौके, आजादी और स्थिरता मिल सकती है। इसका यूरोप और यूके की आर्थिक प्रतिस्पर्धा और निवेश की साख पर गहरा असर होगा।

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) इस साल भी दुनिया के अमीरों की पहली पसंद बना हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 में यूएई में 9,800 नए अमीर बसने की उम्मीद है, जो अमेरिका से भी 2,000 ज्यादा है। यूएई जाने के पीछे की वजह है इसकी निवेशक-अनुकूल नीतियां, सुनहरे वीजा (गोल्डन वीजा) की सुविधा, और आकर्षक जीवनशैली।

यूके, भारत, रूस, दक्षिण-पूर्व एशिया और अफ्रीका से अमीर लोग बड़ी संख्या में दुबई और अबू धाबी जैसे शहरों की ओर रुख कर रहे हैं। सऊदी अरब भी इस दौड़ में तेजी से उभर रहा है, जहां 2,400 नए अमीर बसने की उम्मीद है।

**यूएई में क्यों बस रहे हैं लोग?:** यूएई की चमक का कारण इसकी टैक्स-मुक्त नीतियां, शानदार बुनियादी ढांचा, और सुरक्षित माहौल है। गोल्डन वीजा प्रोग्राम के तहत अमीर लोग आसानी से वहां निवेश कर सकते हैं और रहने की सुविधा पा सकते हैं। इसके अलावा, दुबई और रियाद जैसे शहरों में विश्वस्तरीय सुविधाएं, जैसे अंतरराष्ट्रीय स्कूल, लग्जरी रियल एस्टेट, और बढ़ता वित्तीय क्षेत्र, अमीरों को अपनी ओर खींच रहे हैं।

न्यू वर्ल्ड वेल्थ के रिसर्च हेड एंड्रयू एमोइल्स कहते हैं, पिछले दस सालों में सबसे तेजी से बढ़ने वाले धन बाजारों में यूएई, माल्टा, और मॉन्टेनेग्रो जैसे देश शामिल हैं, जो अमीरों के लिए पलायन का केंद्र बन गए हैं। यह दिखाता है कि अमीरों का पलायन किसी देश में नई दौलत बनाने में कितना अहम है।

**भारत से कम हुआ पलायन का आंकड़ा:** भारत से अमीरों के पलायन में इस साल उल्लेखनीय कमी आई है। 2025 में भारत से 3,500 अमीरों के देश छोड़ने की उम्मीद है, जो कोविड के बाद का सबसे कम आंकड़ा है। इसका एक कारण यूके से कुछ अमीर भारतीयों की वापसी है। साथ ही, शेनझेन और हांगझोउ जैसे तकनीकी केंद्रों और मनोरंजन व आतिथ्य क्षेत्रों की तेजी से बढ़ती मांग ने कई अमीर भारतीयों को देश में ही रहने के लिए प्रेरित किया है।

मशहूर लेखक और अल्फाजियो के सीईओ डॉ. पराग खन्ना कहते हैं, एशिया दुनिया का सबसे ताकतवर आर्थिक इंजन है और वैश्विक निजी धन में उसकी ताकत बढ़ रही है। भारत और चीन जैसे देश घरेलू मौकों और विविधता की तलाश में संतुलन बना रहे हैं।

**सबसे ज्यादा पलायन किस देश से?:** यूके इस साल अमीरों के पलायन में सबसे आगे है, जहां से 16,500 अमीर लोग देश छोड़ने वाले हैं। यह संख्या चीन (-7,800) से दोगुनी से भी ज्यादा है, जो पिछले दस सालों तक इस सूची में पहले स्थान पर था। यूके में यह पलायन ब्रेक्सिट के बाद से बढ़ा है, और हालिया टैक्स सुधारों ने इसे और तेज कर दिया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादक: रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोट: प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129